जबलपुर, नई दिल्ली एवं पटना से एक साथ प्रकाशित

www.pratahkiranlive.com

राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

हर खबर की खबर

सुविचार

'सच बोलना और उस पर चलना ही मेरा मंत्र है.'

-महात्मा गांधी

■ वर्ष -01 ■ अंक - 256 ■ जबलपुर, मंगलवार, 14 अप्रैल 2026 ■ विक्रम संवत् 2083 ■ पेज - 12 ■ मूल्य रू 04.00

रायसेन कृषि महोत्सव में पहुंचे केंद्रीय मंत्री

किसान समृद्धि से ही गांव का विकास संभवः गडकरी

भोपाल। केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी के भोपाल आगमन पर मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने सोमवार को उनका पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

रायसेन. प्रातः किरण संवाददाता

जिले के दशहरा मैदान में 11 अप्रैल से आयोजित तीन दिवसीय उन्नत कृषि महोत्सव का सोमवार को समापन हो गया। समापन अवसर पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान विशेष रूप से कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान दोनों नेताओं ने कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन किया और विभिन्न स्टॉल्स पर जाकर आधुनिक खेती से जुड़ी तकनीकों की जानकारी ली।

किसान के रूप में आया हूं : गडकरी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गडकरी ने कहा कि वे यहां मंत्री के तौर पर नहीं बल्कि एक किसान के रूप में आए हैं। उन्होंने कहा कि खेती केवल जीविका का साधन नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। गडकरी ने जोर देते हुए कहा कि गांवों का वास्तविक विकास तभी संभव है जब किसानों की आय में वृद्धि हो और उनके हाथों में पर्याप्त पैसा पहुंचे। उन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों, मजदूरों और गरीबों के कल्याण के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। उनका लक्ष्य आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत का निर्माण करना है, जिसमें गांवों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है।

एनएच परियोजनाओं की समीक्षा भी की

रायसेन पहुंचने से पहले गडकरी ने जिले में चल रही राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समयसीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। इसके बाद वे सीधे कृषि महोत्सव स्थल पहुंचे और प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान मंच पर प्रदेश के डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा भी मौजूद रहे।

जीतू पटवारी को रास्ते में ही रोका गया

इधर, मप्र कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को रायसेन जाने से पहले ही पुलिस ने भोपाल के आनंद नगर क्षेत्र में रोक लिया। पटवारी कृषि मेले में पहुंचकर किसानों की समस्याएं उठाना चाहते थे। पुलिस द्वारा बैरिकेडिंग किए जाने के बाद उनकी अधिकारियों से बहस भी हुई, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी गई। इस दौरान पटवारी ने सरकार पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसान आज भी अपनी उपज का उचित मूल्य नहीं पा रहे हैं और कई जगहों पर किसान गेहूं कम कीमत पर बेचने को मजबूर हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्हें पहले ही पुलिस अधिकारियों का फोन आया था, जिसमें कार्यक्रम में न आने की बात कही गई थी। पटवारी ने कहा कि वे टकराव नहीं, बल्कि संवाद के उद्देश्य से मेले में जाना चाहते थे, लेकिन सरकार ने उन्हें रोककर लोकतांत्रिक परंपराओं का उल्लंघन किया है।

संक्षिप्त समाचार

मतदाता सूची से हटाए गए नाम आगामी चुनाव में नहीं करेंगे वोटिंग : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में इसी महीने होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सियासी घमासान चरम पर है। इसी बीच अब विशेष गहण पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने सोमवार को साफ-साफ कहा कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के खिलाफ अपील लंबित है, उन्हें आगामी पश्चिम बंगाल चुनाव में मतदान करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। राज्य में चल रहे एसआईआर विवाद के बीच सर्वोच्च न्यायालय का यह फैसला चुनावी राजनीति में बड़ा मोड़ माना जा रहा है, जिससे पार्टियों के बीच टकराव और तेज हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट में 15 अप्रेल को होगी उमर खालिद की सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली दंगों के आरोपी उमर खालिद ने एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। 5 जनवरी को जमानत याचिका खारिज होने के बाद उन्होंने अब पुनर्विचार याचिका दायर की है और खास मांग की है कि इस पर 'ओपन कोर्ट' में सुनवाई हो। आमतौर पर ऐसी याचिकाएं जज चैंबर में ही सुनी जाती हैं। वरिष्ठ वकील ने मामले का उल्लेख करते हुए जल्द सुनवाई की अपील की। अदालत ने 15 अप्रैल की तारीख तय की है। अब नजर इस पर है कि क्या कोर्ट अपने फैसले पर पुनर्विचार करेगा और क्या खुली अदालत में सुनवाई की अनुमति देगा।

अशोक खरात के 11 ठिकानों पर आईटी और ईडी ने की छापामार कार्रवाई

नासिक। महाराष्ट्र में खुद को गॉडमैन बताने वाले अशोक खरात की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। आईटी और ईडी ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए नासिक, पुणे और शिरडी समेत 11 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई खरात से जुड़े आर्थिक लेनदेन और बेनामी संपत्ति की जांच के तहत की जा रही है। नासिक के 'तृप्त बाला' बंगले सहित कई ठिकानों पर टीमों ने सर्च ऑपरेशन चलाया। मामला मनी लॉन्ड्रिंग और गंभीर आपराधिक आरोपों से जुड़ा है, जिसमें जबरन वसूली और धार्मिक आस्था के दुरुपयोग जैसे आरोप शामिल हैं। फिलहाल एजेंसियां पैसों के नेटवर्क और निवेश की गहराई से जांच में जुटी हैं।

बिना अनुमति किसी भी जहाज के प्रवेश और निकास पर रोक

अमेरिका ने होर्मुज में शुरू की नाकाबंदी, ईरान ने भी दी चेतावनी- 'हम तैयार हैं'

वॉशिंगटन डीसी. एजेंसी

अमेरिकी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पूर्व में ओमान की खाड़ी और अरब सागर में नाकाबंदी लागू कर दी है, जिससे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। संयुक्त राज्य अमेरिका की केंद्रीय कमान के अनुसार यह कार्रवाई भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से प्रभावी हुई।

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि बिना अनुमति किसी भी जहाज के प्रवेश या निकास पर रोक लगाई जा सकती है, उसका मार्ग बदला जा सकता है या उसे जब्त भी किया जा सकता है। हालांकि, गैर-ईरानी गंतव्यों के लिए तटस्थ पारगमन जारी रहेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह नाकाबंदी ईरानी समुद्री तट, बंदरगाहों और तेल टर्मिनलों तक फैली है। मानवीय सहायता वाले जहाजों को जांच के बाद अनुमति मिलेगी। इस बीच ईरान ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए किसी भी आक्रामकता का जवाब देने की चेतावनी दी है।

नाकाबंदी का दायरा, असर

अमेरिकी नाकाबंदी ओमान की खाड़ी, अरब सागर और ईरानी समुद्री तट के बड़े हिस्से को कवर करती है। इसमें प्रमुख बंदरगाह और तेल निर्यात टर्मिनल शामिल हैं, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। हालांकि, अमेरिका ने स्पष्ट किया है कि यह कदम पूरी तरह से व्यापारिक जहाजों को रोकने के लिए नहीं है। तटस्थ मार्गों से गुजरने वाले जहाजों को अनुमति दी जाएगी, लेकिन उनकी निगरानी बढ़ा दी गई है। इससे अंतरराष्ट्रीय शिपिंग कंपनियों और तेल बाजार में अनिश्चितता बढ़ सकती है।

हम पूरी तरह तैयार : ईरान

ईरान ने इस कदम को गंभीरता से लेते हुए सख्त रुख अपनाया है। ईरान के कार्यवाहक रक्षा मंत्री ने कहा कि देश किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और उसकी सेना अलर्ट पर है। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी उकसावे या आक्रामक कार्रवाई का जवाब 'कड़ा और निर्णायक' होगा। इस बयान के बाद क्षेत्र में सैन्य तनाव बढ़ने की आशंका और गहरी हो गई है, जिससे अंतरराष्ट्रीय राजनीति पर भी असर पड़ सकता है।

बीजिंग में होगी रूस और चीन की बैठक

होर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ते तनाव के बीच रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव मंगलवार को बीजिंग पहुंचकर चीन के विदेश मंत्री वांग यी से अहम बैठक करेंगे। यूएस और ईरान के बीच वार्ता विफल रहने और समुद्री मार्ग पर सख्ती के बाद यह दौरा बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रूस और चीन ऊर्जा आपूर्ति, क्षेत्रीय तनाव और होर्मुज मार्ग को खोलने जैसे मुद्दों पर साझा रणनीति बनाएंगे। चीन की तेल निर्भरता और रूस-ईरान के करीबी संबंध इस सहयोग को और अहम बनाते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह बैठक वैश्विक तेल बाजार और भू-राजनीतिक संतुलन पर बड़ा असर डाल सकती है।

विज्ञान भवन से पीएम मोदी का संदेश

'महिला आरक्षण कानून लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाएगा'

नई दिल्ली. प्रातः किरण संवाददाता

पीएम नरेंद्र मोदी ने विज्ञान भवन में आयोजित 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' में महिला आरक्षण कानून को 21वीं सदी के सबसे बड़े फैसलों में बताया। उन्होंने कहा कि यह कदम देश में सामाजिक न्याय को मजबूत करेगा और लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाएगा।

पीएम ने 16-18 अप्रैल के विशेष संसद सत्र को इस दिशा में निर्णायक बताया। उन्होंने कहा कि संसद एक नया इतिहास रचने जा रही है, जिससे दशकों पुरानी मांग पूरी होगी। 2023 में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने की प्रक्रिया अब तेज हो रही है। कार्यक्रम में महिला नेतृत्व की बढ़ती भूमिका पर भी जोर दिया गया।

'महिला आरक्षण नहीं, परिसीमन असली मुद्दा'

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने संसद के विशेष सत्र और महिला आरक्षण को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के बीच सत्र बुलाकर विपक्ष को घेरने की कोशिश हो रही है। 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के लागू होने में बदलाव पर भी उन्होंने यू-टर्न बताया। सोनिया ने जनगणना में देरी और जाति जनगणना पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि असली चिंता परिसीमन है।

4 मई के बाद बंगाल में 4 शादी बंद, लागू करेंगे यूसीसी : शाह

बीरभूम. प्रातः किरण संवाददाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के चुनाव को लेकर बीरभूम में आयोजित एक चुनावी जनसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने टीएमसी पर सीधे प्रहार करते हुए कहा, मैं आज कह रहा हूं, भाजपा को सरकार बनाने का एक मौका दें, हम इन सिंडिकेट ऑपरेटरों को सीधा कर देंगे। शाह ने आरोप लगाया कि बंगाल में हर योजना, भर्ती, ट्रांसफर-पोस्टिंग, रेत और कोयले के कारोबार में 'कट मनी' और भ्रष्टाचार व्याप्त है। शाह ने पश्चिम बर्धमान में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि बंगाल में भाजपा सरकार बनने पर समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू होगी और घुसपैठ रोकी जाएगी। शाह ने पश्चिम बर्धमान की रैली में कहा कि बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने पर यहां यूसीसी लागू करेंगे और कुछ लोगों को 4 शादी नहीं करने देंगे।

आशा भोसले पंचतत्व में विलीन, बेटे आनंद भोसले ने दी मुखाग्नि

मुंबई। भारतीय संगीत की दुनिया में राज कर चुकीं आशा भोसले पंचतत्व में विलीन हो गईं। मुंबई के शिवाजी पार्क में सोमवार को राजकीय सम्मान के साथ उन्हें आखिरी विदाई दी गई। आशा भोसले के परिवार, फिल्मी हस्तियां और उन्हें चाहने वाले उनके अपनों ने आज सोमवार को नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि दी। बेटे आनंद भोसले ने उन्हें मुखाग्नि दी। संगीत जगत की दिग्गज सिंगर आशा भोसले का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया, जिन्हें लोग प्यार से 'आशा ताई' भी कहते थे। उनके निधन से न केवल मनोरंजन जगत में बल्कि पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई है। जिन्हें लोग अब तक अपने सामने गाते हुए देखा करते थे, अब वो यादें बनकर रह जाएंगी।

नोएडा हिंसा : सरकार ने हाई लेवल कमेटी गठित की

नोएडा। नोएडा में वेतन वृद्धि और न्यूनतम मजदूरी की मांग को लेकर हुए हिंसक प्रदर्शन के बाद यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। राज्य सरकार ने मजदूरों और उद्योगों के बीच बढ़ते तनाव को कम करने के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है।

इस कमेटी की कमान औद्योगिक विकास आयुक्त को सौंपी गई है, जबकि अपर मुख्य सचिव (एमएसएमई) और प्रमुख सचिव श्रम भी इसमें शामिल हैं। समिति में श्रमिक संगठनों के पांच और उद्योग संगठनों के तीन प्रतिनिधि शामिल किए गए हैं। कर्मचारियों की मांग है कि उन्हें हरियाणा की तर्ज पर 15,220 से 19,425 रुपए तक न्यूनतम वेतन मिले, ओवरटाइम का भुगतान नियम अनुसार हो और नौकरी की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। बता दें कि लगभग 50 हजार से अधिक निजी कर्मचारियों ने 50 फैक्ट्रियों में तोड़फोड़ की थी।

सत्ता एनडीए विधायक दल की बैठक में होगा फैसला, 15 अप्रैल को लोकभवन में शपथ ग्रहण

बिहार के सीएम पर सियासी सस्पेंस, आज तय होगा नाम

पटना. प्रातः किरण संवाददाता

बिहार की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। नीतीश कुमार के इस्तीफे की अटकलों के बीच एनडीए (नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस) ने पटना में विधायक दल की अहम बैठक बुलाई है।

14 अप्रैल शाम 4 बजे विधानसभा के सेंट्रल हॉल में सभी विधायक जुटेंगे, जहां नए नेता का चयन होगा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ऑब्जर्वर की भूमिका में मौजूद रहेंगे। इसके बाद 15 अप्रैल सुबह 11 बजे लोकसभा में शपथ ग्रहण समारोह होगा। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी की सक्रियता से उनके अहम रोल के संकेत मिल रहे हैं।

विधायक दल की बैठक अहम

विधायक दल की बैठक बिहार की राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण चरण मानी जाती है। इसमें एनडीए के सभी विधायक शामिल होते हैं और अपने नेता का चुनाव करते हैं। यही नेता आगे मुख्यमंत्री बनता है। गठबंधन की राजनीति में यह प्रक्रिया और भी अहम हो जाती है क्योंकि इसमें कई दल शामिल होते हैं, जिनकी अपनी-अपनी प्राथमिकताएं होती हैं। इस बैठक में आम सहमति बनाने की कोशिश की जाती है ताकि सरकार स्थिर रह सके। यही वजह है कि मुख्यमंत्री का नाम पहले से घोषित नहीं किया जाता।

लोकभवन में शपथ की तैयारियां तेज

पटना के लोकभवन में शपथ ग्रहण समारोह को लेकर जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं। यह भवन राज्य के बड़े सरकारी आयोजनों के लिए जाना जाता है। अधिकारियों ने मंच, सुरक्षा और मेहमानों की व्यवस्था को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, समारोह भव्य बनाने की योजना है जिसमें कई वरिष्ठ नेता और गणमान्य व्यक्ति शामिल हो सकते हैं। इससे साफ है कि नई सरकार के गठन को लेकर प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो चुका है।

मुख्यमंत्री के नाम पर क्यों सस्पेंस

एनडीए गठबंधन में कई राजनीतिक दल शामिल हैं, जिनके अपने-अपने दावेदार हो सकते हैं। ऐसे में सभी को साथ लेकर चलना जरूरी होता है। इसी कारण पहले विधायक दल की बैठक में चर्चा होती है और फिर एक नाम पर सहमति बनती है। यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया गठबंधन की एकजुटता को मजबूत करती है। फिलहाल किसी एक नाम पर मुहर नहीं लगी है, लेकिन बैठक के बाद तस्वीर साफ हो जाएगी और बिहार को नया मुख्यमंत्री मिल जाएगा।

तेज रफ्तार डंपर-इको कार की टक्कर में 11 लोगों की हुई मौत

मुंबई. एजेंसी

महाराष्ट्र के कल्याण में सोमवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे ने 11 लोगों की जान ले ली, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा कल्याण-मुरबाड रोड पर रायता पुल के पास हुआ, जहां डंपर और इको कार की आमने-सामने टक्कर हो गई।

पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। बताया गया कि कार में 12 लोग सवार थे और वह मुरबाड की ओर जा रही थी। प्रारंभिक जांच में ओवरलोडिंग, तेज रफ्तार और पुल पर एक लेन चालू होने को हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, जबकि घायल का अस्पताल में इलाज जारी है।

हादसे की वजहें

इस दर्दनाक हादसे के पीछे कई गंभीर लापरवाहियां सामने आई हैं। सबसे बड़ी वजह इको कार में तय सीमा से ज्यादा यात्रियों का सवार होना बताया जा रहा है, जिससे जोखिम बढ़ गया। इसके अलावा, जिस रायता पुल पर दुर्घटना हुई, वहां केवल एक लेन चालू थी, जिससे आमने-सामने वाहनों के टकराने का खतरा बना रहता है। अधिकारियों के अनुसार, पुल का आधिकारिक उद्घाटन भी नहीं हुआ था, फिर भी उसे जल्दबाजी में चालू कर दिया गया। तेज रफ्तार ने हादसे को और भयावह बना दिया। फिलहाल सभी पहलुओं की गहन जांच जारी है।

संक्षिप्त समाचार

डॉ. संध्या जैन श्रुति सम्मानित

जबलपुर। प्रसिद्ध साहित्यकार, वरिष्ठ शिक्षाविद, समाजसेवी, विदुषी डॉ. संध्या जैन श्रुति को विश्व

मांगल्य सभा द्वारा संस्कृति थियेटर भंवरताल में आयोजित भव्य कार्यक्रम में सशक्त मातृशक्ति के रूप में ज्ञान सप्तमातृका सम्मान से स्वामी जगदीश्वरानंद जी परिव्राजक (नीदरलैंड), पूजा देशमुख, डा स्वाति सदानंद गोडबोले, पूजा पाठक, पुष्कल चौधरी द्वारा सम्मानित किया गया। डॉ. संध्या जैन अनेकांत की अध्यक्ष, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षाविद, मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी से सम्मानित साहित्यकार, दो महाकाव्य मां नर्मदा, एवं महाऋषीश्वर विद्यासागर के साथ ही 10 पुस्तकों की रचयिता हैं।

10 रुपये के फेर में गई थी नौकरी,फिर मिली

श्रीधाम स्टेशन के बुकिंग क्लर्क की 25 साल बाद बड़ी जीत, हाई कोर्ट ने बर्खास्तगी को ठहराया शून्य

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता

हाईकोर्ट ने रेलवे के एक बुकिंग क्लर्क की बर्खास्तगी को अवैध ठहराते हुए 25 साल पुराने मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। मामला सिर्फ 10 रुपये के लेनदेन में गड़बड़ी के आरोप से जुड़ा था, जिसके कारण एक कर्मचारी को अपनी नौकरी गंवानी पड़ी थी। हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने रेलवे की अपील को खारिज करते हुए कर्मचारी की सेवा बहाली का रास्ता साफ कर दिया है। अदालत ने रेलवे के विजिलेंस विभाग की पूरी कार्यवाही को नियमों के खिलाफ और दोषपूर्ण माना है।

विजिलेंस की छापेमारी से शुरु हुआ घटनाक्रम

पूरे मामले की शुरुआत 4 जनवरी 2002 को हुई थी, जब बुकिंग क्लर्क नारायण नायर की ड्यूटी श्रीधाम रेलवे स्टेशन के टिकट काउंटर पर लगी थी। इसी दौरान विजिलेंस की टीम ने औचक निरीक्षण किया। टीम के सामने एक यात्री आया जिसने आरोप लगाया कि उसे टिकट के बदले 31 रुपये वापस मिलने थे, लेकिन नारायण नायर ने उसे केवल 21 रुपये ही लौटाए। विजिलेंस टीम ने जब काउंटर की जांच की तो वहां कर्मचारी के पास 450 रुपये अतिरिक्त पाए गए। नारायण नायर ने सफाई देते हुए कहा था कि ये पैसे उनकी पत्नी की दवा के लिए थे और भीड़ अधिक होने के कारण हिसाब में कोई मानवीय भूल हो सकती है। हालांकि, जांच टीम ने उनकी दलीलों को अनसुना कर दिया।

निलंबन से बर्खास्तगी तक की कानूनी लड़ाई

विजिलेंस टीम की रिपोर्ट के आधार पर नारायण नायर के खिलाफ विभागीय जांच शुरू की गई। जांच के दौरान उन्हें प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया और पहले निलंबित कर दिया गया। इसके बाद 15 मार्च 2002 को रेलवे प्रशासन ने उन्हें सेवा से बर्खास्त करने का कड़ा फैसला लिया। नारायण नायर ने इस कार्रवाई के विरोध में सहायक मंडल रेलवे प्रबंधक के समक्ष अपील की, लेकिन वहां से उन्हें कोई राहत नहीं मिली। हार मानकर उन्होंने वर्ष 2002 में ही केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) में न्याय की गुहार लगाई। कैट ने मामले की सुनवाई करते हुए 16 जुलाई 2004 को नारायण नायर के पक्ष में फैसला सुनाया और बर्खास्तगी के आदेश को निरस्त कर दिया।

हाईकोर्ट ने -विजिलेंस की जांच में पाईं गंभीर खामियां

कैट के आदेश को रेलवे ने वर्ष 2005 में जबलपुर हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। करीब 21 साल तक हाई कोर्ट में चली इस कानूनी लड़ाई का फैसला अप्रैल 2026 में आया। जस्टिस विवेक रूसिया और जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने सुनवाई के दौरान पाया कि विजिलेंस की जांच प्रक्रिया में गंभीर कानूनी खामियां थीं। अदालत ने अपनी सख्त टिप्पणी में कहा कि जांच अधिकारी ने ही अभियोजन की भूमिका निभाई, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है। याचिकाकर्ता को अपना पक्ष रखने का पूरा मौका नहीं दिया गया, जिससे पूरी कार्यवाही अवैध हो गई।

रेलवे के सारे तर्क सिरे से खारिज

हाईकोर्ट ने कैट के पुराने फैसले को सही ठहराते हुए रेलवे की याचिका को पूरी तरह खारिज कर दिया। इस फैसले के बाद नारायण नायर की नौकरी में बहाली का मार्ग प्रशस्त हो गया है। अदालत के इस रुख से कर्मचारी को पिछले 25 वर्षों के बकाया वेतन और अन्य सेवा लाभ मिलने की उम्मीद जाग गई है। नारायण नायर की ओर से अधिवक्ता आकाश चौधरी ने पैरवी की थी। अदालत ने स्पष्ट किया कि छोटे आरोपों में भी न्याय के सिद्धांतों का पालन करना अनिवार्य है और बिना निष्पक्ष सुनवाई के किसी कर्मचारी को बर्खास्त करना मौलिक अधिकारों का हनन है।

भिलवां और महुआ के उत्पाद रहे आकर्षण का केंद्र

जबलपुर। कृषि उपज मंडी में प्रत्येक रविवार को लगाये जा रहे साप्ताहिक जैविक हाट में इस रविवार को भी नागरिकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति दिखाई दी। जैविक खेती को बढ़ावा देने तथा किसानों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से आयोजित इस हाट में लोगों की रुचि लगातार बढ़ रही है। जैविक हाट में उपभोक्ताओं द्वारा रसायन मुक्त एवं ताजे कृषि उत्पादों की खरीदारी में विशेष दिलचस्पी दिखाई जा रही है, जिससे किसानों को सीधे बाजार उपलब्ध हो रहा है और उनकी आय में वृद्धि के अवसर भी बढ़ रहे हैं। जैविक हाट में जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए लगभग 31 कृषकों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया। हाट में हरी सब्जियां, फल, अनाज, दलहन, मोटे अनाज (मिलेट्स), देशी घी, दुग्ध उत्पाद सहित विभिन्न रसायन मुक्त एवं प्राकृतिक उत्पाद उपलब्ध रहे। गन्ने का ताजा रस, कच्ची घानी से तैयार सरसों, मूंगफली एवं अलसी का तेल विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। कुंडम क्रॉप प्रोड्यूसर कंपनी के भिलावा एवं महुआ आधारित उत्पादों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और इन्हें काफी पसंद किया गया।

छावनी में तब्दील क्षेत्र, पांच थानों का बल तैनात

चरगवां श्मशान भूमि विवाद सुलझाने जमीन की नपाई

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता

चरगवां क्षेत्र में सोमवार सुबह उस समय तनावपूर्ण स्थिति बन गई जब पूरा इलाका अचानक पुलिस छावनी में तब्दील नजर आया। सुबह से ही भारी पुलिस बल की तैनाती ने स्थानीय लोगों को चौंका दिया और कुछ देर के लिए भय का माहौल भी बन गया। सुबह से ही क्षेत्र में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों की मौजूदगी देख लोग सहम गए। बाद में प्रशासन ने स्पष्ट किया कि श्मशान भूमि विवाद को सुलझाने के लिए नपाई की कार्रवाई की जा रही है, जिसके चलते सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

पांच थानों का बल तैनात

प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में बरगी, शहपुरा, भेड़ाघाट, तिलवारा और चरगवां थानों का पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया। किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए दोनों पक्षों को भी मौके पर बुलाया गया। अधिकारियों ने कहा कि जमीन की नपाई के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि भूमि श्मशान की है या निजी स्वामित्व की।

9 तारीख को टली, आज हो रही नपाई

जानकारी के अनुसार, इस भूमि की नपाई 9 तारीख को प्रस्तावित थी, लेकिन किसी कारणवश उस दिन कार्रवाई नहीं हो सकी। अब आज प्रशासन की निगरानी में यह प्रक्रिया पूरी की जा रही है। राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारी संयुक्त रूप से मौके पर मौजूद हैं।

अंतिम संस्कार को लेकर हुआ था विवाद

कुछ दिन पहले यह मामला उस समय तूल पकड़ गया था, जब एक पक्ष के व्यक्ति की मृत्यु के बाद दूसरे पक्ष ने श्मशान में अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया था। हालात इतने बिगड़ गए कि परिजनों को शव लेकर जबलपुर आना पड़ा और हनुमानताल कब्रिस्तान में अंतिम संस्कार करना पड़ा।

स्थायी समाधान की कोशिश

इसी विवाद को खत्म करने के लिए प्रशासन ने जमीन की नपाई का फैसला लिया है। अधिकारियों का कहना है कि निष्पक्ष जांच के जरिए सच्चाई सामने लाई जाएगी, ताकि भविष्य में इस तरह के विवाद न हों। फिलहाल क्षेत्र में स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन एहतियात के तौर पर पुलिस बल तैनात है और प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है।

मॉडल के पूर्व छात्रों ने स्कूल को भेंट किए 25 गमले

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता

समाज सेवा की दिशा में लगातार सक्रिय मॉडल हाई स्कूल 1999 बैच के पूर्व विद्यार्थियों ने एक बार फिर सराहनीय पहल करते हुए पंडित लज्जा शंकर झा मॉडल हाईस्कूल के पूर्व छात्रों के द्वारा पर्यावरण और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता अभियान के तहत मॉडल हाई स्कूल को 25 गमले प्रदान किए जिसका उपयोग स्कूल मै उन गमलों में पौधा लगा कर स्वास्थ्य के लिए जरूरी ऑक्सीजन प्राप्त होगी !! मॉडल हाई स्कूल बेच 1999 के सदस्य सैय्यद ताहिर अली ने बताया कि बैच के पूर्व छात्रों ने मिलकर मानवता फंड के माध्यम से लगातार सामाजिक कार्य कर रहे हैं। इस फंड के माध्यम से इससे पहले ग्वारीघाट क्षेत्र में महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम की व्यवस्था की गई थी। इसके साथ ही गाजी नगर स्थित शासकीय उर्दू स्कूल और कुंडम के शासकीय स्कूल में 160 से अधिक जरूरतमंद बच्चों को स्वेटर, ऊनी टोपियां और ऊनी दस्ताने वितरित किए गए थे। इस बार बैच ने पर्यावरण ,स्वास्थ्य और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए यह महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

कार्यक्रम के दौरान पूर्व छात्रों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। इस अवसर पर अभिषेक केसरवानी, चित्रांश यादव, सैय्यद ताहिर अली, आशीष सेन, खालिद अहमद, लोकेश द्विवेदी, डॉ. राहुल चतुर्वेदी, अंकित श्रीवास्तव, श्रेणिक जैन, विकास विनोदिया, डॉ राहुल चतुर्वेदी, नीतीश शुक्ला, अनुराग द्विवेदी सहित कई पूर्व छात्र उपस्थित रहे।

डॉ. हैनिमैन जयंती

आयोजित समारोह में विधायक अजय विश्नोई ने कहा...

होम्योपैथिक अनुसंधान केंद्र की स्थापना समय की आवश्यकता

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

ग्लोबल आयुष मेडिकल एसोसिएशन द्वारा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन हॉल में होम्योपैथी के जनक डॉ. हैनिमैन की जयंती के अवसर पर भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री एवं विधायक अजय विश्नोई उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता केंट विधायक अशोक रोहाणी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में मप्र मेडिकल यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ. पुष्पराज सिंह बघेल, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की अध्यक्ष डॉ. ऋचा शर्मा, महात्मा गांधी होम्योपैथिक कॉलेज की चेयरपर्सन डॉ. झूमा वर्मा, अनुश्री होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के संचालक श्री अनिरुद्ध विश्नोई एवं सुश्री कृतिका वर्मा उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि अजय विश्नोई ने अपने उद्बोधन में कहा कि होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति आज एक विकसित और प्रभावी प्रणाली के रूप में स्थापित हो चुकी है। उन्होंने जबलपुर में होम्योपैथिक अनुसंधान केंद्र की स्थापना को समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता बताते हुए कहा कि इससे चिकित्सा क्षेत्र में नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे। उन्होंने होम्योपैथ चिकित्सकों से अपनी योग्यता को और अधिक प्रमाणित करने का आह्वान भी किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में अशोक रोहाणी ने कहा कि होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति अब व्यापक रूप से जन-जन तक पहुंच रही है और लोग इसे अपना रहे हैं। उन्होंने इसके विकास के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। डॉ. पुष्पराज सिंह बघेल ने बताया कि होम्योपैथी के विकास हेतु अन्य चिकित्सा पद्धतियों के साथ समन्वय स्थापित करने के लिए योजनाबद्ध प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं डॉ. ऋचा शर्मा ने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि मॉडर्न मेडिकल साइंस और होम्योपैथी के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो, जिससे मरीजों को समग्र उपचार मिल सके।

समारोह के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले चिकित्सकों को सम्मानित किया गया। लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड डॉ. एसआर केवट, हैनीमैन एक्सीलेंसी अवार्ड डॉ. अवनीश तिवारी, हैनीमैन राइजिंग अवॉर्ड डॉ. दीप्ति लहरिया, धनवंतरी एक्सीलेंसी अवार्ड डॉ. एसके खरे, धनवंतरी राइजिंग अवॉर्ड डॉ. कमलेश गुप्ता तथा धर्मार्थ चिकित्सा अवॉर्ड डॉ. एससी चांदवानी को प्रदान किया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन की जबलपुर शाखा का गठन भी किया गया, जिसमें अध्यक्ष डॉ. विनोद बड़गैंया, उपाध्यक्ष डॉ. विजय सिंह यादव एवं डॉ. अभिषेक दुबे, सचिव डॉ. अंकित पांडे तथा कोषाध्यक्ष डॉ. कौशलेंद्र द्विवेदी को नियुक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रांतीय महासचिव डॉ. सुनील मिश्र द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. विकास त्रिपाठी, डॉ. राजेश मिश्र, डॉ. गिरीश त्रिपाठी, डॉ. अभिषेक भारद्वाज, डॉ. राजेश कौरव, डॉ. सुनील दुबे सहित बड़ी संख्या में चिकित्सक उपस्थित रहे।

अंबेडकर चौक से रद्दी चौकी तक जल्द बने फ्लाईओवर

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता

शहर के हृदय स्थल और सबसे ज्यादा जनसंख्या के क्षेत्र जो कि पूरे जबलपुर को बांधने का कार्य करने वाली रोड बाबा अंबेडकर चौक से लेकर रद्दी चौकी तक जो आज अव्यवस्थाओं का केंद्र बिंदु बन गया है जिसके आमजन, व्यापारी, छात्र, अधिवक्ता बंधु, रेलवे, अन्य कई फैक्ट्रीयों के आने जाने के मुख्य मार्ग जिससे सभी लोग हमेशा जाम से परेशान है और चारों ओर जिला प्रशासन और राज्य शासन की उपेक्षा हो रही है। इसके लिए आदर्श क्रांति संगठन के संयोजक सरमन रजक, पंडित विवेक अवस्थी ,अधिवक्ता सुधीर शर्मा, नरेश चक्रवर्ती, पूर्व विधायक नन्हे लाल धुर्वे, राजेंद्र गुप्ता अधिवक्ता राजेश पराग, संजू भोजक, अतुल गुप्ता, दीपक ठाकुर, राजेश मंझार, चंदन चौधरी, अरविंद पैगवार, गोपी प्रजापति, राजेश कोल, राजेश बचवानी, राजकुमार सिंहा, ज्वाला दुबे, सुनील तिवारी, अनूप सिंह, अशोक ठाकुर, राजेश सोनी, कमला पटेल, शरद ठाकुर ने जल्द फ्लाईओवर बनाए जाने की मांग की है।

उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभूतियों को किया समाज गौरव से अलंकृत

जबलपुर। मंत्री उदय प्रताप सिंह गोलबाजार स्थित शहीद स्मारक भवन में नेमा समाज द्वारा आयोजित समाज गौरव अलंकरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर मंत्री ने समाज के आमंत्रण पर आभार व्यक्त करते हुए शहीद स्मारक की महत्ता पर प्रकाश डाला और कहा कि यह एक ऐसा पवित्र स्थान है, जहाँ देशप्रेमियों के बलिदान की स्मृतियाँ और प्रेरणा हमें गर्व की अनुभूति कराती हैं। उन्होंने वैश्विक पटल पर भारत की बढ़ती शक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारा देश अपनी गौरवमयी पृष्ठभूमि के साथ एक सशक्त और मजबूत लोकतंत्र के रूप में निरंतर आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली समाज की विभूतियों को समाज गौरव से अलंकृत कर उनका उत्साहवर्धन किया।

संक्षिप्त समाचार

श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया डीवाईन मर्सी का महापर्व

जबलपुर। डीवाईन मर्सी का महापर्व सेंट पीटर एंड पॉल महागिरजा घर मे मनाया गया। ईस्टर के बाद

आने वाले पहले रविवार को पूरी कलीसिया में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। इस पर्व की स्थापना संत पोप जॉन पॉल द्वितीय ने वर्ष 2000 में की थी, जो संत फॉस्टिना कोवाल्स्का को प्रभु यीशु से प्राप्त दिव्य संदेशों पर आधारित है। प्रभु ने संत फॉस्टिना को अपनी असीम दया का प्रचार करने का संदेश दिया, ताकि पूरी मानवता ईश्वर की करुणा को समझ सके।

इस दिन विश्वासी विशेष रूप से प्रभु की दया को याद करते हुए प्रार्थना, दया, पाप स्वीकार और पवित्र यूखारिस्ट में भाग लेते हैं। समस्त विश्व के कई स्थानों पर दोपहर 3 बजे 'दया का समय' विशेष आराधना और प्रार्थना के साथ मनाया जाता है। गुरूवार को पवित्र मिस्सा बलिदान जबलपुर डायसिस के विकार जरनल डॉ फादर डेविस एवं सह पल्लीपुरोहित जोनस मरकाम की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने मे मनोज अन्थोनी, जॉन डेविड, फेलिक्स बारला, रेशलू पीटर, जुसिया, क्रिस्टोफर आदी का सहयोग रहा।

आयुष्मान घोटाला पीने के लिए शंकरजी बन गए मेडिकल के अधिकारी

सरकार की योजना में इतना बड़ा घोटाला पर जांच तक शुरू नहीं हुई

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

समुद्र मंथन के समय जब विष की उत्पति हुई थी तो देवता और असुर भयभीत हो गए और चिंता करने लगे थे यह विष कौन धारण करेगा। ऐसी स्थिति में महादेव आगे आए और विष का सेवन किया। यह बात इसलिए हो रही है क्योंकि नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल अस्पताल में भी ऐसी स्थिति बन गई है। विष की तरह आयुष्मान घोटाला सामने आ चुका है लेकिन इस घोटाले को पीने का साहस किसी के पास नहीं है। लेकिन मेडिकल एक वरिष्ठ अधिकारी है जो पूरे प्रकरण को दबाने की कोशिश में जुटे हुए हैं यहां तक उन्होंने यह तक कह दिया मामला बहुत पुराना है और उस समय आफलाइन व्यवस्था थी इसलिए कुछ नहीं जा सकता है।

आयुष्मान घोटाले पर पर्दा डालने की कोशिश?

जबलपुर के नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल अस्पताल में सामने आए कथित आयुष्मान घोटाले को लेकर अब सवाल सिर्फ अनियमितताओं तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि पूरे मामले को दबाने की कोशिशों की चर्चाएं भी तेज हो गई हैं। करोड़ों की सरकारी स्वास्थ्य योजना से जुड़े इस गंभीर प्रकरण में अब तक जांच शुरू न होना कई सवाल खड़े कर रहा है।

मेडिकल कॉलेज में 'शंकर' बने अधिकारी!

बताया जा रहा है कि आयुष्मान योजना में हुई कथित वित्तीय अनियमितताओं और प्रोत्साहन राशि वितरण में गड़बड़ियों की चर्चाएं लंबे समय से चल रही हैं, लेकिन इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा अब तक किसी प्रकार की ठोस जांच प्रारंभ नहीं की गई है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि मेडिकल कॉलेज के ही एक वरिष्ठ अधिकारी पर इस पूरे मामले को दबाने का प्रयास करने के आरोप लग रहे हैं।

मामला पुराना है, कुछ नहीं हो सकता कहकर दबाने की कोशिश?

सूत्रों के मुताबिक जब घोटाले की शिकायतें और दस्तावेज सामने आए तो संबंधित अधिकारी ने यह कहकर मामले को हल्का बताने की कोशिश की कि प्रकरण काफी पुराना है और उस समय व्यवस्थाएं ऑफलाइन थीं, इसलिए अब कुछ नहीं किया जा सकता। इस बयान के बाद मेडिकल कॉलेज के भीतर चर्चाएं तेज हो गई हैं कि आखिर इतने बड़े मामले में जांच से बचने की कोशिश क्यों की जा रही है।

घोटाले के 'विष' को पीने की हो रही चर्चा

लोगों का कहना है कि जिस तरह समुद्र मंथन के समय विष निकलने पर भगवान शंकर ने उसे अपने कंठ में धारण कर लिया था, उसी तरह मेडिकल कॉलेज में भी एक अधिकारी शंकर बनकर आयुष्मान घोटाले के विष को पीने और पूरे मामले को अपने स्तर पर दबाने में जुटे हुए हैं। हालांकि यह विषपान जनता और शासन के हित में नहीं, बल्कि आरोपों को दफन करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

सरकार की सबसे बड़ी योजना पर सवाल

गौरतलब है कि आयुष्मान योजना केंद्र सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य योजनाओं में से एक है, जिसका उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद मरीजों को मुफ्त एवं बेहतर उपचार उपलब्ध कराना है। ऐसे में यदि इस योजना में किसी प्रकार की गड़बड़ी हुई है तो उसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक मानी जा रही है।

आखिर जांच कब होगी?

फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब मामला इतना गंभीर है तो जांच अब तक शुरू क्यों नहीं हुई? क्या जिम्मेदार अधिकारी वाकई मामले को दबाने की कोशिश कर रहे हैं, या फिर जांच से बचने के लिए पुराने रिकॉर्ड और ऑफलाइन सिस्टम का बहाना बनाया जा रहा है? अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि शासन और उच्च प्रशासन इस पूरे मामले में कब संज्ञान लेता है और कथित आयुष्मान घोटाले की निष्पक्ष जांच कब शुरू होती है।

बरेला में फागो का जंगी मुकाबला 15 अप्रैल को

बरेला। नगर में थाने के सामने स्थित रामलीला रंगमंच में बुधवार को फागों का आयोजन किया गया है। फागों में महाकवि राम बर्मन और महिला कवित्री राधा मल्हार का बीच मुकाबला आयोजित किया गया है। आयोजन में मुख्य अतिथि दिनेश प्रीत प्रदेश अध्यक्ष मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संगठन, विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष आशा गोटिया, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतीक दुबे, सर्व यूनियन जिला अध्यक्ष अरविंद तिवारी,तहसीलदार शशांक दुबे, थाना प्रभारी आईपीएस शुभम सिंह ठाकुर की उपस्थिति में किया जाएगा।

आयोजन समिति श्रमजीवी पत्रकार संगठन के जिला उपाध्यक्ष आशीष शुक्ला, ब्लॉक अध्यक्ष कृष्ण कुमार साहू, नगर अध्यक्ष दिनेश सोनी, सदस्य अमित शुक्ला, रजनीश माझी, रितेश श्रीवास,मयंक जैन, विमल विश्वकर्मा, संजय तिवारी, नितेश उपाध्याय ने सभी लोगों से उपस्थित की अपील की है।

बैसाखी पर दशमेश द्वार में खंडासाहिब स्थापित

पंज प्यारों की अगुवाई में निकला भव्य नगर कीर्तन

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

गुरुद्वारा प्रेमनगर में तीन दिवसीय बैसाखी महापर्व की शानदार शुरुआत हो गई। यहां पंज प्यारों की अगुवाई में जहां भव्य नगर कीर्तन निकाला गया वहीं दूसरी तरफ मदनमहल स्थित दशमेश द्वार के शीर्ष पर खालसा पंथ का धार्मिक प्रतीक चिह्न खंडा साहिब स्थापित किया गया। इस मौके पर मुख्य ग्रंथी ज्ञानी जसवीर सिंह ने चढ़दी कला की विशेष अरदास प्रार्थना संपन्न

करवाई। तदोपरान्त श्रीगुरू ग्रंथ साहिब जी का मुखवाक आदेश श्रवण करवाया। इस मौके पर मीठी लस्सी छबील के साथ ही गुरु का लंगर वितरित किया गया। प्रधान साहब मंजीत सिंह ननडा ने आभार व्यक्त किया। रणजीत सिंह भोमराह एवं सचिव सुरिंदर सिंह ने संचालन किया। इस दौरान प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारीगण चरण जीत सिंह कैला, हरमीत सिंह धन्जल, बलजीत सिंह मांगट, अवतार सिंह प्लाहा, अजायब सिंह कैंबो एवं पार्षद निशा राठौर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण शामिल रहे। बैसाखी महापर्व का पहला कीर्तन दरबार 13 अप्रैल को रात्रि 7 बजे से अर्धरात्रि 12.15 बजे तक लगेगा। इसमें देश विदेश के प्रसिद्ध रागी जत्थे एवं कथाकार और इतिहासविद शिरकत करेंगे। 14 अप्रैल को दिनभर धूमधाम के साथ बैसाखी महापर्व मनाया जाएगा।

हज यात्रियों के लिए प्रशिक्षण कैम्प आज

जबलपुर। जमाअत रज़ा-ए-मुस्तफा जबलपुर की ओर से हज पर जाने वाले यात्रियों के लिए तर्बियती कैंप का आयोजन मंगलवार 14 अप्रैल को किया जाएगा। यह कैंप बाद ईदगाह कलां, रानीताल में आयोजित होगा। कैंप में हज यात्रा से जुड़ी जरूरी जानकारियां, अरकान-ए-हज और विभिन्न प्रक्रियाओं का विस्तार से प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में नमाज़-ए-इशा के बाद भोजन की व्यवस्था भी रखी गई है। जमाअत रज़ा-ए-मुस्तफा के संयोजक मुफ्ती सैय्यद अब्दुल रहमान ने सभी हज यात्रियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस प्रशिक्षण का लाभ उठाने की गुजारिश की है।

स्वच्छता के लिए बढ़े कदम, जनभागीदारी से शहर बनेगा नम्बर वन

वार्ड पार्षद मधुबाला सिंह ने खुद उठाई झाड़ू, बनेगा जबलपुर

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के संकल्प के साथ जबलपुर नगर निगम का स्वच्छता अभियान अब एक जन-आंदोलन का रूप लेता जा रहा है। इसी कड़ी में शहर के वार्डों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने और नागरिकों को सक्रिय करने के लिए एक प्रेरणादायक पहल देखने को मिली। वार्ड की पार्षद मधुबाला सिंह ने स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए स्वयं झाड़ू थामी और सफाई अभियान की शुरुआत की। उन्होंने न केवल सार्वजनिक स्थानों की सफाई की, बल्कि वार्ड के नागरिकों के बीच जाकर उनसे इस अभियान का हिस्सा बनने की भावुक अपील भी की। उन्होंने कहा, सफाई केवल

नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। जब हम अपने घर को साफ रख सकते हैं, तो अपनी गली और मोहल्ले को क्यों नहीं उनकी इस सक्रियता को देखकर वार्ड के युवा और बुजुर्ग भी घरों से बाहर निकले और सफाई अभियान में हाथ बंटाया।

नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान में अब आम जनता का सहयोग लगातार बढ़ रहा है। जगह-जगह लोग टोलियां बनाकर अपने क्षेत्र को कचरा मुक्त करने में जुटे हैं। निगम प्रशासन का मानना है कि स्वच्छता तभी स्थाई हो सकती है जब शहर का हर नागरिक इसे अपनी आदत बना ले।

महापौर निगमायुक्त का संकल्प नंबर 1 होगा जबलपुर

महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने इस बढ़ती जनभागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी मुस्तैदी से काम कर रहा है, लेकिन नागरिकों का साथ इस अभियान को नई ऊंचाइयां प्रदान करेगा।

श्री सम्मेदशिखर

संस्कारधानी से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आयोजन में सम्मलित होंगे

18 अप्रैल को मुनिश्री प्रमाणसागर महाराज देंगे जैनेश्वरी दीक्षा

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

शास्वत सिद्धक्षेत्र श्री सम्मेदशिखर की पावन धरा एक बार फिर त्याग, तपस्या और आत्मजागरण का अद्भुत दृश्य देखने जा रही है। 18 अप्रैल का वह पावन दिवस, जब मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज अपने शिष्यों को जैनेश्वरी दीक्षा प्रदान करेंगे, केवल एक आयोजन नहीं बल्कि आत्मपरिवर्तन का युगांतकारी क्षण होगा। ऐसा प्रतीत होता है मानो 1968 का स्वर्णिम इतिहास पुनः जीवंत हो उठेगा–जब मुनि ज्ञानसागर महाराज ने एक ऐसे संत को दीक्षा दी थी, जिन्होंने आगे चलकर पूरे भारत में संयम की अलख जगाई और सैकड़ों मुनि-आर्यिकाओं को दीक्षित कर धर्मध्वजा को ऊँचा किया।

उसी महान परंपरा के संवाहक मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज का जीवन स्वयं त्याग और तपस्या की प्रेरक गाथा है। राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी एवं स्थानीय मीडिया प्रभारी सुबोध कामरेड ने बताया कि मुनिश्री प्रमाणसागर महाराज ने नवीन कुमार के रूप में हजारीबाग की धरती पर सेठी परिवार में जन्म लिया। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में बाल्यकाल बिताते हुए वे गुरुदेव आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज के दिव्य व्यक्तित्व से अत्यंत प्रभावित हुए। मात्र 18 वर्ष की आयु में उन्होंने ब्रह्मचर्य व्रत धारण कर लिया। युवावस्था के सपनों का त्याग कर आत्मकल्याण की राह चुनना ही उनके जीवन की दिशा बन गया। सन् 1988 में सिद्धक्षेत्र सोनागिर की पवित्र भूमि पर उन्होंने जैनेश्वरी दीक्षा लेकर संसार से विरक्ति का सशक्त संदेश दिया। दीक्षा के पश्चात वर्षों तक मध्यप्रदेश को कर्मस्थली बनाकर उन्होंने भगवान महावीर के अहिंसा और करुणा के संदेश को जन-जन तक पहुँचाया। वर्ष 2005 में श्री सम्मेदशिखर की तलहटी में गुणायतन और सेवायतन की स्थापना कर धर्म को आधुनिक विज्ञान और तकनीक से जोड़ने का अभिनव प्रयास किया। लाखों श्रद्धालुओं के जीवन में उन्होंने समाधान, प्रेरणा और आस्था का दीप प्रज्वलित किया। शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका योगदान अत्यंत प्रेरणादायक रहा। इंदौर और भोपाल के ऐतिहासिक चातुर्मासों के माध्यम से उन्होंने समाज के बच्चों को संस्कार, संयम और राष्ट्रनिर्माण का संदेश दिया तथा विद्याप्रमाण गुरुकुलम की स्थापना कर भविष्य की पीढ़ी को दिशा प्रदान की। अब वही गुरुवर वर्ष 2026 में एक नया अध्याय लिखने जा रहे हैं–जब वे 15 अप्रैल को अपने शिष्यों सहित श्री सम्मेदशिखर जी की पवित्र भूमि पर मंगल प्रवेश करेंगे और उन्हें संयम जीवन की ओर अग्रसर करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

बरेला धर्म नगरी में एक साथ तीन तीन कथा पुराण संगम

बरेला, प्रातःकिरण संवाददाता। जगत जननी मां शारदा देवी की गोद में बसा बरेला जहां परमहंस दादा ठनठन पाल महराज ने चमत्कार दिखाए और मां नर्मदा जी नहर के स्वरूप में कल-कल बह रही है। वहां के वार्ड नंबर 11 में राधारानी महिला मंडल द्वारा श्रीमद्भागवत कथा पंडित अजीत कृष्ण शास्त्री जी महराज के मुखारविंद से सुनाई जा रही है।इसी प्रकार वार्ड नंबर 12 के गार्डन ग्राउंड में नर्मदा पुराण पंडित रामगोपाल उपाध्याय जी श्रृवण करा रहें हैं। वार्ड नंबर 9 में भागवताचार्य पंडित मानस पाठक जी ने भागवत कथा का विधान किया। ग्रामपंचायत धनपुरी में भी वृंदावन से पधारे आचार्य अमरकांत जी ने भी भगवान कृष्ण की लीला का वर्णन करते हुए झांकी दर्शन कराए। सनातन धर्म प्रेमी भावपूर्वक सभी प्रसंगों को सुनकर आनंदित हो रहें हैं। समाजसेवी पंडित अरविन्द तिवारी, शारदा नगर रिछाई सरपंच आशीष शुक्ला, संजय दुबे, गोविंद दुबे, महेश मानव,सोनू सोनकर,राजू रजक, डालचंद विश्वकर्मा,दयाराम झारिया, अशोक पाण्डे, सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अक्षय तृतीया पर जबलपुर में सजेगा सामूहिक विवाह का मंडप

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। पावन पर्व अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर इस वर्ष भी जबलपुर में सामाजिक समरसता और सादगी की अनूठी मिसाल देखने को मिलेगी। जबलपुर संभागीय कुशवाहा समाज द्वारा आगामी 20 अप्रैल 2026, सोमवार को मंत्री लोकनिर्माण विभाग मध्यप्रदेश शासन के मुख्य आतिथ्य, महापौर जगत बहादुर सिंह "अन्नू", निगमाध्यक्ष रिकुंज विज के विशिष्ट आतिथ्य, पार्षद गौरीघाट श्रीमती शारदा कुशवाहा, प्रदेश अध्यक्ष श्री बैजनाथ की उपस्थिति एवं हरगोपाल कुशवाहा की अध्यक्षता में एक भव्य सामूहिक सामाजिक विवाह एवं परिचय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह गरिमामयी कार्यक्रम ग्वारीघाट स्थित कुशवाहा समाज के मुख्यालय फ्रकुशवाहा धामफ्र श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर, महान सम्राट अशोक चौक में 20 अप्रैल 2026 को सुबह 10:00 बजे से श्री पंचमुखी हनुमानजी का पूजन उपरांत वैवाहिक एवं परिचय सम्मेलन 10:30 बजे, बारात आगमन एवं द्वार पूजा 11:00 बजे, जयमाला दोपहर 12:00 बजे होगी।

निगमायुक्त ने की अमृत-फेस 2 और स्वच्छता कार्यों की सघन समीक्षा

व्यवस्थित रूप से कार्यों को पूर्ण करने दिए निर्देश

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने आज निगम मुख्यालय में आयोजित एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक के दौरान शहर में जारी विभिन्न विकास परियोजनाओं और जनहितकारी कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि अमृत फेस-2 के तहत जलप्रदाय योजना, स्वच्छता सर्वेक्षण और सीएम हेल्पलाइन जैसे प्राथमिकता वाले कार्यों को पूरी गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण किया जाए।

अमृत फेस-2 पेयजल आपूर्ति के लिए सख्त समय-सीमा निर्धारित

बैठक में अमृत-2 परियोजना की समीक्षा करते हुए निगमायुक्त ने निर्माण एजेंसियों और तकनीकी अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर के विस्तारित क्षेत्रों में पाइपलाइन बिछाने के कार्य में तेजी लाई जाए।

उन्होंने कहा कि जल आवर्धन योजनाओं के तहत निर्माणाधीन कार्यों को पूर्ण करें। सड़क खुदाई के पश्चात संबंधित क्षेत्र का समतलीकरण तत्काल सुनिश्चित किया जाए, ताकि नागरिकों को आवागमन में असुविधा न हो।

स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण क्लीन जबलपुर' पर जोर

स्वच्छ भारत मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु निगमायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को फील्ड पर सक्रिय रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्य बाजारों और आवासीय क्षेत्रों में कचरा संग्रहण की मॉनिटरिंग नियमित रुप से किया जाए।

मध्यप्रदेश हाई कोर्ट का बड़ा फ़ैसला

एक बार मुआवजे पर 'सहमति' दे दी और 'करोड़ों' ले लिए, तो फिर मुकरने का रास्ता बंद

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की जस्टिस विवेक रूसिया और जस्टिस प्रदीप मित्तल की युगल पीठ ने जमीन अधिग्रहण और मुआवजे से जुड़े एक हाई-प्रोफाइल मामले में पहले आपसी सहमति से समझौता कर सरकारी खजाने से करोड़ों रुपये डकारने के बाद भी कानूनी दांव-पेच के जरिए ÷अतिरिक्त कमाई÷ की फिराक में दायर अपील को सिरे से खारिज कर दिया है। इससे करोड़ों का मुआवजा हासिल करने के बाद उससे मुकरकर दोबारा चांदी काटने की कोशिश नाकाम हो गई। कोर्ट के फैसले से स्पष्ट हो गया है कि एक बार आपसी सहमति से करोड़ों का मुआवजा जेब में भरने के बाद, 'कम पैसे मिले' का रोना रोकर कोर्ट का कीमती समय बर्बाद नहीं किया जा सकता। मामला जबलपुर की अधारताल तहसील का है। मिलौनीगंज निवासी अजीत यादव और अन्य ने नगर निगम जबलपुर द्वारा उनकी अधिग्रहित अतिरिक्त जमीन के बदले ?1,17,03,900 (एक करोड़ सत्रह लाख से ज्यादा) का मुआवजा आपसी सहमति से चुपचाप स्वीकार कर लिया लेकिन जैसे ही पैसा खाते में आया, उनकी नीयत डोल गई। उन्होंने और अधिक पैसों की मांग करते हुए हाई कोर्ट में याचिका लगा दी। याचिकाकर्ताओं की ओर से यह तर्क दिया गया कि चूँकि अधिग्रहण की कार्यवाही 2013 के नए भूमि अधिग्रहण अधिनियम के लागू होने के दौरान लंबित थी, इसलिए याचिकाकर्ताओं को इसी नए कानून के तहत उचित और बाजार दर से मुआवजा मिलना

चाहिए। शासन की ओर से उप महाधिवक्ता अभिजीत अवस्थी ने दलील दी कि एक बार जब मुआवज़ा स्वीकार कर लिया जाता है, तो वह लेन-देन अंतिम माना जाता है और अपीलकर्ताओं के कहने पर उसे दोबारा नहीं खोला जा सकता। इसलिए अपीलकर्ता एक ही समय पर लाभ स्वीकार करके और साथ ही उसे चुनौती देकर, 'दोहरी नीति' (approbate and reprobate) नहीं अपना सकते। इस मामले में इंटरविनर ऋतुध्वज अग्रवाल की ओर से अधिवक्ता आदर्श सिंह चौहान ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ताओं ने धोखाधड़ी कर मुआवजा हड़पा है, जबकि जमीन में अन्य लोगों का भी हिस्सा था। याचिकाकर्ता ने उस ज़मीन के मुआवज़े का गबन किया है जो स्वर्गीय श्रीमती लता यादव के हिस्से में आती थी। अजित यादव ने खसरा संख्या 119/3 और 119/2 के संबंध में श्रीमती लता यादव के खिलाफ अपने मालिकाना हक़ के लिए एक मुकदमा डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में दायर किया था, जिसे न्यायालय द्वारा खारिज कर दिया गया है। उन्होंने कोर्ट को ये भी बताया कि याचिकाकर्ताओं ने अपनी पुरानी 6 याचिकाओं की जानकारी भी छिपाई, जो सीधे तौर पर न्याय प्रक्रिया के साथ धोखाधड़ी है।

'हड़बड़ी में लिया पैसा, अब कैसी आपत्ति?'

कोर्ट ने शर्त रखी कि अगर अपीलार्थी नए सिरे से सुनवाई चाहते हैं तो पहले मिला हुआ मुआवजा लौटाना होगा, तो अपीलार्थी के वकील ने स्पष्ट रूप से कहा कि उनके मुवक्कि ल ?1,17,03,900 की भारी-भरकम राशि वापस करने की स्थिति में नहीं हैं। इस पर कोर्ट ने कहा कि ऐसी स्थिति में, यह माना जा सकता है कि अपीलकर्ता ने आपसी समझौते के तहत ज़मीन की कीमत स्वीकार कर ली थी, और अब अपीलार्थी मुआवजे की अपर्याप्तता के बारे में कोई आपत्ति नहीं उठा सकता है और मुआवज़े के नाम पर इसमें बढ़ोतरी की मांग भी नहीं कर सकता है। कोर्ट ने आगे टिप्पणी की कि उपरोक्त तथ्यों को देखते हुए ऐसा प्रतीत होता है कि अपीलकर्ताओं ने बिना किसी आपत्ति के, आपसी समझौते के तहत, विचाराधीन ज़मीन के लिए 1,17,03,900/- रुपये की रकम जल्दबाजी में स्वीकार कर ली थी, ऐसा लगता है याचिकाकर्ताओं ने 'हड़बड़ी' में मुआवजा इसलिए लिया ताकि दूसरे हिस्सेदार दावा न कर सकें। अब वे पैसा भी नहीं लौटाना चाहते और ज्यादा मुआवजा भी चाहते हैं। यदि अधिग्रहण की प्रि या नगर निगम द्वारा शुरू की गई होती, तो अन्य मालिक भी ज़मीन में अपने हिस्से के रूप में मुआवज़े का दावा करने के लिए आगे आ सकते थे। अपीलकर्ता 2013 के अधिनियम के तहत भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही में भाग लेकर और राशि वापस करके अपनी सद्भावना (bona fide) नहीं दिखा रहे हैं; वे ऐसा इस डर से कर रहे हैं कि कहीं उन्हें मुआवज़े की राशि न मिल पाए, क्योंकि वहाँ अन्य व्यक्ति जैसे कि हस्तक्षेपकर्ता भी मौजूद हैं।

कलावीथिका में सजी 'साज़ और आवाज़' की सुरमयी शाम

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। 'गाने की कोई उम्र नहीं होती, संगीत ही दिलों को जवान रखता है÷—इस भाव को साकार करती हुई 12 अप्रैल को कलावीथिका में आयोजित 'साज़ और आवाज़' की संगीतमय शाम श्रोताओं के लिए यादगार बन गई। कार्यक्रम का आयोजन संस्था के संस्थापक श्री हेलकर, श्री सी.डी. खड़से एवं उद्घोषिका शबनम मसीह के मार्गदर्शन में किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत पद्मभूषण स्वर्गीय ह्यद्धड्ड क्कद्धश्चह्यद्घद्द को श्रद्धांजलि अर्पित कर हुई।

इसके बाद आकाशवाणी की शबनम मसीह ने ÷आगे भी जाने न तू÷ गीत प्रस्तुत कर माहौल को मधुर बना दिया।शाम में पुराने सदाबहार हिंदी फिल्मी गीतों की शानदार प्रस्तुतियां दी गई। ÷ये समा समा है प्यार का÷, ÷छू लेने दो नाजुक होंठों को÷, ÷ये नयन डरे डरे÷ और ÷जाने जां ढूंढता फिर रहा÷ जैसे गीतों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।कार्यक्रम का विशेष आकर्षण नायरा दुबे रहीं, जिन्होंने अपने पिता के साथ प्रस्तुति देकर दर्शकों का दिल जीत लिया।

गायक कलाकारों में मीनल चौधरी, मनीष निगम, उज्ज्वला हेलकर, प्रशांत श्रीवास्तव, मुकुल वर्मा और लक्ष्मी झरिया ने भी सराहनीय प्रस्तुतियां दीं।साजिंदों में मेहुल खड़तिया, शम्भू, कोरी जी एवं दिनेश खड़तिया की संगत ने कार्यक्रम को और प्रभावशाली बनाया। बड़ी संख्या में संगीत प्रेमियों की उपस्थिति ने इस शाम को और भी खास बना दिया। उल्लेखनीय है कि 'साज़ और आवाज़' संस्था द्वारा पुराने हिंदी सिनेमा के मधुर गीतों की प्रस्तुतियां दी जाती हैं, जो शहर में खासा लोकप्रिय हैं।

स्वच्छता नंबर-1 बनाने पार्षदों के साथ मैदान पर उतरे निगम अध्यक्ष

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

श्संस्कारधानीश् को स्वच्छ सर्वेक्षण में शीर्ष स्थान पर पहुँचाने के लिए नगर निगम ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इसी कड़ी में स्वच्छता अभियान को केवल सरकारी कार्यक्रम न रखते हुए इसे एक जन-आंदोलन बनाने के उद्देश्य से नगर निगम अध्यक्ष, पार्षदों और स्थानीय नागरिकों के साथ स्वयं मैदान में उतरे।

वार्ड स्तर पर श्स्वच्छता प्रतियोगिताश् की अनूठी पहल

अभियान को रोचक और प्रभावी बनाने के लिए वार्डों में स्वच्छता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य वार्डों के बीच एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा पैदा करना है ताकि हर गली और मोहल्ला चकाचक नजर आए।

सामूहिक संकल्प

निगम अध्यक्ष ने सभी सम्माननीय जनों, वरिष्ठ नागरिकों और युवाओं को स्वच्छता की शपथ दिलाई। उन्होंने आह्वान किया कि ष्कचरा न फैलाना और न फैलने देनाष् ही जबलपुर का नया संकल्प है।

जन-भागीदारी का सैलाब

इस अभियान में केवल सफाई मित्र ही नहीं, बल्कि सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोग स्वेच्छा से शामिल हुए। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने झाड़ू उठाकर श्रमदान किया।

'पार्षदों का नेतृत्व

वार्ड पार्षदों ने अपने-अपने क्षेत्रों में नेतृत्व संभालते हुए जनता को डस्टबिन के उपयोग और कचरा पृथक्करण गीला और सूखा कचरा के प्रति जागरूक किया।

नगर निगम अध्यक्ष का संदेश

इस अवसर पर निगम अध्यक्ष रिंकू विज ने कहा, जबलपुर हम सबका घर है और इसे स्वच्छ रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

संत वाणी से गूंजेगा जबलपुर, आयोजन आज

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।सनातन धर्म, संस्कृति और राष्ट्र चेतना को सशक्त बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय हिन्दू स्वाभिमान मंच, जिला-जबलपुर द्वारा एक भव्य आध्यात्मिक एवं प्रेरक कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को मानस भवन में किया जा रहा है। इस आयोजन के माध्यम से समाज को जागृत करने और एकजुट करने का संदेश दिया जाएगा।मंच के मुख्य संरक्षक मायाराम जैसवानी ने बताया कि संस्था लगातार सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति और राष्ट्रहित के लिए सक्रिय भूमिका निभा रही है। ऐसे आयोजनों के जरिए समाज में सकारात्मक ऊर्जा और जागरूकता फैलाने का प्रयास किया जाता है, जिसमें संतों और विद्वानों का मार्गदर्शन अहम भूमिका निभाता है।

तान्या कान्वेंट में विधिक जागरूकता शिविर सम्पन्न

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। नगर स्थित तान्या कान्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल में सोमवार को एक प्रेरणादायी एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें नवप्रवेशी विद्यार्थियों का भव्य स्वागत और विधिक जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में नए विद्यार्थियों पर पुष्पवर्षा कर एवं टॉफियां वितरित कर उनका आत्मीय अभिनंदन किया गया, जिससे पूरे वातावरण में उत्साह और आनंद का माहौल बन गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय न्यायाधीश विजया भारती यादव एवं न्यायाधीश नारायण यादव उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य विभाग में 1.75 करोड़ का घोटाला, एफआईआर की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

जबलपुर स्वास्थ्य विभाग में कथित 1.75 करोड़ रुपये के घोटाले को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव Ashish Mishra ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए मामले में शामिल अधिकारियों पर तत्काल स्नढ्ढक्र दर्ज करने की मांग की है।

नियम विरुद्ध भुगतान का आरोप

ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि जबलपुर के पूर्व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी छ्वह्. स्ङ्कठ्ठद्भड्ड4 स्द्धह्यद्धह्ड्ड और जिला कार्यक्रम प्रबंधक, स्नद्बह्4ड्ड ञ्जद्ब2ड्डह्द्ध ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (ह्वाह्रू) की लगभग 1.75 करोड़ रुपये की राशि का अनियमित तरीके से भुगतान किया।

फर्जी फर्म को मिला फायदा

जांच में सामने आया कि महज 15 दिन पुरानी फर्म 'सिंह एंटरप्राइजेज, भोपाल' को करोड़ों रुपये का भुगतान कर दिया गया, जिससे पूरे मामले पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

कागज़ों में एंट्री, ज़मीनी हकीकत शून्य

आरोप है कि स्टॉक रजिस्टर में सामग्री प्राप्ति की एंट्री दर्ज की गई, लेकिन वास्तविकता में स्टोर में कोई सामान मौजूद नहीं मिला। इससे घोटाले की आशंका और गहरी हो गई है।

कार्रवाई में देरी पर उठे सवाल

मामला मीडिया में आने के 11 दिन बाद भी स्नढ्ढक्र दर्ज न होने पर समाजवादी पार्टी ने राज्य स्तरीय अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं और इसे मिलीभगत का संकेत बताया है।

उग्र आंदोलन की चेतावनी

सपा ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि दोषियों के खिलाफ शीघ्र कड़ी कार्रवाई नहीं की गई, तो पार्टी उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगी।

मानवता

मोक्ष टीम बनी सहारा

लावारिस शवों को मिली सम्मानजनक विदाई

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

इंसानियत की मिसाल पेश करते हुए मोक्ष जबलपुर टीम ने दो लावारिस शवों के अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी निभाई। सोमवार को नर्मदा तट तिलवारा घाट पर एक अज्ञात युवक का पूरे विधि-विधान से अंतिम संस्कार किया गया, जबकि एक अन्य शव का संस्कार मंगलवार को किया जाएगा।

25 वर्षीय मानसिक रूप से अस्वस्थ युवक की हुई पहचान से पहले विदाई

थाना गढ़ा क्षेत्र अंतर्गत मिले करीब 25 वर्षीय मानसिक रूप से अस्वस्थ युवक को एक सप्ताह पूर्व भोपाल बायपास पर लावारिस और बीमार हालत में पाया गया था।

उपचार के लिए उसे मोक्ष आश्रय मेडिकल में भर्ती कराया गया, जहां उसने दम

तोड़ दिया। पहचान न हो पाने के चलते मोक्ष टीम ने आगे आकर उसका अंतिम संस्कार कराया।

60 वर्षीय अज्ञात पुरुष के अंतिम संस्कार की तैयारी

एक अन्य करीब 60 वर्षीय अज्ञात पुरुष के शव का अंतिम संस्कार मंगलवार को किया जाएगा। पुलिस सूचना के बाद मोक्ष टीम ने इसकी जिम्मेदारी भी अपने हाथों में ली है।

मोक्ष टीम ने निभाई मानवता की जिम्मेदारी

मोक्ष संस्था के आशीष ठाकुर के नेतृत्व में टीम लगातार ऐसे लावारिस शवों को सम्मानजनक विदाई देने का कार्य कर रही है। इस दौरान योगेश कोरी, वीरू बरमन, प्रशांत श्रीवास सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

51मीटर वस्त्र से निर्मित 90 फुट ऊंचा बसंती निशान साहिब लहराया

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। बैसाखी महापर्व के शुभ अवसर पर गुरुद्वारा प्रेमनगर में जोशीले धार्मिक जयकारों के बीच उत्साह भरे माहौल में साध संगत द्वारा कारसेवा के साथ 51 मीटर वस्त्र से निर्मित हाइड्रोलिक सिस्टम से लैस 90 फुट ऊंचा बसंती निशान साहिब लहराया गया । श्री प्लाहा भंबरा परिवार ने चोला साहिब अर्पण कर यश प्राप्त किया वहीं गुरसिंघ सभा ने उन्हें सिरोपा प्रदान कर सम्मानित किया। बैसाखी महापर्व आज नगर के विभिन्न स्थानों में धूमधाम से मनाया जाएगा। सिख समाज के मीडिया प्रभारी प्रदीप सिंह भोगल ने बताया कि मुख्य आयोजन आज गुरुद्वारा प्रेमनगर में प्रातः 10 बजे से अपराह्न 3 बजे तक तथा रात्रि 7 बजे से अर्धरात्रि 11.45 बजे तक विशाल कीर्तन दरबार एवं गुरु का लंगर आदि कार्यक्रमों के साथ मनाया जाएगा। जिसमें श्री दरबार साहिब अमृतसर स्वर्णमंदिर के हुजूरी रागी जत्था भाई गगनदीप सिंह, गुरुवाणी मीमांसक ज्ञानी सुखविंदर सिंह, लुधियाना, ढाड्डी जत्था भाई लवप्रीत सिंह जोश, श्री अकाल तख्त, अमृतसर सहित

अनेक विद्वतजन शिरकत करेंगे।

म.प्र. में एनएच-44 पर फर्राटा भरेंगे वाहन

अपग्रेडेशन के बाद मिलेगा एक्सप्रेसवे जैसा लुक

● भोपाल, प्रात :किरण संवाददाता।

देश के चारों कोनों को जोड़ने वाले सबसे लंबे नेशनल हाईवे 44 के अपग्रेडेशन की केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने के बाद कई इलाकों में इसका काम शुरू हो गया है। अब नेशनल हाईवे 44 को सिक्स लेन एक्सेस कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे का स्वरूप दिया जाएगा जिससे ट्रैफिक में सुधार होगा और सफर में लगने वाला वक्त कम होगा। इसके तहत जिस इलाके में जैसी जरूरत है नेशनल हाइवे 44 का वैसा अपग्रेडेशन किया जा रहा है। पहले केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने नेशनल 44 के समानांतर ग्रीन फील्ड कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव रखा था। इसको लेकर विशेषज्ञों द्वारा अध्ययन भी कर लिया गया था। लेकिन बाद में ये फैसला लिया गया कि समानांतर ग्रीन फील्ड कॉरिडोर की अपेक्षा मौजूदा नेशनल हाईवे 44 को अपग्रेड करना ज्यादा बेहतर होगा।

जहां जैसी जरूरत, वहां वैसा अपग्रेडेशन

देश के उत्तर और दक्षिणी छोर को जोड़ने के अलावा चारों कोनों को एक माला में पिरोने वाले 4112 किमी लंबे हाइवे का अपग्रेडेशन का काम कई इलाकों में शुरू हो गया है। जहां जैसी जरूरत है, उस हिसाब से विस्तार किया जा रहा है। जिसमें फोरलेन, सिक्सलेन, एक्सेस कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे, सुरक्षा के लिए एलिवेटेड कॉरिडोर, हाई-स्पीड ट्रैफिक को सुचारू रखने मुख्य सड़क के दोनों ओर सर्विस रोड, दोपहिया वाहन, ऑटो-रिक्शा, ट्रैक्टर और लोकल ट्रांसपोर्ट के लिए इन सर्विस रोड समेत कई सुविधाओं वाला विस्तार किया जा रहा है। नेशनल हाइवे 44 पर हैदराबाद और बंगलुरु के बीच की कुल लंबाई करीब 576 किमी है। आंध्र प्रदेश में 260 किमी, तेलंगाना में 210 किमी और कर्नाटक में 106 किमी पड़ता है।

मेट्रोपॉलिटन एरिया का दायरा नोटिफाई होने के बाद फिर से अटका प्लान

अभी फाइलों में ही रहेगा मास्टर प्लान!

● भोपाल, प्रात :किरण संवाददाता।

पिछले 21 सालों में भोपाल का मास्टर प्लान अटका हुआ है। हालांकि भोपाल और इंदौर का मास्टर प्लान एक बार फिर से तैयार कर लिया गया है, लेकिन प्रस्तावित मेट्रोपॉलिटन एरिया के कारण एक बार फिर से दोनों शहरों का मास्टर प्लान अभी अधर में ही रहेगा। गौरतलब है कि भोपाल और इंदौर को मिलाकर एक बड़े मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने की योजना मध्य भारत के शहरी ढांचे को बदलने वाली पहल मानी जा रही है। आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी होने के बाद संयुक्त क्षेत्र लगभग 26 हजार वर्ग किलोमीटर से अधिक विस्तार ले सकता है। इस बड़े विस्तार के कारण आसपास के जिलों में जमीन की मांग बढ़ेगी और निवेश के नए अवसर खुलेंगे, खासकर रियल एस्टेट, उद्योग, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में बड़े पैमाने पर मांग निकलेगी।

उल्लेखनीय है कि मेट्रोपॉलिटन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट एक्ट-2025 को मंजूरी कैबिनेट की मंजूरी के साल भर के अंदर सरकार ने भोपाल मेट्रोपॉलिटन एरिया का दायरा नोटिफाई कर दिया है। भोपाल मेट्रोपॉलिटन एरिया का दायरा नोटिफाई होने के बाद भोपाल और इंदौर के मास्टर प्लान का मुद्दा चर्चा में है। दरअसल, भोपाल और इंदौर के मास्टर प्लान का ड्राफ्ट फायनल हो गया है, लेकिन प्रस्तावित मेट्रोपॉलिटन एरिया के अनुरूप बनाने के लिए सरकार इसे जारी करने से पहले इस पर पुनर्विचार कर सकती है या इसे फिर से तैयार कर सकती है। विधानसभा के बजट सत्र में भी इसकी पुष्टि हो चुकी है। नगरीय विकास और आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने गत 24 फरवरी को विधानसभा में मास्टर प्लान के बारे में कहा था, मेरे विभाग ने इसे डेढ़ साल पहले तैयार कर लिया था और मास्टर प्लान तैयार है। उन्होंने आगे कहा, मैंने मुख्यमंत्री से बात की है। उन्होंने (मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे मेट्रोपॉलिटन एरिया के संबंध में हमें इस मास्टर प्लान पर एक बार फिर से विचार करना होगा।

मास्टर प्लान में किए गए हैं जरूरी रिफॉर्म

अधिकारियों का कहना है कि पुणे, चंडीगढ़, दिल्ली जैसे देश के बड़े शहरों के मास्टर प्लान के आधार पर प्रदेश के शहरों के मास्टर प्लान के ड्राफ्ट में जरूरी रिफॉर्म (सुधार) किए गए हैं। इसका उद्देश्य भविष्य में प्रदेश के शहरों में जनसंख्या वृद्धि, बेहतर बुनियादी ढांचे, पर्यावरण की सुरक्षा जैसी चुनौतियों से निपटना है। अधिकारियों का कहना है कि भोपाल का मास्टर प्लान 2047 तक के लिए और इंदौर का 2041 तक के लिए बनाया गया है। अधिकारियों का कहना है कि शहरों के सुनियोजित विकास के लिए मास्टर प्लान जरूरी है। भोपाल के नए मास्टर प्लान में वर्टिकल डेवलपमेंट पर जोर दिया गया, ताकि शहर का बेतरतीब फैलाव न हो। मास्टर प्लान में सबसे पहले आबादी का अनुमान बदलेगा और उस हिसाब से रेसीडेंशियल, कॉमर्शियल और अन्य प्रावधान होंगे। भोपाल में पिछले 21 साल से मास्टर प्लान का इंतजार हो रहा है। भोपाल का पिछला मास्टर प्लान 2005 तक के लिए लागू किया गया था। इंदौर में मास्टर प्लान की अवधि 5 साल पहले पूरी हो चुकी है। अधिकारियों का कहना है कि मास्टर प्लान का ड्राफ्ट जारी होने के बाद 30 दिन तक दावे-आपत्ति बुलाए जाते हैं। फिर 3 महीने इन पर सुनवाई होती है। उसके अगले तीन महीने में डायरेक्टर नगर तथा ग्राम निवेश अपनी रिपोर्ट शासन को देता है। शासन नगर तथा ग्राम निवेश एक्ट की धारा 19 (2) के तहत फिर से दावे-आपत्ति बुलाता है, इसकी अवधि तय नहीं है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने स्मार्ट मीटरिंग अभियान को किया तेज

भोपाल सहित 16 जिलों में लगे 9 लाख स्मार्ट मीटर

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने राजधानी सहित 16 जिलों में स्मार्ट मीटरिंग अभियान को तेज कर दिया है। कंपनी ने अब तक नौ लाख से अधिक स्मार्ट मीटर लगाए हैं, जिससे दावा किया जा रहा है कि उपभोक्ताओं का बिल 20 प्रतिशत तक सस्ता आ रहा है। भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर व चंबल संभाग के 16 जिलों के बिजली उपभोक्ताओं को आधुनिक और पारदर्शी बिजली सेवाओं से जोड़ने के लिए यह कदम उठाया गया है।

कंपनी ने न केवल तकनीक में सुधार किया है, बल्कि उपभोक्ताओं को आर्थिक लाभ पहुंचाने के लिए टाइम ऑफ डे (टीओडी) टैरिफ लागू किया है। इसके तहत सोलर आवर यानी सुबह नौ से शाम पांच बजे तक बिजली इस्तेमाल करने पर 20 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। यह छूट इस अवधि के दौरान उपभोग की गई ऊर्जा के लिए ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 10 किलोवाट तक स्वीकृत लोड/अनुबंध मांग वाले उपभोक्ताओं को प्रदान की जा रही है। बिजली कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने बताया कि उपभोक्ता परिसरों में स्मार्ट मीटर की स्थापना का कार्य तीव्रता से जारी है। भोपाल में अब तक चार लाख 84 हजार से अधिक परिसरों में स्मार्ट मीटर सफलतापूर्वक स्थापित किए जा चुके हैं। इसी प्रकार पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र के 16 जिलों यथा अशोकनगर, बैतूल, भिण्ड, भोपाल, ग्वालियर, दतिया, गुना, हरदा, मुरैना, नर्मदापुरम, रायसेन, राजगढ़, सीहोर, श्योपुर, शिवपुरी एवं विदिशा जिले में अब तक नौ लाख 18 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं।

आरडीएसएस योजना के तहत बड़ा लक्ष्य

स्मार्ट मीटरिंग का यह कार्य आरडीएसएस योजना के तहत किया जा रहा है। कंपनी कार्यक्षेत्र में कुल 26 लाख 79 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य बिजली वितरण प्रणाली को और अधिक कुशल, सटीक और पारदर्शी बनाना है।

टाइगर स्टेट में प्रशासनिक सुस्ती और सिस्टम की विफलता....

मप्र में न वन अमला सुरक्षित, न ही बाघ

भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता। टाइगर स्टेट मप्र में प्रशासनिक सुस्ती और सिस्टम की विफलता के कारण ने वन अमला सुरक्षित है और न ही बाघ। मप्र में आए दिन वन अपले पर हमले की खबर आती रहती है। मप्र में जंगलों की सुरक्षा करने वाला वन अमला खुद असुरक्षा के साये में है। रेत और लकड़ी माफिया के बढ़ते हौसलों के बीच वनकर्मियों पर हमले लगातार बढ़ रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि कहीं वनकर्मियों की पिटाई हो रही है, तो कहीं उन्हें वाहनों से कुचलकर मार दिया जा रहा है। ताजा मामला मुरैना का है, जहां दो दिन पहले रेत माफिया ने वनरक्षक हरकेश गुर्जर को ट्रैक्टर-ट्रॉली से कुचल दिया।

जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, पहले भी शहडोल में लकड़ी माफिया द्वारा वन टीम को बंधक बनाकर पीटने की घटना भी सामने आ चुकी है, जिसमें रेंजर और डिप्टी रेंजर घायल हुए थे। वहीं साल 2026 में 3 महीनों में 14 बाघों की मौत हो चुकी है। पिछले साल 55 की जान गई थी। इस स्थिति के पीछे की वजह यह है कि प्रदेश में वन अमले में भारी कमी है। 31 प्रतिशत अधिकारी-कर्मचारियों के पद खाली पड़े हैं। जंगलों में मैदानी अमला नहीं होने से जानवरों की सुरक्षा और देखभाल का संकट खड़ा हो गया है। वन विभाग की 31 मार्च को जारी रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि कुल 26,079 पदों में से 8,125 पद खाली हैं।

1 जनवरी 2026 की स्थिति में विभाग में करीब 18 हजार अधिकारी-कर्मचारी ही कार्यरत हैं, जो मौजूदा जंगलों और वन्य जीवों के हिसाब से पर्याप्त नहीं हैं। घटना के बाद वन विभाग के अमले में भारी आक्रोश और भय का माहौल है। वनकर्मियों का कहना है कि उन्हें बिना पर्याप्त हथियार और संसाधनों के माफिया से मुकाबला करना पड़ता है। डंडों के सहारे सशस्त्र माफिया का सामना करना जोखिम है। आरोप हैं कि राजनेताओं और अफसरों का झुकाव माफिया की ओर होने से मनोबल और बढ़ रहा है। वन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, वन अमले पर हर साल 20-30 हमले होते हैं, जिसमें कई का जाने गंवानी पड़ी है। हर साल वनकर्मियों के साथ मारपीट के 20-30 मामले दर्ज होते हैं।

लोकलेखा समिति का कड़ा रूख... महिला एवं बाल विकास विभाग से मांगा विवरण

पोषण आहार घोटाले में दोषियों पर क्या की गई कार्रवाई ?

● भोपाल, प्रात :किरण संवाददाता।

भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट के बाद सुर्खियों में आए पोषण आहार घोटाले पर अब विधानसभा ने कड़ा रूख अपनाया है। मप्र विधानसभा की लोकलेखा समिति (पीएजी) ने महिला बाल विकास विभाग में हुए पूरक पोषण आहार घोटाले में लिप्त अधिकारियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई का विवरण मांगा है। गौरतलब है कि बच्चों के पोषण आहार में हुए घोटाले का खुलासा होने के बाद प्रदेश में हड़कंप मच गया था। तब सरकार ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही थी। गौरतलब है कि सीएजी की आडिट रिपोर्ट (2018-2021) में पूरक पोषण आहार के उत्पादन और परिवहन में कई गड़बड़ियों का खुलासा हुआ था।

परिवहन के लिए उपयोग किए गए वाहनों के रजिस्ट्रेशन नंबर की जांच में पाया गया कि कई नंबर ट्रकों के बजाय मोटरसाइकिल, कार और आटो-रिक्शा के थे। पोषण आहार बनाने वाले प्लांटों ने भी अपनी स्वीकृत क्षमता से कहीं अधिक राशन उत्पादन और पैकेजिंग का रिकार्ड दिखाया। रिपोर्ट के अनुसार, विभाग ने स्कूल न जाने वाली हजारों किशोरियों को राशन बांटने का दावा किया, जबकि जमीनी हकीकत में उनकी संख्या बहुत कम पाई गई थी।

अब लोक लेखा समिति ने पूछा है कि जिन अधिकारियों ने गड़बड़ी की, उनसे अब तक कितनी वसूली की गई है। दोषियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है। समिति ने कहा कि पहले कई बार इस बारे में पूछा गया भी लेकिन जवाब नहीं मिला है।

428 करोड़ का घोटाला

कैग की रिपोर्ट के अनुसार 428 करोड़ रुपये का पूरक पोषण आहार घोटाला सामने आया था। अब इस मामले में मप्र विधानसभा की लोकलेखा समिति ने महिला बाल विकास विभाग में हुए पूरक पोषण आहार घोटाले में लिप्त अधिकारियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई का विवरण मांगा है। मध्य प्रदेश विधानसभा सचिवालय की लोक लेखा समिति ने महिला एवं बाल विकास विभाग को पत्र लिखा है कि विभाग के साथ लगातार पत्राचार किया जा रहा है, लेकिन अभी तक वांछित जानकारी अप्राप्त है। जानकारी न मिलने के कारण विधानसभा समिति की आगामी कार्रवाई में अत्यधिक विलंब हो रहा है, इसे सचिवालय ने गंभीरता से लिया है।

बिंदुवार जानकारी 15 दिन के भीतर मांगी

विधानसभा की लोकलेखा समिति ने महिला एवं बाल विकास विभाग से कई जानकारियां मांगी है। उनमें 21 परियोजना कार्यालयों में 395 अपात्र बालिकाओं को पंचायत स्तरीय प्रशिक्षण दिए जाने का मामला सामने आया है। सचिवालय ने पूछा है कि इस अनियमितता में शामिल तत्कालीन अमले के विरुद्ध अब तक क्या कार्रवाई की गई है। योजना के प्रारंभ से ही सर्वेक्षण डाटा रजिस्टर संधारित न करने के लिए दोषियों का उत्तरदायित्व निर्धारण करने की स्थिति स्पष्ट करने को कहा।

छत्तीसगढ़

लोक सेवा केंद्र की आड़ में चल रहा था साइबर फ्रॉड रैकेट, गिरोह में दर्जनों युवतियां शामिल

रायगढ़, प्रातःकिरण संवाददाता।

संगठित साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश करते हुए रायगढ़ पुलिस ने फर्जी मैट्रिमोनियल साइट के नाम पर चल रहे बड़े नेटवर्क का खुलासा किया है। यह पूरा रैकेट लोक सेवा केंद्र की आड़ में संचालित किया जा रहा था, जहां यूट्यूब चैनल और फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल के जरिए लोगों को शादी के नाम पर ठगी का शिकार बनाया जा रहा था। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह के निर्देशन में की गई। साइबर थाना, महिला थाना और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने दरोगापारा क्षेत्र स्थित एक कार्यालय पर दबिश दी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि आरोपी पहले लोक सेवा केंद्र के माध्यम से वैध कार्य कर रहे थे, लेकिन लाइसेंस निरस्त होने के बाद अवैध गतिविधियां जारी रखी। इसके बाद ÷इंडिया मैट्रिमोनी÷ नाम से फर्जी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म तैयार कर लोगों को जाल में फंसाया जाने लगा। इस पूरे नेटवर्क में यूट्यूब चैनलों पर फर्जी प्रोफाइल और फोटो अपलोड किए जाते थे। फर्जी जीमेल आईडी और मोबाइल नंबरों से संपर्क किया जाता था और पहले बायोडाटा मंगाकर रजिस्ट्रेशन फीस यूपीआई से ली जाती थी। फिर दूसरे चरण में मीटिंग और बातचीत के नाम पर अतिरिक्त शुल्क वसूला जाता था। शुल्क के नाम पर व्हाट्सएप क्यूआर कोड के जरिए लगातार पैसे ट्रांसफर कराए जाते थे। पैसे वसूलने के बाद पीड़ितों से संपर्क तोड़ दिया जाता था और 'रिश्ता पसंद नहीं आया' कहकर नए लोगों को निशाना बनाया जाता था।

छापेमारी में मिले अहम सबूत

पुलिस कार्रवाई के दौरान लैपटॉप से फोटोशॉप के जरिए दस्तावेजों में छेड़छाड़ के प्रमाण विभिन्न विभागों की फर्जी सील और मुहरें भी बरामद हुई है। संदिग्ध डिजिटल डेटा और फाइलें भी जब्त की गई है। इसके अलावा एक अन्य संस्था पर भी दबिश दी गई, जहां संचालक ने इस नेटवर्क से जुड़ाव की बात स्वीकार की है।

पुलिस जांच तेज, बड़ा नेटवर्क होने की आशंका

पुलिस का मानना है कि यह सिर्फएक छोटा गिरोह नहीं, बल्कि एक संगठित साइबर फ्रॉड नेटवर्क है, जिसमें कई लोग शामिल हो सकते हैं। सभी डिजिटल साक्ष्यों को जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। एसएसपी शशिमोहन सिंह ने आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि ऑनलाइन मैट्रिमोनियल या सोशल मीडिया प्रोफाइल के जरिए होने वाली ठगी से सावधान रहें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। साइबर अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

महिला आरक्षण से आधी आबादी को मिलेगा उनका पूरा हक, निर्णय प्रक्रिया में बढ़ेगी भागीदारी : मुख्यमंत्री साय

रायपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में नई दिल्ली के विज्ञान भवन से प्रसारित 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्बोधन को सुना। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह देश की मातृशक्ति के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है, जो भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को और अधिक समावेशी एवं सशक्त बनाने की दिशा में निर्णायक साबित होगा।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 'पंचायत से पार्लियामेंट तक' नारी की भागीदारी सुनिश्चित करने का यह प्रयास नए भारत की स्पष्ट झलक प्रस्तुत करता है। उन्होंने प्रधानमंत्री के इस दृष्टिकोण को रेखांकित किया कि निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की सीधी भागीदारी ही विकसित भारत की सशक्त नींव है। उन्होंने कहा कि 16 अप्रैल को संसद में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर होने वाली चर्चा इस ऐतिहासिक पहल को मूर्त रूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक परंपरा में नारी को सदैव उच्च स्थान दिया गया है। वैदिक काल से लेकर वर्तमान समय तक महिलाओं की भूमिका समाज के निर्माण और विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। हमारी डबल इंजन सरकार की विभिन्न योजनाओं ने इस परंपरा को आधुनिक संदर्भ में सशक्त रूप दिया है, जिससे महिलाएं आत्मनिर्भरता और सम्मान के साथ आगे बढ़ रही हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में महिलाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए कई प्रभावी कदम उठाए गए हैं। स्थानीय निकायों में 50 प्रतिशत आरक्षण के माध्यम से महिलाओं को नेतृत्व का अवसर मिला है, जिसका सकारात्मक प्रभाव जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। साथ ही 'महतारी वंदन योजना' जैसी पहल माताओं-बहनों को आर्थिक और सामाजिक रूप से सुदृढ़ बना रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुखद संयोग है कि जब देश में महिला आरक्षण पर ऐतिहासिक चर्चा हो रही है, उसी समय छत्तीसगढ़ 'महतारी गौरव वर्ष' मना रहा है। उन्होंने कहा कि 'छत्तीसगढ़ महतारी' का सम्मान और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी प्रदेश की पहचान बन चुकी है। उन्होंने प्रदेश की मातृशक्ति और महिला संगठनों से आह्वान किया कि वे हर मंच पर अपनी आवाज़ बुलंद करें और इस परिवर्तन यात्रा में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने विश्वास जताया कि महिलाओं की बढ़ती सहभागिता से लोकतंत्र और अधिक मजबूत होगा तथा समाज में सकारात्मक बदलाव की नई दिशा स्थापित होगी।मुख्यमंत्री साय ने अंत में कहा कि जब नारी सशक्त होती है, तभी राष्ट्र सशक्त बनता है। यह समय देश की आधी आबादी को उनका पूरा अधिकार दिलाने और उन्हें विकास की मुख्यधारा में निर्णायक भूमिका देने का है। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, विधायक पुरंदर मिश्रा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

उपलब्धि

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया देश का मान

DIG संतोष कुमार सिंह की पुस्तक को मिली सराहना

नई दिल्ली/रायपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

छत्तीसगढ़ पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी एवं डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (डीआईजी) डॉ. संतोष कुमार सिंह को उनकी शोधपरक पुस्तक के लिए राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सराहना मिली है। उनकी पुस्तक को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) कार्यालय से प्रशंसा पत्र प्राप्त हुए हैं, जिसे राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री कार्यालय में प्रधान सचिव-2 शशिकांत दास ने 12 मार्च 2026 को भेजे अपने पत्र में डॉ. सिंह को उनकी पुस्तक "Institutionalization of PeacebuildingÑ Functioning of United Nations Peacebuilding Commission in Sierra Leone & Burundi" के लिए धन्यवाद देते हुए बधाई दी। उन्होंने लिखा कि यह पुस्तक अंतरराष्ट्रीय शांति स्थापना की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सार्थक योगदान है। उन्होंने डॉ. सिंह के समर्पण और गहन अध्ययन की सराहना करते हुए इसे एक महत्वपूर्ण प्रकाशन बताया।

इसके अलावा, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने 23 मार्च 2026 को भेजे अपने पत्र में पुस्तक को अत्यंत

शोधपूर्ण और विश्लेषणात्मक बताया। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक संयुक्त राष्ट्र के पीसबिल्डिंग कमीशन की कार्यप्रणाली, उसके संस्थागत ढांचे और शांति स्थापना में उसकी भूमिका को गहराई से समझाती है।

अजीत डोभाल ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि पुस्तक में विशेष रूप से सिएरा लियोन और बुरुंडी जैसे देशों में संयुक्त राष्ट्र के शांति प्रयासों का विस्तृत विश्लेषण किया गया है, जो वैश्विक शांति और सुरक्षा व्यवस्था को समझने में सहायक है। उन्होंने यह भी कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विकसित अंतरराष्ट्रीय शांति स्थापना तंत्र को वर्तमान वैश्विक संघर्षों और चुनौतियों के संदर्भ में समझने के लिए इस तरह के अध्ययन अत्यंत उपयोगी हैं।

दोनों उच्च स्तरीय अधिकारियों ने डॉ. सिंह के इस प्रयास को सराहनीय बताते हुए उनके अकादमिक और पेशेवर जीवन में निरंतर सफलता की कामना की है।

गौरतलब है कि डॉ. संतोष कुमार सिंह वर्तमान में सीआईएसएफ मुख्यालय, दिल्ली में डीआइजी के पद पर पदस्थ हैं। उनकी इस उपलब्धि को न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश के लिए गौरवपूर्ण माना जा रहा है। उनकी पुस्तक अंतरराष्ट्रीय संबंधों, शांति स्थापना और संयुक्त राष्ट्र की कार्यप्रणाली पर शोध करने वाले विद्यार्थियों और विशेषज्ञों के लिए भी उपयोगी मानी जा रही है।

जर्जर मकान की दीवार गिरने से मासूम बच्चे की मौत, परिवार में शोक

तखतपुर, प्रातःकिरण। क्षेत्र के ग्राम पंचायत केकती में आज एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां जर्जर कच्चे मकान की दीवार अचानक गिरी, जिससे मलबे में दबकर दस वर्षीय बालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान महेंद्र कश्यप पिता बलदाऊ कश्यप केकती निवासी के रूप में पहचान हुई है। जानकारी के अनुसार, मकान काफी समय से जर्जर स्थिति में था। अचानक दीवार गिरने से बालक उसके नीचे दब गया, जिससे उसकी जान चली गई। घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है और पूरे गांव में शोक का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए मर्चुरी भेज दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

देश दुनिया की ताजा खबरे पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
www.pratahkiranlive.com @ pratahkiran

सुनयोजित निर्णय क्षमता सफलता की कुंजी, नेतृत्व का आधार

किशन सनमुखदास भावनानीं

मानव के व्यावहारिक जीवन में अनेक बार ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न होती है जहां उस विशेष अनियोजित परिस्थितियों में अचानक ही निर्णय लेने की जरूरत होती है बस !यही वह समय होता है जब अपनी बुद्धि कौशलता के साथ हमें बड़े बुजुर्गों द्वारा कही गई कहावतों, मुहावरों, विचारों को रेखांकित करने की अत्यंत तात्कालिक जरूरत होती है मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र से, मेरा मानना है कि उससे हमें अति उच्च गुणवत्ता का सकारात्मक निर्णय लेने में आसानी होती है,जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम होते हैं और उन परिस्थितियों में पढ़ने वाले विपरीत नुकसान, दुष्परिणामों से बचा जा सकता है जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम निकलते हैं और हम उसका श्रेय बड़े बुजुर्गों के आशीर्वाद के रूप में ले सकते हैं। साथियों बात अगर हम व्यवहारिक जीवन में निर्णय लेने की करें तो यह दो प्रकार का हो सकता है नियोजित और अनियोजित निर्णय, ऐसे निर्णय जो किसी परिस्थिति विशेष पर अकस्मात लेने पड़ते हैं जिसके लिए कोई पूर्व योजना नहीं होती है अनियोजित निर्णय कहलाते हैं। इसके विपरीत ऐसे निर्णय जो किसी पूर्व येाजना पर आधारित होते हैं, नियोजित निर्णय कहलाते हैं। नियोजित निर्णय ठोस तथ्यों पर आधारित होते हैं क्योंकि यह पूर्व निर्धारित योजना पर आधारित होते हैं। साथियों बात अगर हम बड़े बुजुर्गों की कहावतों की करें तो, कहावत उस छोटे से वाक्य या लाइन को कहा जाता है जिसके माध्यम से बड़ी-बड़ी बातें कह दी जाती है। गाँव, घर में अक्सर बड़े-बुजुर्गों के द्वारा बहुत सारी कहावतें सुनने को मिलती है। इन कहावतों को स्कूल में नही पढाया जाता है, इसे ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों के लोग बोलने में प्रयोग करते है। बहुत सारी ऐसी कहावतें होती है जो घर की महिलाओं के द्वारा प्रयोग की जाती है, कई बार गाँव में बड़े बुजुर्गों की कहावत का अर्थ तो पढ़े लिखे लोग भी नहीं निकाल पाते है, और शर्म में हाँ में हाँ मिलाकर आगे बढ़ जाते है। साथियों बात अगर हम तुरंत निर्णय लेने वाली परिस्थितियों की करें तो, मानव जीवन में अनेक बार ऐसी परिस्थितियां आती है जब मनुष्य समझ नहीं पाता कि उसे किस तरह उस परिस्थिति का सामना करना है । परिस्थितिवश उत्पन्न स्थिति स्वयं में इतनी उलझी होती है की अगर सूझ बूझ और दूर दृष्टि का सहारा न लिया जाये तो निर्णय गलत होने की पूरी सम्भावना रहती है ।अनेको बार छोटी छोटी बातें हमें नकारात्मक गहराई तक प्रभावित करती हैं ।ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर बेहतर तो यह है की हम शांति और धैर्य से उस परिस्थिति का विश्लेषण करें तथा उस स्थिति के पक्ष विपक्ष दोनों के बारे में सोंचे क्योंकि प्रत्येक स्थिति के दो पहलू होते है , एक अगर सकारात्मक है तो दूसरा नकारात्मक अवश्य होगा । हमें परिस्थिति के गुण दोष के आधार पर निर्णय लेना चाहिए न कि जल्दबाजी में या घबराकर कोई कदम उठाना चाहिए जिससे की हमारे पक्ष में होने वाली बात का भी विपरीत असर हो जाये ।सबसे बड़ी बात हमें किसी भी विपरीत स्थिति में धैर्य , सहनशीलता और शांति से निर्णय लेने की आदत डालनी चाहिए अगर ऐसा हुआ तो हम अपने जीवन में अवश्य सफल होंगे । साथियों बात अगर हम कानों सुनी और आंखों देखी पर भी सोच समझकर निर्णय लेने की करें तो,आँखों देखी या कानों से सुनी हर बात सत्य हो, यह आवश्यक नहीं है। हम उस एक ही पक्ष को देखते और सुनते हैं, जो हमें प्रत्यक्ष दिखाई या सुनाई देता है। उसके दूसरे पहलू के विषय में जानकारी न होने के कारण हम कोई विशेष धारणा बना लेते हैं। जब हमारा वास्तविकता से सामना होता है तब पश्चाताप करना पड़ता है। अपनी नजरों को झुकाकर क्षमा-याचना करनी पड़ती है। उस दयनीय स्थिति से बचने के लिए मनुष्य को सावधान रहना चाहिए। उसे ऐसा कुछ भी नहीं कहना चाहिए जो उसके तिरस्कार का कारण बन जाए। साथियों बात अगर हम परिस्थितियों पर निर्भर सटीक निर्णय लेने की करें तो, आधा-अधूरा ज्ञान सदा ही विध्वंस कारक होता है। जो भी देखें या सुने उसे निकष पर कसें। इससे भी बढ़कर यह जानने का प्रयास करना चाहिए कि हमारी सोच कहाँ तक सही है। किसी भी घटना के सारे पहलुओं को जाने बिना कोई धारणा नहीं बनानी चाहिए। इसके अतिरिक्त चटकारे लेकर, मिर्च-मसाला लगाकर दूसरों को अपमानित करने की प्रवृत्ति से बचना चाहिए। ऐसे अफवाहें फैलाने वालों की जब पोल खुल जाती है तो वे कहीं के भी नहीं रह जाते। लोग उन पर विश्वास करना छोड़ देते हैं और उनकी बातों को सीरियसली न लेकर मजाक में उड़ा देते हैं। इसलिए मनुष्य को ऐसी स्थितयों से बचना चाहिए। उसे एक जिम्मेदार मनुष्य बनने का प्रयास करना चाहिए। साथियों बात अगर हम परिस्थितियों व निर्णय पर बीरबल और अकबर के सीख वाले किस्से की करें तो उपरोक्त कहावतों को सटीकता से समझने के लिए, मेरे पिताजी द्वारा बताया गया किस्सा जरूर सुनना चाहिए, राजा अकबर जंगल में शिकार करते हुए रास्ता भटक गए, देर होने के कारण रानी साहिबा ने नौकर को रूम बेड क्लीन का आदेश दिया नौकर नें रूम में मखमली बेड को देखा तो दिल बेड पर एक बार सोने के लिए ललचाया और वह चादर ओढ़ कर सो गया उसे नींद आ गई ! !उधर रानी साहिबा भी अपनी धुन में ही आई और बेड पर राजा आराम फरमा रहे हैं समझकर उन पर हाथ रख कर सो गई।

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता रहा बेनतीजा

लेकिन यह वार्ता में सफलता मिलने की संभावना बहुत ही कम दिखाई दे रही है आज सारी दुनिया को मालूम है पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है आज कल सारे न्यूज चैनल में अमेरिका ईरान युद्ध के 11अप्रैल 26 के शान्ति वार्ता पर ध्यान केंद्रीत है जो पाकिस्तान फुले नहीं समा रहा है और ऐ दिखाने की कोशिश की गई है कि पाकिस्तान शान्ति का मैसेंजर है लेकिन हकीकत उल्टी है दरअसल पाकिस्तान हाल ही में अफगानिस्तान में हवाई हमले कर 400 से अधिक निर्दोष नागरिकों को मौत की नींद सुला दिया और इजराइल पर ऐ आरोप लगाना तर्कसंगत है कि बेरूत में बम बरसा रहा है निर्दोष नागरिकों की हत्या कर रहा है जबकी वहाँ हिजबुल्लाह एक आतंकी संघटन है लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर बुधवार को हुए इजरायली हमले में अब तक कम से कम 254 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 1100 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं जो मानता हूँ ठीक नहीं है लेकिन जब आंतकवादी को पनाह देने वाले और आतंकवादी गतिविधियों में हजारों की संख्या में खुद ही निर्दोष लोग जिसमें भारत भी है को धर्म के आधार पर मारते है तो क्या ऐ सही है यदि धर्म का आधार ही है

संजय गोस्वामी

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता कराने की कोशिशों के बीच अमेरिका और ईरान ने इस्लामाबाद में बातचीत की। अमेरिकी का प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने की , जबकि ईरानी बातार्कारों की अगुवाई अगुआई ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं। दल में विदेश मंत्री अब्बास अराघची, भी हैं लेकिन यह वार्ता में सफलता मिलने की संभावना बहुत ही कम दिखाई दे रही है आज सारी दुनिया को मालूम है पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है आज कल सारे न्यूज चैनल में अमेरिका ईरान युद्ध के 11अप्रैल 26 के शान्ति वार्ता पर ध्यान केंद्रीत है जो पाकिस्तान फुले नहीं समा रहा है और ऐ दिखाने की कोशिश की गई है कि पाकिस्तान शान्ति का मैसेंजर है लेकिन हकीकत उल्टी है दरअसल पाकिस्तान हाल ही में अफगानिस्तान में हवाई हमले कर 400 से अधिक निर्दोष नागरिकों को मौत की नींद सुला दिया और इजराइल पर ऐ आरोप लगाना तर्कसंगत है कि बेरूत में बम बरसा रहा है निर्दोष नागरिकों की हत्या कर रहा है जबकी वहाँ हिजबुल्लाह एक आतंकी संघटन है लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर बुधवार को हुए इजरायली हमले में अब तक कम से कम 254 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 1100 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं ।जो मानता हूँ ठीक नहीं है लेकिन जब आंतकवादी को पनाह देने वाले और आतंकवादी गतिविधियों में हजारों की संख्या में खुद ही निर्दोष लोग जिसमें भारत भी है को धर्म के आधार पर मारते हैं तो क्या ऐ सही है यदि धर्म का आधार ही है तो अफगानिस्तान में क्यों निर्दोष लोगों को मारा गया ऐ सिर्फ और सिर्फ अपनी डफली अपना राग और अपने आतंकी छवि को एक सफेद झूठ की चादर से ढक रहें है पाकिस्तान और ईरान का सीमा विवाद कोई नया नहीं है 2 वर्ष पूर्व याद कीजियेगा 17 जनवरी 2024 को मंगलवार रात पाकिस्तान पर हुए ईरानी मिसाइल हमले में दो बच्चों की मौत और तीन अन्य के घायल होने के बाद पाकिस्तान और ईरान के राजनयिक संबंधों में दरार है। उस समय पाकिस्तान ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए तेहरान से अपने राजदूत को वापस बुला लिया था और इस्लामाबाद में मौजूद ईरान के दूत के पाकिस्तान लौटने पर रोक लगा दी। उस समय इस्लामाबाद ने ईरान पर पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने का आरोपलगाया, जबकि ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा कि मिसाइलों ने जैश अल-अदल नामक सशस्त्र समूह के दो ठिकानों को निशाना बनाया था ।उस समय एक बयान में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा गया था , यह गैर-कानूनी हरकत पूरी तरह से अस्वीकार्य है और इसका कोई भी औचित्य नहीं है। इसमें चेतावनी दी गई, पाकिस्तान इस गैर-कानूनी हरकत का जवाब देने का अधिकार सुरक्षित रखता है। इसके परिणामों की पूरी ज़िम्मेदारी ईरान की होगी ।अमेरिका भी कैसे पाकिस्तान के चंगुल में फंस गया ऐ भी उसकी वर्ड पावर की छवि को बहुत ही निचे बातचीत के टेबल तक ले गया ऐ उसके इतिहास में कभी नहीं हुआ की पाकिस्तान जैसे देश में जाकर शाँति वार्ता के लिए मजबूरी वश जाना पड़ा क्योंकि पहले जितने भी राष्ट्रपति हुए वो या तो वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर, हमले का बदला या ईरान पर हमला कर कभी पीछे नहीं मुड़ा जहाँ तक ईरान में युद्ध की बात है नाटो का कहना ऐ उसका निजी मामला है हमसे पूछ कर नहीं किया गया तो ईराक में जब सद्दाम हुसैन पर हमला किया गया तो किससे पूछ कर किया फिर भी वहाँ भी अमेरिका को क्या खतरा था ईरान से तो समझ में आता है कि अमेरिका को बाद में खतरा हो सकता था क्योंकि उसकी मिशायल की मारक क्षमता बाद में अमेरिका तक मार करने की क्षमता हासिल कर सकता था और जो अभी खाड़ी देशों में अमेरिका के बेस पर जिसतरह हमला हुआ वैसा पहले कभी नहीं हुआ ऐ अमेरिका को गहरा चोट पहुँचाया है और इसमें कहीं ना कहीं पाकिस्तान की भी मिली भगत हैं क्योंकि उसी के बॉडर से होकर ही हथियार गया है जो अमेरिका के लाख बम्रबारी के बाद भी 100 वीं लहर तक कैसे गया इसलिए की इसमें चीन और रूस के साथ पाकिस्तान का भी हाथ होगा हथियार पहुंचाने में, जो खबर निकल कर सामने आई है इसलिए पाकिस्तान शान्ति वार्ता क्या कराएगा जो खुद ही आतंकवादी के सहारे दहशतगर्द को पनपा रहा है और भारत में मासूमों की हत्या करवाता है 26/11/08 को मुंबई में पाकिस्तान के आईएसआई ने ऐसी कत्लेआम का अंजाम दिया जिसमें सैकड़ो मासूमों की जान चंद आतंकवादी ने कत्लेआम किया वो भी धर्म के नाम पर, और हाल ही में पहलगांव में दर्जनों भारतीय पर्यटक की हत्या धर्म के नाम पर की, अतः एक कहावत है जो संत कबीर ने लिखी है :-बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय, जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय,संत कबीरदास जी का यह प्रसिद्ध दोहा आत्म-निरीक्षण (शे'ा-शेा'ूझ्ङ्खल्ल) का संदेश देता है, जो सिखाता है कि दूसरों में दोष ढूंढने से पहले अपने भीतर झांकना चाहिए। भारत अगर ऑपरेशन सिंदूर कर पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमला नहीं करता तो कट्टरवादी आतंकी फिर कोई नया खेल करते और भारतीय मासूमों की जान जाती किसी भी धर्म में मानवता को ही सर्वोपरि माना गया है लेकिन धर्म की आड़ लेकर लोग इसका फायदा आतंक को पनपाने में करता है जो विश्व के लिए खतरा है अब ईरान भी उसी रास्ते पर चल पड़ा है क्योंकि जिस तरह खाड़ी देशों में उसके हमले में कई निर्दोष नागरिकों की मौत हुई है और जिस तरह हार्मोस को पूरी तरह बंद करके दूसरे देश के लिए क्यों बन्द किया जिसका इस युद्ध से कोई लेना देना नहीं है और उसने इसे सबसे बड़े हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया।

दांपत्य जीवन में बढ़ रही है तकरार कमजोर पड़ रहे सात जन्मों के रिश्ते

आपको इसी सप्ताह की दो वारदातों के मार्फत पति-पत्नी के बीच हिंसक वारदातों से अवगत कराने का प्रयास करते हैं पहली वारदात जयपुर में सामने आइ है बैंक मैनेजर पति से मिलने के लिए अर्चना अक्सर टैक्सी से जयपुर जाया करती थी, लेकिन यही सफर उसकी जिंदगी बदल गया. टैक्सी ड्राइवर से बातचीत धीरे-धीरे प्यार में बदल गई. एक दिन पति उसी ड्राइवर की गाड़ी में था, जब उसने दोनों की बातचीत सुन ली. जिसमें उसे रास्ते से हटाने की बात हो रही थी. यहीं से खुला पूरा मामला और पुलिस तक पहुंची कहानी. अलवर की यह कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है. एक सामान्य टैक्सी का सफर, ड्राइवर से कुछ बातचीत, फिर बढ़ती नजदीकियां. इस बाद पूरा मामला दोनों की गिरफ्तारी तक पहुंच जाता है. कहानी की शुरूआत होती है अर्चना अरोड़ा से, जो एक बैंक मैनेजर कर्णव खत्री की पत्नी है. पति जयपुर में नौकरी करता था, इसलिए अर्चना का वहां आना-जाना लगा रहता था. सफर के लिए टैक्सी लेना रोजमर्रा की बात थी लेकिन एक दिन यही सफर उसकी जिंदगी का मोड़ बन गया.सफर के दौरान उसकी मुलाकात हुई टैक्सी ड्राइवर ऋषभ शर्मा से. शुरूआत में कितनी दूरी है,

मनोज कुमार अग्रवाल

लेखक

अब भारतीय समाज में दांपत्य जीवन असुरक्षित हो चला है। पति पत्नी के बीच विश्वास प्रेम और सात जन्मों तक साथ निभाने के वादे कमजोर पड़ रहे हैं। आए दिन पति पत्न ी एक दूसरे के खून से हाथ रंग रहे हैं। आपको इसी सप्ताह की दो वारदातों के मार्फत पति-पत्नी के बीच हिंसक वारदातों से अवगत कराने का प्रयास करते हैं पहली वारदात जयपुर में सामने आइ है बैंक मैनेजर पति से मिलने के लिए अर्चना अक्सर टैक्सी से जयपुर जाया करती थी, लेकिन यही सफर उसकी जिंदगी बदल गया. टैक्सी ड्राइवर से बातचीत धीरे-धीरे प्यार में बदल गई. एक दिन पति उसी ड्राइवर की गाड़ी में था, जब उसने दोनों की बातचीत सुन ली. जिसमें उसे रास्ते से हटाने की बात हो रही थी. यहीं से खुला पूरा मामला और पुलिस तक पहुंची कहानी. अलवर की यह कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है. एक सामान्य टैक्सी का सफर, ड्राइवर से कुछ बातचीत, फिर बढ़ती नजदीकियां. इस बाद पूरा मामला दोनों की गिरफ्तारी तक पहुंच जाता है. कहानी की शुरूआत होती है अर्चना अरोड़ा से, जो एक बैंक मैनेजर कर्णव खत्री की पत्नी है. पति जयपुर में नौकरी करता था, इसलिए अर्चना का वहां आना-जाना लगा रहता था. सफर के लिए टैक्सी लेना रोजमर्रा की बात थी लेकिन एक दिन यही सफर उसकी जिंदगी का मोड़ बन गया.सफर के दौरान उसकी मुलाकात हुई टैक्सी ड्राइवर ऋषभ शर्मा से. शुरूआत में कितनी दूरी है, कितना समय लगेगा जैसी बात होती थी, लेकिन धीरे-धीरे बातचीत का दायरा बढ़ता गया. फोन नंबर शेयर हुए, फिर कॉल्स शुरू हुईं और देखते ही देखते यह रिश्ता एक अलग दिशा में बढ़ गया. अब हालात ये थे कि दोनों के बीच बातचीत सिर्फ कभी-कभार नहीं, बल्कि रोज की आदत बन चुकी थी. घंटों फोन पर बात होती और धीरे-धीरे यह रिश्ता इतना गहरा हो गया कि दोनों ने एक-दूसरे के बिना सोचना भी मुश्किल कर दिया. एक दिन कर्णव खत्री (अर्चना के पति) जयपुर से अलवर लौट रहे थे. संयोग से टैक्सी वही थी और ड्राइवर भी वही ऋषभ था. कर्णव पीछे की सीट पर बैठे और कुछ देर बाद सो गए. ऋषभ को लगा कि वह गहरी नींद में हैं. उसने तुरंत फोन मिलाया अर्चना को. फोन पर बातचीत शुरू हुई और जो बातें हुईं, उन्होंने इस कहानी को पूरी तरह बदल दिया. ऋषभ ने कहा कि तुम्हारा पति मेरे साथ ही गाड़ी में हैङ्क अगर कहो तो आज ही इसे रास्ते से हटा दूं. पीछे की सीट पर लेटे कर्णव की आंखें खुल चुकी थीं.उन्होंने बिना कुछ बोले पूरी बातचीत अपने फोन में रिकॉर्ड कर ली.एक रिकॉर्डिंग ने कर्णव के शक को यकीन में बदल दिया. उन्होंने चुपचाप और सबूत जुटाने शुरू किए. कॉल डिटेल, बातचीत, फोन रिकॉर्डिंग सब कुछ धीरे-धीरे सामने आने लगा. अब साफ हो चुका था कि यह सिर्फ जान-पहचान नहीं, बल्कि गहरा रिश्ता है. जब कर्णव ने अर्चना से इस बारे में बात की, तो मामला संभलने के बजाय और बिगड़ गया. बातचीत बहस में बदली और बहस विवाद में. रिश्ता अब उस मोड़ पर पहुंच चुका था, जहां से लौटना आसान नहीं था. कुछ समय बाद मामला तलाक तक पहुंच गया. इसी बीच अर्चना की तरफ से 50 लाख रुपये की मांग की बात सामने आई. कर्णव ने इनकार किया, तो दोनों के बीच तनाव और बढ़ गया. एक दिन अचानक अर्चना घर छोड़कर चली गई. पुलिस के मुताबिक, वह अपने साथ नकदी और जेवरात भी ले गई और बाद में अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई. घर, परिवार, बच्चे सब पीछे छूट गया. मार्च 2026 में कर्णव ने आखिरकार पुलिस का दरवाजा खटखटाया. शिकायत दर्ज हुई, जांच शुरू हुई, लेकिन दोनों का कोई सुराग नहीं मिला. करीब एक महीने बाद अचानक अर्चना और ऋषभ खुद ही अलवर के एसपी ऑफिस पहुंच गए. जैसे ही पुलिस को जानकारी मिली, दोनों को वहीं से गिरफ्तार कर लिया गया. अदालत में पेशी हुई महिला को जेल भेजा गया और आरोपी को रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू हुई. पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले में कई पहलुओं की जांच की जा रही है. रिकॉर्डिंग और अन्य सबूतों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी. दूसरी वारदात मध्य प्रदेश के धार जिले से सामने आया है। यह मामला जितना सनसनीखेज है, उतना ही चौंकाने वाला भी. यहां एक पत्नी ने पहले तो अपने पति की हत्या की साजिश रची, फिर उसी हत्या को छुपाने के लिए ऐसा नाटक किया कि शुरूआती दौर में हर किसी को उस पर भरोसा हो गया. रो-रोकर उसने ऐसी कहानी सुनाई कि लगा जैसे वह खुद किसी भयावह हादसे की शिकार है. लेकिन जैसे-जैसे पुलिस ने परतें खोलीं, सच्चाई बिल्कुल उलट निकली और वही पत्नी इस पूरे हत्याकांड की मास्टरमाइंड निकली.शुरूआती जानकारी के मुताबिक, रात के समय कुछ अज्ञात बदमाश घर में घुसे, देवकृष्ण पर धारदार हथियार से हमला किया, और उनकी पत्नी प्रियंका को बंधक बनाकर लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया.

जीवन विकास में पुस्तकों का महत्व ज्ञान का अमर स्रोत और मार्गदर्शक प्रकाश

कांतिलाल मांडोत

मानव जीवन के विकास में ज्ञान का स्थान सर्वोपरि है और इस ज्ञान की प्राप्ति का सबसे सशक्त माध्यम पुस्तकें हैं। स्वाध्याय और पुस्तकें एक-दूसरे के पूरक हैं। जिस प्रकार अन्न और जल जीवन के लिए आवश्यक हैं, उसी प्रकार पुस्तकें बौद्धिक और आत्मिक विकास के लिए अनिवार्य हैं। पुस्तकें केवल कागज और अक्षरों का संग्रह नहीं होतीं, बल्कि उनमें महान विचारकों, संतों और महापुरुषों के अनुभव, चिंतन और जीवन का सार समाहित होता है। वे मनुष्य को दिशा देती हैं, उसे अज्ञान के अंधकार से निकालकर ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाती हैं ।पुस्तकों की विशेषता यह है कि वे निर्जीव होते हुए भी जीवंत प्रतीत होती हैं। उनमें लेखक की आत्मा बसती है। जब कोई व्यक्ति पुस्तक खोलता है तो उसे ऐसा अनुभव होता है मानो महान व्यक्तित्व उसके सामने उपस्थित होकर उससे संवाद कर रहे हों। इस प्रकार पुस्तकें केवल ज्ञान का संग्रह नहीं बल्कि जीवंत संवाद का माध्यम बन जाती हैं। यही कारण है कि उन्हें ज्ञानियों की समाधि कहा गया है, जहां उनके विचार सुरक्षित रहते हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी मानवता का मार्गदर्शन करते हैं। पुस्तकों का प्रभाव दो प्रकार का होता है। वे अमृत भी बन सकती हैं और विष भी। अच्छी पुस्तकें मनुष्य को सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं, उसके विचारों को शुद्ध करती हैं और उसके चरित्र का निर्माण करती हैं। वे सच्चे मित्र की भांति उसका मार्गदर्शन करती हैं और जीवन की कठिनाइयों में उसे सही दिशा दिखाती हैं। इसके विपरीत, निम्न स्तर की या गलत विचारों वाली पुस्तकें मनुष्य को भ्रमित कर सकती हैं और उसे गलत रास्ते पर ले जा सकती हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि व्यक्ति विवेकपूर्वक पुस्तकों का चयन करे और सद्ग्रंथों का अध्ययन करे। पुस्तकों का महत्व इस बात से भी स्पष्ट होता है कि वे अमर होती हैं। मनुष्य का शरीर नश्वर है, लेकिन उसके विचार और कृतियां पुस्तकों के माध्यम से सदैव जीवित रहती हैं। प्राचीन ग्रंथ जैसे गीता, रामायण, महाभारत और अन्य धार्मिक व नैतिक साहित्य आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने अपने समय में थे। इन ग्रंथों ने न केवल अपने युग को प्रभावित किया बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी दिशा प्रदान की है। यही कारण है कि पुस्तकें लेखक के अमरत्व का प्रतीक मानी जाती हैं। इतिहास में पुस्तकों के निर्माण और संरक्षण के लिए अनेक प्रयास किए गए हैं। प्राचीन काल में ज्ञान को सुनकर याद रखने की परंपरा थी, जिसे श्रुति कहा जाता था। बाद में जब यह अनुभव हुआ कि स्मृति पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है, तब ज्ञान को लिखित रूप देने की आवश्यकता महसूस हुई। प्रारंभ में ताड़पत्र, भोजपत्र और चमड़े पर लेखन किया जाता था। यह प्रक्रिया अत्यंत कठिन और श्रमसाध्य थी। एक पुस्तक तैयार करने में वर्षों लग जाते थे और उसकी प्रतियां बनाना भी अत्यंत कठिन कार्य था। इसके बावजूद ज्ञान के संरक्षण के लिए विद्वानों और राजाओं ने अथक प्रयास किए। समय के साथ कागज का आविष्कार हुआ और मुद्रण कला के विकास ने पुस्तकों के प्रसार को सरल बना दिया। आज के युग में एक ही पुस्तक की हजारों प्रतियां सहजता से तैयार हो जाती हैं और ज्ञान का प्रसार व्यापक स्तर पर संभव हो गया है। यह परिवर्तन मानव सभ्यता के विकास में एक महत्वपूर्ण चरण रहा है

बाबा साहेब डॉ . अम्बेडकर जी की 135 वीं जयंती के अवसर पर लेख

प्रोफेसर हंसराज सुमन

समयानुसार निर्मित होती सामाजिक संरचना मनुष्य के संस्कृतिकरण की प्रक्रिया है। भारतीय समाज भी समय की आवश्यकता के अनुरूप व्यवस्थित किया जाता रहा है। भारतीय समाज में एकाधिकार की प्रवृत्ति ने ऊँच-नीच का भेदभाव वर्ण एवं जातियों का विभाजन किया। जातियों में भी श्रेष्ठता का भावबोध एवं छुआछूत की मनोवृत्ति में अमानवीय स्थिति बना दी। मध्यकाल तक आते-आते समाज में ऊँच-नीच और छुआछूत की प्रवृत्ति इस कदर बढ़ गई कि समाज विकृत्त हो गया। यह स्थिति आज तक बनी हुई है। समाज को एकरूपता देने एवं मानवता के प्रचार-प्रसार के लिए अनेक महापुरुषों एवं समाज सुधारकों ने कार्य किया। उन्होंने भारत में फैले अंधविश्वास, सामाजिक कुरीतियों, बाह्य आडंबर, जाति-पाती, ऊँच-नीच और अन्य सामाजिक बुराइयों को दूर करने का प्रयास किया। इन्हीं समाज सुधारकों, सामाजिक क्रांति के उद्घोषकों में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर प्रमुख थे। ह्र भारतीय समाज में अस्पृश्य समझी जाने वाली महार जाति में जन्म लेने के कारण उन्हें जीवनभर अपमान तथा घोर यन्त्रणा की स्थितियों का सामना करना पड़ा था। इसलिए उन्होंने अपने जीवन को दलित - बहुजन उत्थान के लिए समर्पित कर दिया था। उन्होंने निश्चय किया कि वे इस अस्पृश्य वर्ग अर्थात दलित वर्ग की अमानवीय स्थिति को समाप्त कर उन्हें उच्च जातियों के समकक्ष अधिकार दिलायेंगे। उनकी इसी निष्ठा तथा कार्यों के कारण उन्हें दलित - बहुजन समाज का मसीहा कहा जाता है। दलितोत्थान के कार्यों के कारण उन्हें भारत का लिंकन तथा मार्टिन लूथर भी कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी । बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को इन्दौर के पास महू छावनी में हुआ था । बचपन में इनका नाम सकपाल था। इनके पिता रामजीराव सकपाल सेना में सूबेदार थे तथा माता भीमबाई मेजर मुखाडकर की बेटी थीं। अम्बेडकर का जन्म महाराष्ट्र की महार जाति में हुआ था, जो महाराष्ट्र में अस्पृश्य जाति मानी जाती थी। भीमराव के पिता रामजी सकपाल कबीर के अनुयायी थे, कबीरपंथी होने के कारण उनके घर में कबीर के शबद और वाणियाँ गाई जाती थीं। इस कारण उनके मस्तिष्क में जातिवाद के लिए कोई स्थान नहीं था। भीमराव का एक अछूत महार जाति से संबंधित होने के कारण उन्हें अनेक प्रकार के कष्टों को सहन करना पड़ा। सन 1919 में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर कोल्हापुर के छत्रपति साहू जी महाराज के सम्पर्क में आए, जो अपने राज्य में अछूतों के उद्धार के लिए कार्य कर रहे थे। बाबा साहेब ने साहू जी महाराज की सहायता से भारतीय समाज में जातिवाद और छुआछूत को उजागर करने के लिए 31 जनवरी 1920 को मुकनायक नामक मराठी पाक्षिक पत्र प्रारम्भ किया। इस पत्र के प्रथम तेरह अंकों में बाबा साहेब ने ही अग्रलेख लिखे। इनमें हिन्दू समाज की बुराईयों पर कड़ा प्रहार किया गया। बाबा साहेब ने कहा कि अछूत समाज की प्रगति में बाधक बनने वाली सभी संस्थाओं का हमें निषेध करना चाहिए। उन्होंने 29 जुलाई 1927 को बहिष्कृत भारत में लिखा था - यदि लोकमान्य तिलक अछूतों में पैदा होते तो वह स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है यह आवाज बुलन्द नहीं करते, बल्कि उनका नारा होता- अछूतपन का खात्मा करना मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है। डॉ. अम्बेडकर का मुख्य लक्ष्य अस्पृश्य समाज की स्थिति में सुधार करना था। इस आन्दोलन का सूत्रपात 31 जनवरी, 1920 में मूकनायक नामक मराठी पत्र के प्रारम्भ से किया। इस पत्र में अपने लेखों के माध्यम से उन्होंने हिन्दू समाज की बुराईयों पर कड़े प्रहार किये। उन्होंने लिखा-- ह्र हिन्दू समाज एक ऐसी मीनार के समान है जिसमें अनेक मंजिलें हैं पर उनमें प्रवेश के लिए कोई द्वार नहीं। व्यक्ति उसी मंजिल में दम तोड़ेगा जिसमें वह पैदा हुआ है। 21 मार्च 1920 में कोल्हापुर रियासत के एक गाँव में डॉ. अम्बेडकर की अध्यक्षता में दलितों की एक सभा बुलाई गयी। इस सभा में कोल्हापुर के समाज सुधारक छत्रपति साहू जी महाराज ने अपने भाषण में कहा- भाईयो ! आज आपको डॉ. अम्बेडकर के रूप में अपना रक्षक नेता मिला है। मुझे विश्वास है कि वह तुम्हारी छुआछूत की बेड़ियों को अवश्य तोड़ेगा। मई 1920 में अखिल भारतीय बहिष्कृत परिषद् का गठन किया गया। 1920 में बाबा साहेब लन्दन चले गये जहाँ 1921 में मास्टर ऑफ साइंस तथा 1922 में डी.एस.सी. की डिग्री ली तथा लंदन के ग्रेस-इन से बार एट् लॉ की डिग्री भी प्राप्त की । जून 1923 से उन्होंने बम्बई बार में अपना नाम दर्ज करा कर वकालत प्रारम्भ की। ब्रिटिश सरकार ने उन्हें डिस्ट्रिक्ट जज बनाने का निमन्त्रण दिया, जो उन्होंने यह सोचकर ठुकरा दिया कि मेरे लोगों की सेवा कौन करेगा ?

संक्षिप्त समाचार

दमोह के डायल-112 हीरोजः
सड़क दुर्घटना में घायल तीन व्यक्तियों को पहुंचाया अस्पताल

भोपाल, प्रातः किरण । दमोह जिले के थाना बटियागढ़ क्षेत्र में डायल-112 जवानों की तत्पर एवं संवेदनशील कार्रवाई से मोटरसाइकिल एवं ट्रक की टक्कर में घायल तीन व्यक्तियों को समय पर अस्पताल पहुंचाकर उपचार उपलब्ध कराया गया। इस त्वरित कार्रवाई से घायलों को शीघ्र चिकित्सकीय सहायता मिल सकी। दिनांक 11 अप्रैल को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112, भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना बटियागढ़ क्षेत्र में मोटरसाइकिल एवं ट्रक की आपस में टक्कर हो गई है, जिसमें 03 व्यक्ति घायल हो गए हैं। तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही थाना बटियागढ़ क्षेत्र में तैनात डायल-112 एफआरव्ही वाहन को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। मौके पर पहुँचकर डायल-112 स्टाफ आरक्षक राकेश सिंह एवं पायलट इदरीश खान ने पाया कि दुर्घटना में एक महिला, एक पुरुष एवं एक बच्ची घायल हो गए थे। डायल-112 जवानों ने तत्परता एवं मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए सभी घायलों को तत्काल एफआरव्ही वाहन से अस्पताल पहुँचाया। डायल-112 की त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई से घायलों को समय पर उपचार उपलब्ध हो सका। डायल-112 हीरोज श्रृंखला के अंतर्गत यह घटना दर्शाती है कि मध्यप्रदेश पुलिस की डायल-112 सेवा आपात परिस्थितियों में आमजन की सहायता हेतु सदैव सजग, संवेदनशील एवं प्रतिबद्ध है।

बड़ा तालाब के अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, 15 दिन में हटेंगे 347 कब्जे

सेवनिया और गौरा गांव में हुई कार्रवाई, बाउंड्रीवॉल समेत कई पक्के निर्माण ध्वस्त

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता। राजधानी भोपाल के बड़ा तालाब को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए जिला प्रशासन ने सोमवार को सख्त कार्रवाई शुरू कर दी। टीटी नगर एसडीएम वृत्त की टीम ने सेवनिया और गौरा गांव में पहुंचकर तालाब के दायरे में बने अवैध निर्माणों को हटाया। इस दौरान बाउंड्रीवॉल समेत कई पक्के निर्माणों पर जेसीबी चलाकर उन्हें ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई एसडीएम अर्चना शर्मा और तहसीलदार कुणाल रावत के निर्देशन में की गई। मौके पर भारी पुलिस बल भी तैनात रहा, ताकि किसी भी प्रकार के विरोध या हंगामे की स्थिति से निपटा जा सके। दोपहर तक चली इस कार्रवाई में आधा दर्जन से अधिक अतिक्रमण हटाए गए।

347 अतिक्रमण चिन्हित किए

प्रशासन के अनुसार, बड़ा तालाब के चारों ओर कुल 347 अतिक्रमण चिन्हित किए गए हैं, जिन्हें अगले 15 दिनों के भीतर हटाया जाएगा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि 16 मार्च 2022 को लागू हुए भोज वेटलैंड रूल्स के बाद किए गए सभी निर्माणों को हटाया जाएगा। साथ ही, तालाब के फुल टैंक लेवल से 50 मीटर के दायरे में आने वाले अतिक्रमणों पर विशेष रूप से कार्रवाई की जा रही है।

दो महीनों से अतिक्रमणों की पहचान की जा रही

पिछले दो महीनों से प्रशासन द्वारा अतिक्रमणों की पहचान की जा रही थी। इस दौरान गौरा गांव और बिसनखेड़ी क्षेत्र में सबसे अधिक कब्जे सामने आए, जबकि बैरागढ़ और बहेटा क्षेत्र में भी तालाब की सीमा पर अवैध निर्माण पाए गए हैं। प्रशासन का कहना है कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा और तालाब क्षेत्र को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त किया जाएगा, ताकि शहर की इस महत्वपूर्ण जल धरोहर को संरक्षित किया जा सके।

कार्रवाई शेड्यूल

- **12-13 अप्रैलः** सेवनिया गोंड - सरकारी व निजी जमीन से अतिक्रमण हटाए गए।
- **15-16 अप्रैलः** बैरागढ़ - मकान और मैरिज गार्डन हटाए जाएंगे।
- **17 अप्रैलः** हुजूर तहसील - सरकारी भूमि पर कार्रवाई।
- **18-19 अप्रैलः** टीटी नगर - शेष अतिक्रमण हटेंगे।
- **20 अप्रैलः** बैरागढ़ - बचा हुआ अतिक्रमण।
- **21 अप्रैलः** हुजूर तहसील - अंतिम कार्रवाई।

एक नजर इधर भी...

भोपाल, प्रातः किरण। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में कैबिनेट बैठक की शुरुआत वंदे मातरम् गान के साथ हुई।

भोपाल, प्रातः किरण। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह से उनके भोपाल स्थित निवास पर मुलाकात करने पहुंचे।

भोपाल, प्रातः किरण। भोपाल शहर में 'नशे से दूरी है जरूरी' जैसे महत्वपूर्ण अभियान के बाद भी शराब दुकानों के बाहर शराबियों के जमावड़े के विरोध में पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष मोनू सक्सेना के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने पुलिस आयुक्त को ज्ञापन सौंपा।

भोपाल. प्रातः किरण। भोपाल में जलजीरा-नीबू शिकंजी बेचकर पेट पालने वाले गरीब ठेले वालों पर नगर निगम की कार्रवाई के विरोध में अतिक्रमण शाखा के खिलाफ कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया।

भोपाल, प्रातः किरण। 'दक्षिण - पश्चिम विधानसभा के अंतर्गत वार्ड 26 में लगभग 37 लाख की लागत से मां कत्यायणीपुरम (सूरज नगर) में सी सी रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक भगवानदास सबनानी, महापौर मालती राय, जोन अध्यक्ष आरती अनेजा, क्षेत्रीय पार्षद राजमणि युइके, मंडल अध्यक्ष हेमंत बढ़ाईया, भाजपा नेता गण लीलेंद्र मरण, जीवन मरण, बी एल जायसवाल एवं रहवासीगण उपस्थित रहे।

भोपाल, प्रातः किरण। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नारी शक्ति वंदन सम्मेलन नई दिल्ली में उद्बोधन का उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय भोपाल से श्रवण किया।

कुख्यात बदमाश 'जावेद चिकना' पत्नी समेत पुलिस गिरफ्त में

वॉशिंग मशीन के ड्रायर में छिपाई थी 1.5 किलो चरस, 3 गिरफ्तार

7 लाख की चरस बरामद

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता। शहर में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत क्राइम ब्रांच भोपाल को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने घेराबंदी कर तीन शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से 1.630 किलोग्राम अवैध चरस बरामद की गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत लगभग 7 लाख रुपये आंकी गई है।

ऐसे पकड़ा गया गिरोह

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एमपी नगर जोन-1 स्थित गायत्री मंदिर के पीछे एक व्यक्ति एक्टिवा से नशीले पदार्थ की सप्लाई करने वाला है। घेराबंदी कर पुलिस ने मंजूर मोहम्मद खान उर्फ जुनेद को पकड़ा, जिसके पास से

126 ग्राम चरस मिली। पूछताछ में उसने बताया कि वह यह चरस शाहजहानाबाद निवासी नौशीन खान से खरीदता है।

वाशिंग मशीन में मिला जखीरा

क्राइम ब्रांच की टीम ने जब नौशीन खान के अमीरगंज स्थित किराये के मकान पर दबिश दी, तो वहां तलाशी के दौरान पुलिस भी हैरान रह गई। आरोपियों ने चरस के पैकेट वाशिंग मशीन के ड्रायर में एक काले बैग के अंदर छिपा कर रखे थे। वहां से पुलिस ने 1.501 किलोग्राम चरस बरामद की और आरोपी जावेद खान व उसकी पत्नी नौशीन खान को गिरफ्तार किया।

अपराधिक रिकॉर्ड : पकड़ा गया आरोपी जावेद खान बेहद शातिर अपराधी है, जिस पर चोरी, लूट, आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस के 20 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। वहीं आरोपी मंजूर भी करीब एक दर्जन मामलों में संलिप्त रहा है। पुलिस अब इनके नेटवर्क के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है।

इंदौर के डायल-112 हीरोजः
भटके 12 वर्षीय बालक को परिजनों से मिलाया

इंदौर। जिले के थाना सांवेर क्षेत्र में डायल-112 जवानों ने एक 12 वर्षीय बालक को मध्यरात्रि में सुनसान मार्ग पर भटकते हुए पाया और उसे सुरक्षित उसके परिजनों से मिलाने का सराहनीय कार्य किया। 12 अप्रैल को रिंगनोद चौराहे पर भटके हुए बालक के मिलने की सूचना डायल-112 राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम भोपाल को प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही डायल-112 एफआरव्ही वाहन को तत्काल रवाना किया गया। मौके पर पहुंचे डायल-112 स्टाफ, आरक्षक पारस चौधरी और पायलटधर्मेंद्र पटेल ने बालक को सुरक्षित रखा। हालांकि, प्रारंभिक पूछताछ में बालक अपने परिजनों के बारे में कोई जानकारी नहीं दे पा रहा था। डायल-112 जवानों ने अत्यधिक धैर्य और संवेदनशीलता दिखाते हुए बालक की सुरक्षा सुनिश्चित की और उसके परिजनों की तलाश शुरू की। सोशल मीडिया और पुलिस कंट्रोल रूम के माध्यम से बालक के परिजनों की खोज की गई। कुछ ही समय में परिजनों से संपर्क हो गया और वे थाने पहुंचे। पहचान एवं सत्यापन के बाद बालक को सकुशल उनके सुपुर्द किया गया।

आर्थिक स्वावलंबन से बौद्ध सांस्कृतिक क्रांति समारोह

जागरुकता और आत्मनिर्भरता की भावना की ओर एक कदम

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता। बुद्धभूमि महाविहार मॉनेस्ट्री, भोपाल में आयोजित 'आर्थिक स्वावलंबन से बौद्ध सांस्कृतिक क्रांति समारोह' में चक्रवर्ती सम्राट अशोक, महात्मा जोतिबा फूले और डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर उत्साह और अनुशासन के साथ भव्य आयोजन हुआ। भारतीय बौद्ध महासभा और दी बुद्धभूमि धम्मदूत संघ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजरत्न अंबेडकर और अध्यक्ष विलास नगदवने की उपस्थिति ने समारोह को विशेष बनाया।

कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में आत्मनिर्भरता की भावना जागृत करना और युवाओं को शिक्षा, संगठन, और आर्थिक सशक्तिकरण के प्रति प्रेरित करना था। राजरत्न अंबेडकर ने आर्थिक स्वावलंबन को सामाजिक सम्मान और सशक्तिकरण की आधारशिला बताया। उन्होंने बौद्ध धम्म के सिद्धांतों का पालन कर समतामूलक समाज बनाने की बात कही। कार्यक्रम में भिक्षु संघ, सामाजिक कार्यकर्ता, और बुद्ध अनुयायी उपस्थित रहे। भंते शाक्यपुत्र सागर थेरो ने समापन पर समाज को जागरूक और संगठित बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

संस्कारों की ज्योति से जीवन आलोकित करें

निर्यापक मुनि संभव सागर महाराज का प्रेरणादायक उपदेश

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता। राजधानी के विशाल नंदीश्वर जिनालय में निर्यापक मुनि संभव सागर महाराज ने जीवन को संस्कारों की ज्योति से आलोकित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'आचरण बिना ज्ञान शून्य है, विवेक बिना शिक्षा व्यर्थ है, और संस्कारों के बिना जीवन व्यर्थ है।' मुनि संभव सागर ने यह भी कहा कि जीवन में संस्कारों का महत्व है, और यदि हम संस्कारों को अपनाएंगे, तो न केवल हमारा जीवन, बल्कि समाज का जीवन भी प्रकाशमय हो जाएगा।

इस अवसर पर आचार्य विद्या सागर महाराज और आचार्य समय सागर महाराज के चित्र के समक्ष

दीप प्रज्वलित किया गया। प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया कि गुरुओं के प्रति श्रद्धा और भक्ति का वातावरण 'हे स्वामी नमोस्तु' के भव्य उद्घोष से गूंज रहा था। नंदीश्वर जिनालय अध्यक्ष एडवोकेट विजय प्रमोद चौधरी और पंचायत कमेटी ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष मनोज बांगा समेत कई लोग इस धर्म सभा में उपस्थित रहे।

राजेंद्र भारती बोलेः मुझे मिला था 70 करोड़ का ऑफर

भोपाल। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पूर्व विधायक राजेंद्र भारती ने अपनी सदस्यता छोड़ने और हाल ही में मिली सजा को राजनीतिक षड्यंत्र बताया। भारती ने भाजपा सरकार और पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा पर तीखे हमले करते हुए दावा किया कि उन्हें पार्टी छोड़ने के लिए 70 करोड़ रुपए का प्रलोभन दिया गया था। राजेंद्र भारती ने आरोप लगाया कि मई 2024 में दिल्ली में एक केंद्रीय मंत्री के ओएसडी ने उन्हें संपर्क किया और भाजपा में शामिल होने का प्रस्ताव दिया। ओएसडी ने यह तक कहा कि यदि वे सारे केस वापस ले लें और भाजपा में आ जाएं, तो उन्हें किसी निगम-मंडल का अध्यक्ष बना दिया जाएगा और साथ ही 70 करोड़ रुपए भी दिलवाए जाएंगे। जब उन्होंने इस प्रस्ताव को ठुकराया, तो उन्हें धमकी दी कि उन्हें उनके खिलाफ चल रहे मामलों में फंसा दिया जाएगा।

भाजपा के 'सेवा प्रकल्प' का शुभारंभ आज से

कार्यकर्ताओं को त्वरित चिकित्सीय सहायता प्रदान करने की पहल

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ. विशाल सिंह बघेल ने जानकारी दी कि भाजपा कार्यकर्ताओं को त्वरित चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'सेवा प्रकल्प' का शुभारंभ 14 अप्रैल को सायं 5 बजे भाजपा प्रदेश कार्यालय में किया जाएगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, और उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे।

'सेवा प्रकल्प' के तहत भाजपा कार्यकर्ताओं को तत्काल चिकित्सीय सहायता मुहैया कराई जाएगी, जिसमें

अनुभवी चिकित्सक स्वास्थ्य परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। इसके अलावा, मुख्यमंत्री सहायता कोष और स्वेच्छा अनुदान के माध्यम से आर्थिक मदद का प्रबंध भी किया जाएगा। भाजपा प्रदेश कार्यालय में एक विशेष कक्ष स्थापित किया गया है, जहां चिकित्सीय परामर्श एवं आवश्यक सलाह दी जाएगी। साथ ही, आयुष्मान भारत योजना, राहगीर योजना समेत अन्य सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी भी दी जाएगी।

आवेदन प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी रखा गया है, जिसमें आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन प्राप्त होंगे और त्वरित सत्यापन तथा अनुशंसा प्रक्रिया सुनिश्चित की जाएगी। गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, हृदय और किडनी रोगों को प्राथमिकता दी जाएगी। सेवा प्रकल्प के तहत रक्तदान और सेवा टीम को भी सक्रिय किया जाएगा। इस पहल के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ताओं को जरूरी सहायता उपलब्ध कराकर उनके स्वास्थ्य का ख्याल रखा जाएगा, जिससे संगठन मजबूत और सशक्त हो सके।

किसान के बेटे को ही कृषि मेले में जाने से रोका जा रहाः जीतू पटवारी

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए प्रदेश सरकार पर गंभीर आरोप लगाए और सवाल उठाया कि क्या उन्हें जानबूझकर कृषि मेले में जाने से रोका जा रहा है। जीतू पटवारी ने कहा कि वे हाल ही में विदिशा गए थे, जहाँ उन्होंने किसानों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। किसानों ने बताया कि गेहूं की सरकारी समर्थन मूल्य पर खरीदी समय पर नहीं हुई, जिसके कारण लगभग 20 लाख क्विंटल गेहूं 2000 से कम कीमत पर बेचना पड़ा। वर्तमान में भी मंडियों में गेहूं 2200-2300 प्रति क्विंटल के भाव से बिक रहा है, जिससे हर किसान को लगभग 400-500 प्रति क्विंटल का नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि विदिशा में उन्होंने सार्वजनिक रूप से कृषि मेले में शामिल होने की इच्छा जताई थी।

कार्यक्रम
नारी शक्ति यूथ पार्लियामेंट का भव्य आयोजन

राष्ट्र की प्रगति में महिलाओं की भागीदारी अनिवार्य

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता। 'मेरा युवा भारत कार्यक्रम के तहत आयोजित नारी शक्ति यूथ पार्लियामेंट ने महिलाओं के लोकतांत्रिक अधिकारों और सशक्तिकरण पर महत्वपूर्ण चर्चा की। कार्यक्रम का उद्घाटन संपतिया उइके, मंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय, मध्य प्रदेश शासन ने किया। इस दौरान उन्होंने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर चर्चा की, जिसके तहत महिलाओं के लिए 33% आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

देश की आधी शक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं महिलाएं: अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में मंत्री संपतिया उइके ने महिला युवा संसद की सराहना करते हुए कहा कि भारत की आधी आबादी महिलाएं हैं, जो देश की आधी शक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं। उन्होंने मातृशक्ति के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति में महिलाओं

की भागीदारी अनिवार्य है। उन्होंने यह भी कहा कि देश के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा महिलाओं को 33% आरक्षण प्रदान करने हेतु लाया गया यह संशोधन बिल एक ऐतिहासिक एवं सराहनीय कदम है, जो भारत को अधिक समावेशी एवं सशक्त लोकतंत्र की दिशा में अग्रसर करेगा।उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं की भूमिका को तीन प्रमुख क्षेत्रों–राजनीतिक, आर्थिक एवं सामाजिक–में सशक्त बनाने पर जोर दिया और युवतियों को आगे बढ़कर नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उनके उद्बोधन ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों में नई ऊर्जा एवं आत्मविश्वास का संचार किया। विशिष्ट अतिथियों में पैरालंपियन प्राची यादव, गुंजन चौकसे और मनीष कौरव ने भी अपने विचार साझा किए।

महिलाओं की राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक भूमिका पर चर्चा

कार्यक्रम में 40 महिला प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और समाज में महिलाओं की राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक भूमिका पर विचार व्यक्त किए। श्रीमती उइके ने महिलाओं की शक्ति को रेखांकित करते हुए युवतियों को नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन उपनिदेशक निक्की राठौर ने किया, और द्वितीय दिवस पर बजट क्वेस्ट 2026 सत्र का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रधानमंत्री युवाओं से संवाद करेंगे। यह आयोजन महिलाओं के सशक्तिकरण और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

संक्षिप्त समाचार

क्लीनिक में चोरी करने गया था चोर, शटर में गर्दन फंसी तो रात भर हवा में लटका रहा

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक चोर डॉक्टर के क्लीनिक में चोरी

करने के इरादे से पहुंचा था मगर शटर और दीवार के बीच ही अपनी गर्दन फंसा बैठा। बताया जा रहा है कि पूरी रात चोर ऐसी ही गर्दन के सहारे लटका रहा। करीब 6 घंटे बाद फायर सर्विस के जवान आए तो चोर को इस मुश्किल से निकाला गया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चोर ने देर रात शटर को जबरन खोलने की कोशिश की थी। हालांकि, इस कोशिश के दौरान उसकी गर्दन उठे हुए शटर में फंस गई, जबकि उसका बाकी शरीर बाहर लटका रह गया। अब वह न अंदर जा सकता था और न ही बाहर निकलकर आ सकता था। खुद को छुड़ाने में असमर्थ, वह कई घंटों तक दर्दनाक और असहाय स्थिति में फंसा रहा और इस दौरान शटर पर लगातार पैर मारकर आवाज करने लगा ताकि कोई उसे बचाने आ जए। इसके बाद जब लोग वहां पहुंचे तो हर कोई ये नजारा देखकर हैरान रह गया। आखिरकार सुबह पुलिस ने उसे सुरक्षित बाहर निकाला। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि चोर को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए फायर सर्विस के जवान बेहद ही एहतियात के साथ एक-एक कदम उठा रहे हैं। बताया जा रहा है कि शटर को काटकर चोर को बिना किसी नुकसान बाहर निकाला गया। चोर को जब नीचे लाया गया तो वह ठीक से खड़ा भी नहीं हो पा रहा था। इसके बाद उसे पानी पिलाया गया और लेटा दिया गया। बताया जा रहा है कि युवक का नाम अभिषेक है और वह बिहार का रहने वाला है।

गुरुग्राम को 'नायाब' सौगातः शहर में खुलेंगे 4 नए अस्पताल

गुरुग्राम, एजेंसी। दिल्ली से सटे गुरुग्राम में बढ़ती आबादी और स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती मांग को देखते हुए हरियाणा सरकार ने एक बड़ा निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि गुरुग्राम में विभिन्न स्थानों पर 100 से 150 बेड की क्षमता वाले चार अतिरिक्त अस्पताल इसी तर्ज पर खोलने के प्रस्ताव तैयार किए जाएं। मुख्यमंत्री का यह निर्देश न केवल शहर के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूती प्रदान करेगा, बल्कि भविष्य की स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने में मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री सैनी ने यह महत्वपूर्ण निर्देश गुरुग्राम में निर्माणाधीन शीतला माता देवी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की प्रगति की समीक्षा के लिए आयोजित कैबिनेट सब-कमेटी की बैठक के दौरान दिए। यह परियोजना सहकारी संघवाद और स्थानीय निकायों के आपसी सहयोग का अनूठा उदाहरण है। इसका इंफ्रास्ट्रक्चर जीएमडीए का 50 फीसदी, नगर निगम गुरुग्राम का 45 फीसदी और श्री माता शीतला देवी श्राइन बोर्ड पांच फीसदी के वित्तीय सहयोग से तैयार हो रहा है। आयुष्मान के लाभार्थियों को प्राथमिकता बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पताल के आरक्षित बेड पर आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य केवल बिल्डिंग खड़ी करना नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप ऐसी सेवाएं देना है जो गुरुग्राम को वैश्विक स्वास्थ्य मानचित्र पर स्थापित करें। मेडिकल शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बैठक में प्रोजेक्ट की बारीकियों को साझा किया। आरक्षण और किफायती शिक्षा पर जोर

यूपी की कई वीआईपी सीटों का गणित बदला, शहरी वोटर ज्यादा कटे

दल समीकरण बिठाने में जुटे

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में 2.04 करोड़ कटने के बाद राजनीतिक दलों में खासी बेचैनी बताई जा रही है। जानकारों से कहना है कि एसआईआर में सर्वाधिक वोट शहरी क्षेत्रों के कटे हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़े हैं। शहरी वोट हमेशा से भाजपा के रहे हैं। वोट कटने के बाद कई वीआईपी सीटों का भी गुणा-गणित बदल गया है। लखनऊ कैंट का ही उदाहरण लें तो यहां सर्वाधिक 124962 वोट कटे हैं। इसीलिए विधानसभा चुनाव के समय टिकट बंटवारे से लेकर जातीय समीकरण के लिए राजनीतिक दलों को नए सिरे से समीकरण बैठाना पड़ सकता है। वे अभी से इसकी रणनीति बनाने में जुट भी गए हैं।

बड़े शहरों में खूब कटे वोट

एसआईआर के आंकड़े बता रहे हैं कि मुस्लिमों समुदाय के अधिकतर लोग अपना वोट बचाने में सफल रहे हैं। मतदाता सूची के आंकड़ों को देखें तो लखनऊ कैंट 34.18, इलाहाबाद उत्तरी 34.01, लखनऊ पश्चिम 31.01, लखनऊ पश्चिम 31, आगरा कैंट 30.47, लखनऊ मध्य 30.36, मेरठ कैंट 27.29, कानपुर कैंट 26.59, बरेली 25.68 फीसदी वोट कटे हैं। नोएडा जैसी सीट पर 23.85 प्रतिशत वोट कटे हैं। ये सभी भाजपा की प्रभाव वाली सीटें हैं। इनमें से अधिकतर सीटें वीआईपी हैं। शहरी

क्षेत्रों में मतदाता घटने से पार्टी थोड़ी चिंतित तो है मगर मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन तक वोटरों की बढ़ी हुई संख्या को लेकर पार्टी आशान्वित है। इसमें सरकार और संगठन दोनों ने अंतिम समय पर पूरी ताकत झोंकी। पार्टी के एक प्रदेश स्तरीय नेता का कहना है कि यह मानना पूरी तरह गलत है कि सिर्फ हिंदुओं के वोट ज्यादा कटे हैं। उनका तर्क है कि यदि ऐसा होता तो सपा और कांग्रेस एसआईआर को कोस न रहे होते। बसपा कटे हुए वोटों को लेकर बूथ, जिला व मंडल स्तर पर समीक्षा करेगी। पार्टी सभी जगह जहां वंचित व सर्वसमाज के वोट अवैध ढंग से काटे गए हैं, वहां अभियान चलाकर वैध मतदाताओं के नाम जुड़वाएगी। एसआईआर शुरू होने के साथ समाजवादी पार्टी ने चार लोगो की एक टीम बनाई। उसने बिहार एसआईआर का अध्ययन कर एक-एक खामियों पर ध्यान दिया। वोटर बनने और बने रहने के लिए सभी जरूरी मदद बूथवार की गई. जिससे वोट बचाने के साथ ही बनवाने में वह सफल रहे। सपा की यह टीम अब अंतिम मतदाता सूची का अध्ययन कर रही है। इसकी खामियों को देखा जा रहा है। इसके आधार पर गलत वोट कटने को ठीक कराने और छूटे लोगों का नाम शामिल कराने का होगा। यूपी में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) की अंतिम मतदाता सूची में सर्वाधिक 30 से 39 आयुवर्ग के 3.60 करोड़ लोग हैं। दूसरे नंबर पर 20 से 29 आयु के 2.62 करोड़ मतदाता हैं। वोटर लिस्ट में सर्वाधिक युवा मतदाता हैं। अब अगर मतदाता सूची में 18 वर्ष से लेकर 39 वर्ष की उम्र वाले लोग जो युवा श्रेणी में आते हैं उनकी संख्या देखी जाए तो वह कुल 6.40 करोड़ है। यानी युवाओं की संख्या मतदाता सूची में 47.7 प्रतिशत है। फिलहाल मतदाता सूची के हिसाब से युवा मतदाता फिर एक बार निर्णायिक साबित होंगे। इनकी संख्या सूची में सर्वाधिक है।

गुजरात में भाजपा ने चपरासी को उम्मीदवार बनाया

28 साल तक चाय-पानी पिलाया, अब जनता की सेवा करेंगे

मेहसाणा , एजेंसी। गुजरात के निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उसके लिए कोई छोटा या बड़ा नहीं है। पार्टी के लिए समर्पित किसी भी आदमी को चुनाव लड़ने का मौका मिल सकता है। बीजेपी ने 28 साल से पार्टी ऑफिस में चपरासी के तौर पर काम कर रहे 50 साल के रमेश भील को अपना उम्मीदवार बनाया है।

मेहसाणा नगर निगम चुनाव

रिपोर्ट के अनुसार, गुजरात के मेहसाणा नगर निगम चुनावों में एक ऐसा कदम उठाया गया है, जो चर्चा का विषय बन गया है। भारतीय जनता पार्टी ने रमेश भील नाम के आदमी को टिकट दिया है। वह एक समर्पित कर्मचारी हैं और पिछले लगभग तीन दशकों से मेहसाणा जिला बीजेपी कार्यालय में चपरासी के तौर पर सेवा दे रहे हैं।

रमेश भील ने शनिवार को आधिकारिक तौर पर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके साथ ही वे पार्टी के एक 'बैक-एंड' कार्यकर्ता से वार्ड नंबर 13 के लिए एक 'फ्रंटलाइन' राजनीतिक उम्मीदवार बन गए। 50 साल के रमेश भील ने 10वीं कक्षा तक पढ़ाई की है। वह पिछले 28 सालों से जिला मुख्यालय में लगातार सक्रिय रहे हैं। यहां उनकी मुख्य जिम्मेदारियों में कार्यालय का प्रबंधन करना और वरिष्ठ नेताओं तथा पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं को चाय-पानी पिलाना शामिल था। भील को चुनाव मैदान में उतारने के फैसले को पार्टी नेतृत्व की ओर से एक रणनीतिक संदेश के तौर पर देखा जा रहा है, जो उसकी कार्यकर्ता-प्रथम

की विचारधारा को उजागर करता है। पार्टी के स्थानीय जानकारों ने बताया कि भील की लंबे समय से चली आ रही वफादारी और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ उनकी गहरी जान-पहचान ने उन्हें इस वार्ड के लिए एक अनोखा विकल्प बना दिया।

अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद भील ने कहा कि मैंने 28 सालों तक पूरी लगन के साथ पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं की सेवा की है। अब पार्टी ने मुझे अपने वार्ड के लोगों की सेवा करने का अवसर दिया है। मैं उसी ईमानदारी के साथ इस नई जिम्मेदारी को निभाने के लिए प्रतिबद्ध हूं। जैसे-जैसे नगरपालिका चुनाव की लड़ाई तेज हो रही है, भील ??की उम्मीदवारी ने लोगों का काफी ध्यान खींचा है। कई लोग उन्हें एक ऐसे व्यक्ति के रूप में देखते हैं जिससे वे खुद को जोड़ पाते हैं और जो आम लोगों के रोजमर्रा के परेशानियों को समझता है।

मिशनरियों के षड्यंत्र तक पहुंची आदिवासी धर्म कोड की बात, जनजाति सुरक्षा मंच ने किया मांग का तीखा विरोध

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में जनगणना से पूर्व आदिवासियों के लिए अलग धर्म कोड की मांग ने राजनीतिक और सामाजिक विमर्श को नया मोड़ दिया है। भाजपा के वरिष्ठ नेता नंद कुमार साय ने सर्व आदिवासी समाज की बैठक में यह मांग उठाई, जिसके बाद विभिन्न जनजातीय संगठनों के बीच मतभेद उभर आए हैं। अखिल भारतीय जनजाति सुरक्षा मंच ने नंद कुमार की मांग को ईसाई मिशनरियों का सुनियोजित षड्यंत्र बताते हुए आरोप लगाया है कि यह आदिवासियों को

उनकी सांस्कृतिक जड़ों से काटने और मतांतरण की दिशा में एक कदम है। इस मुद्दे पर राजनीति भी गरमा गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने सवाल उठाया है कि भाजपा के नेता होने के नाते साय के बयान पर भाजपा सरकार का क्या रुख है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इसे नंद कुमार का व्यक्तिगत विचार बताया। नंद कुमार साय और अरविंद नेताम जैसे नेता इसे आदिवासियों की मौलिक पहचान और परंपराओं के संरक्षण से जोड़ते हैं, जबकि जनजाति सुरक्षा मंच इसे अलगाववाद का संकेत मानता है। जनजाति सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय संयोजक गणेशराम भगत ने इस मांग पर तीखा हमला किया है। उनका कहना है कि राज्य सरकार द्वारा धर्म स्वातं ?र्त्य विधेयक लाने के बाद मिशनरी नेटवर्क आदिवासियों को भ्रमित करने में जुट गया है। विवाद में नया मोड़ अनुसूचित जनजाति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष विकास मरकाम के बयान से आया है। उन्होंने धर्म कोड की मांग करने वालों को उनके पूर्वजों के जाति प्रमाण पत्र सार्वजनिक करने की चुनौती दी है। उनके अनुसार, वर्ष 1958 से पहले आदिवासी लोग अपने प्रमाण पत्रों में हिंदू धर्म ही दर्ज कराते थे। बता दें कि नंद कुमार ने वर्ष 2023 में कुछ महीनों के लिए कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की थी। हालांकि वह फिर से भाजपा में वापस लौट आए थे। इस बैठक में उन्होंने आदिवासियों से पांच बच्चे पैदा करने की भी अपील की है।

बच्ची के पेट में सैकड़ों कीड़े घूमते देख दंग रह गए डॉक्टर, ऑपरेशन कर बचाई जान

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) में एक चार वर्षीय बच्ची के आंतों में रुकावट का सफल ऑपरेशन किया गया। बच्ची के पेट में एस्केरिस लम्ब्रीकोइडीज (राउंडवर्म) का गंभीर संक्रमण हो चुका था। प्रोफेसर व डॉ. मोहित माथुर ने बताया कि सामान्य दिखने वाले कीड़े भी संक्रमण के गंभीर ले सकते हैं और इससे जान पर बन आती है। इसलिए सभी को ऐसे मामलों में बिल्कुल लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। डॉ. मोहित ने बताया कि बच्चों में कीड़ों का संक्रमण बहुत आम है, खासकर जहां साफ-सफाई और स्वच्छता की कमी होती है। गंदे हाथ, दूषित खाना या पानी के जरिए कीड़ों के अंडे शरीर में पहुंच जाते हैं और आंतों में बढ़ने लगते हैं। इससे पेट दर्द, उल्टी, भूख कम लगना, कमजोरी और बच्चों की बढ़त रुक सकती है। गंभीर मामलों में आंतों में रुकावट भी हो सकती है। ऐसी स्थिति एक साधारण संक्रमण को सर्जिकल इमरजेंसी में बदल देती है। उन्होंने बताया कि यह चिंता का विषय इसलिए है क्योंकि यह

बच्चों की वृद्धि और पोषण को प्रभावित करता है। गंभीर जटिलताएं जैसे आंतों में रुकावट पैदा कर सकता है। सही स्वच्छता और देखभाल से इसे पूरी तरह रोका जा सकता है। डॉ. मोहित ने बताया कि कीड़ों का संक्रमण आम है, लेकिन सही जानकारी और स्वच्छता से पूरी तरह बचा जा सकता है। साफ-सफाई की आदतें, सुरक्षित वातावरण और नियमित डीवार्मिंग ये तीन सरल कदम हमें ऐसे खतरनाक हालात से बचा सकते हैं। एस्केरिस लम्ब्रीकोइडीज (राउंडवर्म) एक आम आंतों का कीड़ा है, जो बच्चों में ज्यादा पाया जाता है। यह गंदे हाथ, दूषित पानी या बिना धोए फल-सब्जियां खाने से शरीर में पहुंचता है। ज्यादा कीड़े होने पर ये आंतों में गुच्छा बनाकर ब्लाकेज कर सकते हैं। इससे ऑपरेशन तक की जरूरत पड़ सकती है। खाने से पहले और शौच के बाद हाथ साबुन से धोएं फल और सब्जियों को अच्छी तरह धोकर खाएं कच्चे या अधपके भोजन से बचें। उबला हुआ या फिल्टर किया हुआ साफ व सुरक्षित पानी पिएं बच्चों के नाखून छोटे और साफ रखें डॉक्टर की सलाह पर ही कीड़ों की दवा कराएं।

कई मोर्चों पर असर; चीन-रूस को होगा फायदा

ईरान युद्ध से यूएस को झटकाः वैश्विक ताकत की रेस में अमेरिका कमजोर

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान में जारी युद्ध और उससे उपजे भू-राजनीतिक तनाव ने अमेरिका की वैश्विक स्थिति पर गहरा असर डाला है। विश्लेषकों के मुताबिक इस संघर्ष ने न केवल अमेरिका की रणनीतिक पकड़ कमजोर की है, बल्कि रूस और चीन जैसे प्रतिद्वंद्वी देशों को नए अवसर भी प्रदान किए हैं। इस रिपोर्ट में उन चार प्रमुख पहलुओं को समझाया गया है, जिनके जरिए ईरान में जारी संघर्ष ने 21वीं सदी की वैश्विक महाशक्ति प्रतिस्पर्धा में अमेरिका की स्थिति को कमजोर किया है।

पश्चिम एशिया में घटता अमेरिकी प्रभाव: अमेरिका लंबे समय से पश्चिम एशिया में अपने रणनीतिक हितों को संतुलित करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन बदलते वैश्विक समीकरणों ने उसकी चुनौतियां बढ़ा दी हैं। शीत युद्ध के दौर में अमेरिका का मुख्य उद्देश्य इस क्षेत्र में सोवियत प्रभाव को सीमित करना था, जबकि साथ ही इस्राइल और पाकिस्तान जैसे सहयोगियों के परमाणु विकास पर नजर रखना भी शामिल था। 2020 के दशक में यह फोकस बदलकर चीन और

रूस के बढ़ते प्रभाव को रोकने पर केंद्रित हो गया। वहीं, चीन और रूस ने विभिन्न गठबंधनों और कूटनीतिक कदमों के जरिए पश्चिम एशिया में अपनी पकड़ मजबूत की है। चीन ने 2023 में सऊदी-ईरान समझौते में मध्यस्थता की, जबकि रूस ने ईरान और सीरिया के साथ सहयोग बढ़ाया। बदलते हालात में खाड़ी देश अब सुरक्षा और सहयोग के लिए नए विकल्प तलाश रहे हैं।

रणनीतिक फोकस से भटकाव: अमेरिका का रणनीतिक फोकस हाल के वर्षों में लगातार पश्चिम एशिया से हटकर इंडो-पैसिफिक और पश्चिमी गोलार्ध की ओर बढ़ रहा था, लेकिन ईरान में छिड़े युद्ध ने इस दिशा को उलट दिया। इराक और अफगानिस्तान के लंबे युद्धों के बाद रूस और चीन ने इसी खालीपन का फायदा उठाते हुए क्षेत्र में अपने सैन्य, कूटनीतिक और आर्थिक संबंध मजबूत किए। नवंबर 2025 की अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में भी पश्चिम एशिया को कम प्राथमिकता देने की बात कही गई थी।

● ईरान अमेरिका संघर्ष में अपनी सक्रियता बढ़ाना चाह रहा है

ताइवान सीमा के पास चीनी जहाज और लड़ाकू विमान की हलचल, एमएनडी अलर्ट; बढ़ा तनाव

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को अपने समुद्री और हवाई क्षेत्र के पास चीन की बड़ी सैन्य गतिविधियों का पता लगाया है। मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि आज सुबह छह बजे तक ताइवान के आसपास चीन के 8 पीएलएएन जहाजे, 2 पीएलए एयरक्राफ्ट और 4 सरकारी जहाज मौजूद थे। इन 2 विमानों में से एक विमान ने ताइवान के दक्षिण-पूर्वी हवाई सुरक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया। ताइवान की सेना ने इस पूरी स्थिति पर कड़ी नजर रखी और उचित जवाब दिया। इससे पहले शनिवार को भी चीन ने ताइवान की सीमाओं के पास भारी सैन्य दबाव बनाया था। शनिवार सुबह छह बजे तक चीन के 17 सैन्य विमान, 7 नेवी जहाज और 1 सरकारी जहाज ताइवान के पास

देखे गए थे। खास बात यह है कि इन 17 विमानों में से 15 विमानों ने ताइवान की मध्य रेखा को पार किया और उत्तरी व दक्षिण-पश्चिमी हवाई क्षेत्र में घुसपैठ की। ताइवान पर चीन का दावा एक बहुत ही जटिल और पुराना मुद्दा है। बीजिंग का मानना है कि ताइवान चीन का एक अटूट हिस्सा है और यह उसकी राष्ट्रीय नीति का हिस्सा है। इसके उलट, ताइवान एक स्वतंत्र पहचान रखता है। वहां की अपनी सरकार, अपनी सेना और अपनी अलग अर्थव्यवस्था है।

होर्मुज में खतरा बरकरार, अपनी ही बिछाई समुद्री बारूदी सुरंगें नहीं हटा पा रहा ईरान

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य में बिछाई गई समुद्री बारूदी सुरंगों का न तो सही तरीके से पता लगा पा रहा है और न ही उन्हें तेजी से हटाने में सक्षम है। इस बात का खुलासा न्यूयॉर्क टाइम्स ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से किया है। रिपोर्ट के अनुसार हाल की सैन्य गतिविधियों के दौरान बिछाई गई इन सुरंगों के कारण यह अहम समुद्री मार्ग पूरी तरह से सामान्य संचालन में नहीं लौट पाया है। इससे अंतरराष्ट्रीय जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है और समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस घटनाक्रम का असर पाकिस्तान में इस्लामाबाद में चल रही बातचीत पर भी पड़ सकता है। माना जा रहा है कि यह मुद्दा बातचीत में उठेगा, जहां दोनों पक्षों के प्रतिनिधिमंडल मौजूद हैं। इस वार्ता में अमेरिका की ओर से जेडी वेंस और ईरान की ओर से मोहम्मद बाघेर गालिबाफ प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी और अरब सागर से जोड़ने वाला होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्गों में से एक है। यहां से दुनिया के कुल तेल परिवहन का लगभग पांचवां हिस्सा गुजरता है।

भारत जैसे देशों के लिए यह मार्ग और भी ज्यादा अहम है, क्योंकि उनकी ऊर्जा आयात का बड़ा हिस्सा इसी संकरे समुद्री रास्ते से होकर आता है। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने पिछले महीने छोटी नौकाओं का इस्तेमाल कर इन समुद्री बारूदी सुरंगों को बिछाया था। यह कदम तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका और इस्राइल द्वारा किए गए संयुक्त हवाई हमलों के तुरंत बाद उठाया गया था। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि समुद्र में बारूदी सुरंग बिछाने का व्यवस्थित तरीके से रिकॉर्ड नहीं रखा गया।

कुछ उपकरण ऐसे तरीके से लगाए गए थे कि वे समुद्र में बहते रहे, जिससे उनका पता लगाना और उन्हें हटाना और भी मुश्किल हो गया है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने चेतावनी जारी की है कि इस जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाज समुद्री बारूदी सुरंगों से टकरा सकते हैं।चिंताओं को और बढ़ाते हुए इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने सार्वजनिक परामर्श जारी कर जहाजों को संभावित खतरे के प्रति आगाह किया है। आईआरजीसी ने कहा, होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले सभी जहाज समुद्री सुरक्षा के नियमों का पालन करें और बारूदी सुरंगों से बचने के लिए वैकल्पिक समुद्री मार्गों का इस्तेमाल करें। चीन अगले कुछ हफ्तों में ईरान को नई वायु रक्षा प्रणालियां देने की तैयारी कर रहा है। सीएनएन ने अमेरिकी खुफिया विभाग के हालिया आकलन से वाकिफ तीन लोगों के हवाले से शुक्रवार को यह जानकारी दी। जब इसे लेकर राष्ट्रपति ट्रंप से सवाल किया गया तो उन्होंने चीन को धमकी देते हुए कहा कि अगर चीन ऐसा करने जा रहा है तो उसकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका में लंबे समय से रह रहे ईरानी मूल के कुछ लोगों के ग्रीन कार्ड रद्द कर दिए हैं। ये लोग मौजूदा या पूर्व ईरानी वरिष्ठ अधिकारियों से जुड़े बताए गए हैं। अमेरिकी विदेश विभाग ने शनिवार को बताया कि लॉस एंजिलिस क्षेत्र के मनोविज्ञान शिक्षक सैयद ईसा हाशेमी, उनकी पत्नी और बेटे के खिलाफ कार्रवाई की गई है। तीनों ईरान में जन्मे हैं और अमेरिका में स्थायी निवास का दर्जा रखते थे। विभाग के अनुसार इन लोगों को आव्रजन अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया है और उन्हें देश से निष्कासित किया जाएगा। विदेश विभाग ने बताया कि सैयद ईसा हाशेमी, मासूमेह एब्तेकार के बेटे हैं। ट्रंप ने कहा कि बड़ी संख्या में तेल के बड़े-बड़े खाली टैंकर अमेरिका की तरफ आ रहे हैं। इनमें कुछ तो दुनिया के सबसे विशाल टैंकर माने जाते हैं। यह बताता है कि अमेरिका बड़ा आपूर्तिकर्ता बन रहा है। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में इन टैंकरों के आने का मकसद बताते हुए कहा है कि ये अमेरिका से दुनिया का सबसे बेहतरीन तेल और गैस खरीदने आ रहे हैं, जो कि बेहद अच्छी डील में मिल रहा है। अमेरिका के पास दुनिया की दूसरी और तीसरी सबसे बड़ी तेल अर्थव्यवस्थाओं के संयुक्त भंडार से भी अधिक और उच्च गुणवत्ता वाला तेल मौजूद है।

संक्षिप्त समाचार

राजा बाक्षर का 11 दिवसीय उर्स अभिषेक और आरती के साथ शुरू

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। हिंदू-मुस्लिम एकता का प्रतीक एवं सद्भाव का संगम बाबा राजा बाक्षर का 11 दिवसीय शताब्दी उर्स समारोह सुबह नियाज, अभिषेक, आरती एवं चादरपोशी के साथ प्रारंभ हुआ। दौलतगंज स्थित राजा बाक्षर के गद्दी नशीन तरुण सूर्यवंशी ने बताया कि सुबह 6 बजे नियाज अता की गई। सुबह 7 बजे बाबा का अभिषेक किया गया। 9 बजे आरती, दोपहर 2 बजे फिर से नियाज और फकीरों के लंगर का आयोजन किया गया। रात 8 बजे चादरपोशी की रस्म अदा की गई। उसके बाद रात 9 बजे महा आरती हुई। रात्रि में कव्वाल युसूफनियाजी और सलमान अजमेरी की कव्वाली का आयोजन किया गया।

परशुराम पालकी शोभा यात्रा 20 को, अमृत कलश लेकर चलेंगी महिलाएं

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। सकल ब्राह्मण महासमिति के तत्वाधान में भगवान परशुराम पालकी शोभायात्रा समिति द्वारा भगवान विष्णु के छठवें अवतार भगवान परशुराम का जन्मोत्सव 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक मनाया जाएगा। 20 अप्रैल को पालकी शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें महिलाएं अमृत कलश लेकर चलेंगी। अम्बिका प्रसाद पचौरी के आचार्यत्व में परशुराम कलश एवं आमंत्रण पत्र पूजन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर बालेन्दु शुक्ला, डॉ. जयवीर भारद्वाज, अशोक शर्मा, महेश मुदगल, गिरिराज गुरु आदि मौजूद थे। मुख्य अतिथि बालेंदु शुक्ला ने कहा कि ब्राह्मणों को 20 अप्रैल को अक्षय तृतीया पर भगवान परशुराम के जन्म का उत्सव पर ब्राह्मण सामूहिक विवाह एवं दहेज प्रथा का विरोध करने संदेश दिया जाना चाहिए।

डॉ.भीमराव अंबेडकर जयंती पर जेल से रिहा होंगे नौ बंदी आज

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। अच्छे चाल-चलन पर जेल प्रबंधन डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती पर नौ बंदियों को रिहा करेगा। अभी तक जेल से पंद्रह अगस्त व 26 जनवरी को रिहा किया जाता था, लेकिन पिछले दो साल से बंदियों को पंद्रह अगस्त, 26 जनवरी के साथ दो अक्टूबर को गांधी जयंती और 14 अप्रैल को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती पर भी रिहा किया जा रहा है।

कॉम्बिंग गश्त में 245 बदमाशों को हवालात पहुंचाकर 285 किए चेक

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता।

लंबे समय से पुलिस को चकमा दे रहे बदमाशों के खिलाफ कॉम्बिंग गश्त किया। ऐसे में उन बदमाशों के ऐसी में पसीने छूट गए, जिनके सिरहाने पर पुलिस आ खड़ी थी। पुलिस ने कॉम्बिंग गश्त में 245 फरार बदमाशों को हवालात पहुंचाया और 285 उन बदमाशों को चेक किया जो पूर्व में बदमाशी करते थे। इसके साथ ही पुलिस ने सडक़ पर आवारागर्दी करने वालों की क्लास लगाई है।

एसएसपी धर्मवीर डुक्षसह ने बताया कि जिले के अमन चैन के लिए लगातार बदमाशों की धरपकड़ के लिए कॉम्बिंग गश्त की जाती है। जिसमें उन बदमाशों के खिलाफ अभियान चलाया जाता है, जो लगातार पुलिस को चकमा देते हैं। इनके साथ ही उन बदमाशों को चेक किया जाता है जो पूर्व में बदमाशी में शामिल रहे हैं। ताकि पता चल सके कि वह फिर से वारदातों में शामिल तो नहीं हो रहे हैं। बीती रात चले अभियान में पुलिस ने 245 फरार बदमाशों को पकड़ा है, साथ ही 285 गुण्डा, हिस्ट्रीशीटरों को चेक किया है।

पुलिस ने कॉम्बिंग गस्त में जिले से कुल 245 बदमाशों को

पकड़ा है, जिसमें 134 स्थाई तथा 111 गिरफ्तारी वारंटी पकड़े। साथ ही 147 गुण्डा एवं 138 हिस्ट्रीशीटरों को चेक किया। कॉम्बिंग गश्त के दौरान अवैध शराब के थाना पुरानी छावनी में 2 तथा थाना ग्वालियर और गिजौर्रा में 1 मामला दर्ज किया गया है। वहीं जुआ, सट्टा सहित 13 अन्य आरोपी भी दबोचे हैं। देर रात जैसे ही एसएसपी धर्मवीर डुक्षसह के कॉम्बिंग गश्त की कार्रवाई का जायजा लेने के लिए फील्ड में आए तो गश्त में निकले अफसरों और जवानों का एक्शन शुरू हो गया। वहीं एएसपी अनु बेनीवाल, विदिता डागर, सुमन गुर्जर और जयराज कुबेर ने गश्त की मॉनिटरिंग की।

रात दस बजे से पुलिस कप्तान के निर्देश पर सभी थाना प्रभारी अपने बल के साथ इलाके में निकले और पैदल गश्त किया। इस दौरान जो भी संदेही दिखा, उसे रोका गया और उससे पूछताछ की। इस दौरान उनके द्वारा फरारी बदमाशों, वारंटियों, गुण्डों, हिस्ट्रीशीटरों एवं जिला बदर के आरोपियों की उनके घरों पर चेकिंग के साथ ही बैंक एटीएम एवं होटल, लॉज, धर्मशाला, ढाबों को भी चेक किया।

कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस द्वारा कई सक्रिय बदमाशों के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई साथ ही गुण्डों एवं हिस्ट्रीशीटरों के रिकॉर्ड को अपडेट किया। चैकिंग के दौरान प्रत्येक गुण्डा, बदमाश को चेतावनी दी गई कि यदि वह किसी भी आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाया जाता है तो उनके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी। कॉम्बिंग गश्त के दौरान जेल से रिहा होकर आये आरोपियों को भी चेक किया गया।

पीड़िता बुटिक चलाती है, फेसबुक पर दोस्ती हुई

इंस्पेक्टर ने शादी का झांसा देकर महिला से किया दुष्कर्म मामला दर्ज

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता।

एक पुलिस इंस्पेक्टर के खिलाफ महिला ने झांसी रोड थाना में दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया है। आरोपी इंस्पेक्टर रूपेश शर्मा पुलिस ट्रेनिंग स्कूल (पीटीएस) तिघरा में पदस्थ हैं। शिकायत 38 वर्षीय महिला 9 महीने की गर्भवती है। मामला हरिशंकरपुरम का है। पीड़िता शहर की हरिशंकरपुरम कॉलोनी में ही बुटीक चलाती है। उसके पति का कुछ साल पहले निधन हो चुका है और उसका एक बच्चा है। पीड़िता महिला ने पुलिस को बताया कि इंस्पेक्टर ने फेसबुक पर दोस्ती की, तब खुद को अविवाहित बताया। शादी करने का झांसा देकर संबंध बनाए, जबकि वह पहले से शादीशुदा और दो बच्चों के पिता हैं। जनवरी 2024 में सोशल मीडिया के जरिए महिला की पहचान इंस्पेक्टर रूपेश शर्मा से हुई। बातचीत बढऩे पर दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं। आरोप है कि इंस्पेक्टर ने अपनी शादी की बात छिपाकर महिला को भरोसे में लिया। महिला के अनुसार, 2024 में ही रूपेश शर्मा पहली बार बुटीक पर पहुंचे और वहीं उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर उन्होंने शादी का भरोसा देकर उसे शांत किया। बाद में महिला ने शादी के लिए दबाव बनाया तो इंस्पेक्टर टालमटोल करने लगे। संदेह होने पर पीड़िता ने जानकारी जुटाई, जिसमें पता चला कि आरोपी का पहले से एक बेटा भी है।

सच्चाई सामने आने पर महिला ने विरोध किया तो आरोपी ने उसे धमकाया। इसके बाद पीड़िता ने झांसी रोड थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दी। थाना प्रभारी ने जांच कर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया। जांच के बाद आरोपी इंस्पेक्टर के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज किया गया। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक टीआई रूपेश शर्मा पुलिस परीक्षा में सब इंस्पेक्टर के पद पर चयनित हुए थे और हाल ही में प्रमोशन पाकर इंस्पेक्टर बने हैं। वर्तमान में वह पुलिस ट्रेनिंग स्कूल तिघरा में पदस्थ हैं।

एलपीजी की 95 फीसदी बुकिंग ऑनलाइन होने व आपूर्ति पर्याप्त है

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। एलपीजी की 95 फीसदी बुकिंग ऑनलाइन होने के साथ, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बिना किसी रुकावट के आपूर्ति का भरोसा दिलाया और ज़िम्मेदारी से इस्तेमाल की अपील की।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने नागरिकों को भरोसा दिलाया है कि पूरे देश में एलपीजी की आपूर्ति स्थिर और पर्याप्त है। मंत्रालय ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे घबराहट में ज़्यादा खरीदारी न करें और ज़िम्मेदारी के साथ एलपीजी का इस्तेमाल करते रहें।

मौजूदा डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क की मज़बूती का ज़िक्र करते हुए, मंत्रालय ने बताया कि एलपीजी की उपलब्धता पर निगरानी रखी जा रही है और इसका प्रबन्धन किया जा रहा है, ताकि देशभर के परिवारों तक बिना किसी रुकावट के एलपीजी पहुँचती रहे।

मंत्रालय ने एलपीजी बुकिंग के लिए डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के बढ़ते इस्तेमाल पर भी ज़ोर दिया। अब लगभग 95 फीसदी उपभोक्ता आईवी आरएस, एसएमएस, व्हॉट्सऐप और मोबाइल ऐप के ज़रिए बुकिंग करते हैं।

उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे इन आसान और प्रभावी डिजिटल तरीकों का इस्तेमाल करते रहें, ताकि डिस्ट्रीब्यूटर शिप पर भीड़ न लगे और उन्हें बिना किसी रुकावट के सेवा मिलती रहे।

गुरुकुल ड्रीम फाउंडेशन द्वारा वॉइस ऑफ इम्पैक्ट स्पीच कॉम्पटीशन का आयोजित

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता।

गुरुकुल ड्रीम फाउंडेशन द्वारा वॉइस ऑफ इम्पैक्ट-स्पीच कॉम्पटीशन का आयोजन ग्रैब स्पेस कोवर्किंग में किया गया। इस कार्यक्रम में युवाओं ने जोश, आत्मविश्वास और प्रभावशाली अभिव्यक्ति के साथ विभिन्न समसामयिक विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम संयोजक संभव झा एवं सौरभ मिश्रा ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में वक्तृत्व कौशल, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देना था। प्रतिभागियों ने राजनीति में युवाओं की भूमिका, मानसिक स्वास्थ्य, कौशल बनाम डिग्री, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोजगार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने सारगर्भित विचार रखे, जिन्हें उपस्थित निर्णायक मंडल ने खूब सराहा। कार्यक्रम के निर्णायक मंडल में उर्वशी जैन, सीए राहुल गुप्ता, सीएस अंकुर गर्ग, सीए राहुल मित्तल एवं कुमकुम सिंह उपस्थित रहीं। सभी निर्णायकों ने प्रतिभागियों के प्रदर्शन का निष्पक्ष मूल्यांकन करते हुए उन्हें प्रभावी संचार, तार्किक प्रस्तुति और मंच संचालन के महत्वपूर्ण गुर सिखाए। प्रतियोगिता में प्रथम प्रीति शाह, द्वितीय मुस्कान चौहान, तृतीय जतिन सोनी रहे कार्यक्रम उपरांत सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किये गये।

इस अवसर संस्था के संस्थापक आकाश बरूआ, जयेश श्रीवास्तव, आकाश त्रिपाठी, हर्षिता यादव, हेमंत टुंडेलकर, पियूष नरवरिया, लावण्या शर्मा आदि मौजूद रहे।

फिनलैंड के एम्बेसडर ने सिंधिया कन्या विद्यालय का दौरा किया

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता।

सिंधिया कन्या विद्यालय को फिनलैंड के एम्बेसडर किम्मो लाहेदेविर्ता के स्वागत का गौरव प्राप्त हुआ।

उनके साथ उनकी पत्नी सुश्री पिया काइकोनेन तथा सुश्री लिरिस माटा भी उपस्थित थीं। राजदूत किम्मो लाहेदेविर्ता जून 2023 से भारत में फिनलैंड के दूतावास का नेतृत्व कर रहे हैं।

फिनलैंड के एम्बेसडर किम्मो लाहेदेविर्ता के विद्यालय पहुंचने पर प्रधानाचार्या श्रीमती निशि मिश्रा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस मौके पर सुश्री भारती सूद भी मौजूद रहीं।

कार्यक्रम की शुरुआत औपचारिक स्वागत

समारोह से हुई, जिसके पश्चात विद्यालय की छात्राओं ने एम्बेसडर किम्मो लाहेदेविर्ता को विद्यालय परिसर का विस्तृत भ्रमण कराया। इस दौरान उन्हें विद्यालय के शैक्षणिक ढांचे, सेवा पहल 'संकल्प' तथा रोबोटिक्स लैब संकल्पना से अवगत कराया गया।

एम्बेसडर को विद्यालय की सामाजिक पहल 'संकल्प' के बारे में भी बताया गया। इस पहल के तहत महिलाओं के स्वास्थ्य और सामुदायिक सेवा को ध्यान में रखते हुए निःशुल्क सैनिटरी नैपकिन वितरित किए जाते हैं।

पूरे भ्रमण के दौरान उन्होंने विद्यालय में दी जा रही समग्र शिक्षा में विशेष रुचि दिखाई और छात्राओं से सार्थक बातचीत की। उनके ध्यानपूर्वक निरीक्षण और प्रेरणादायक विचारों की सभी ने सराहना की।

गांजा लेकर आया तस्कर पकड़ा, 108 ग्राम गांजा मिला

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। गांजा लेकर आए एक तस्कर को पुरानी छावनी थाना पुलिस ने मरघट की पुलिया के पास एबी रोड से पकड़ा है। पकड़े गए तस्कर से पुलिस को 108 ग्राम गांजा मिला है। पुलिस ने उससे बाइक और गांजा जब्त कर हिरासत में ले लिया है। अब पुलिस पकड़े गए बदमाश से पूछताछ करने में जुट गई है। पुरानी छावनी थाना प्रभारी संतोष यादव ने बताया कि सूचना मिली थी कि एक तस्कर गांजा लेकर आने वाला है। इसका पता चलते ही एक पुलिस टीम को तस्कर को पकडऩे के लिए रवाना किया। पुलिस टीम ने मरघट पुलिया के पास चेकिंग लगाकर वाहनों की जांचकरना शुरू कर दिया। इसी बीच बाइक क्रमांक एमपी 07 एमसी 9525 के चालक को रोककर तलाशी ली तो उसके पास से गांजा बरामद हुआ।

मनीषा सुयल बनीं ब्यूटी पार्लर एसोसिएशन की रतलाम अध्यक्ष

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। रतलाम शहर में ब्यूटी एवं मेकअप इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना चुकीं श्रीमती मनीषा सुयल को राइजिंग स्टार स्टेट ब्यूटी पार्लर एसोसिएशन का रतलाम अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह निर्णय संस्था की बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया। डायरेक्टर नीरज जैन ने बताया कि मनीषा सुयल के उत्कृष्ट कार्यों और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है। डायरेक्टर नीरज जैन और राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्मला त्रिपाठी ने बताया की हमारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजया इंदौर मे संस्कार ब्यूटी पार्लर और अकेडमी की ऑनर के आर्थक प्रयास और मेहनत से और उनकी प्रेरणा से ये संवभ हुआ है। श्रीमती मनीषा सुयल, नैना मेकओवर एंड एसएनएम इंटरनेशनल मेकअप एकेडमी की संचालिका हैं। उन्होंने संघर्ष और मेहनत के बल पर आज ब्यूटी इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाई है। मनीषा सुयल ने बताया कि उनका उद्देश्य केवल खुद आगे बढऩा नहीं, बल्कि महिलाओं और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। इसी सोच के साथ उन्होंने वर्ष 2011 में रतलाम में अपनी एकेडमी की शुरुआत की थी। उनकी एकेडमी की खास बात यह है कि यहां जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को निःशुल्क प्रशिक्षण भी दिया जाता है, ताकि हर प्रतिभाशाली युवा को आगे बढऩे का मौका मिल सके।

मासिक इंगित काव्य गोष्ठी सम्पन्न

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। मध्यभारतीय हिन्दी साहित्य सभा ग्वालियर की मासिक 'इंगित काव्य' गोष्ठी का आयोजन नई सडक़ स्थित माधव महाविद्यालय के कक्ष क्रमांक 31 में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता फॉरेस्ट कवि प्रकाश मिश्रा ने की। मुख्य अतिथि साहित्यकार डॉ सुधीर चतुर्वेदी रहे। विशिष्ट अतिथि कवि अमर सिंह यादव एवं सभापति कवियत्री कुंदा जोगलेकर मंचासीन रहीं। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन राम चरण रुचिर ने किया। काव्य गोष्ठी में राष्ट्रीय भाव बोध, गुरु तेग बहादुर जयंती, डॉ.अंबेडकर जयंती, संत सूरदास जयंती, विश्व पृथ्वी दिवस, वैशाखी पर्व एवं सामयिक विषयों पर आधारित मौलिक काव्य रचनाओं की प्रस्तुति हुई। प्रारंभ में अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित किया गया।

घटना

रहवासियों ने बोरिंग पंप चालू कर बुझाई आग

मकान में लगी आग, ट्रैक्टर-स्कॉर्पियो व बाइक-स्कूटी जले

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता।

मुरार में विगत दे रात करीब 2:30 बजे एक मकान में भीषण आग लग गई। घटना प्रेमशंकर नारायण के बाड़े में संकल्प हॉस्पिटल के पास की है। आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास के घरों तक लपटें पहुंच गईं। करीब एक घंटे की मशक्क त के बाद आग पर काबू पाया गया।

मकान मालिक बल्ली कांदिल के अनुसार, घर के सामने वाले हिस्से में निर्माण का काम चल रहा था। वहीं, पीछे परिवार निवास करता है। विगत देर रात में पड़ोसियों ने आग लगने की सूचना दी, जिसके बाद वे मौके पर पहुंचे।

आग की लपटें तेज होने के कारण पड़ोसी के घरों की दीवारें भी झुलस गईं। धुएं और आग से घबराकर आसपास के लोग अपने बच्चों के साथ घर छोडक़र सडक़ पर आ गए।

आग में एक ट्रैक्टर, एक स्कॉर्पियो कार, तीन बाइक और एक स्कूटी जल गई। घटना में लाखों रुपए के नुकसान की बात सामने आई है। मकान मालिक और स्थानीय लोगों ने बोरिंग पंप चालू कर पाइप से पानी डालना शुरू किया। आसपास के घरों से भी पानी डालकर आग बुझाने में मदद की गई। मकान मालिक ने बताया कि सूचना देने के बावजूद फायर ब्रिगेड समय पर नहीं पहुंची। आरोप है कि सुबह तक दमकल अमला मौके पर नहीं पहुंचा।

मकान मालिक के अनुसार, जिस स्थान पर आग लगी वहां बिजली कनेक्शन नहीं था। ऐसे में शॉर्ट सर्किट की संभावना नहीं है। वाहनों में स्पार्किंग और पेट्रोल-डीजल के कारण आग भडक़ने की आशंका जताई गई है।

ज्योति दुबे बनी सर्व ब्राह्मण महासभा की जिलाध्यक्ष

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता।

सर्व ब्राह्मण महासभा की महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष डॉ वंदना भूपेन्द्र प्रेमी ने बताया कि परशुराम जयंती के अवसर पर आगामी कार्यक्रम को लेकर एक बैठक आयोजित की गई थी जिसमें प्रदेश अध्यक्ष डॉ सीबी शर्मा, सम्भागीय अध्यक्ष राजेश मिश्रा की सहमति से महिला विंग की संभागीय अध्यक्ष श्रीमती सुनीता शर्मा ने ग्वालियर महिला विंग की जिला अध्यक्ष श्रीमती ज्योति दुबे को नियुक्त किया। इस अवसर पर मधु शर्मा, पारुल मिश्रा, दयावती शर्मा, डॉ सोनम शर्मा, अनामिका शर्मा, रचना मिश्रा ने बधाई दी। साथ ही ज्योति दुबे को माला पहनाकर हेलो ग्वालियर की एडमिन मनीष आनंद, शैलेंद्र दुबे, डॉ अमर पाठक ने बधाई दी।

सैमसन का तूफानी शतक, बनाया बड़ा रिकॉर्ड

14 साल का सूखा खत्म

रन	गेंद	स्ट्राइक रेट
115*	56	205.35
चौके	छक्के	
15	4	

चेन्नई, एजेंसी। आईपीएल 2026 के 18वें मुकाबले में शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का सामना दिल्ली कैपिटल्स से एमए चिदंबरम स्टेडियम में हुआ। इस मैच में सबसे बड़ा आकर्षण रहे संजू सैमसन, जिन्होंने शानदार शतकीय पारी खेलते हुए 14 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

सैमसन ने जड़ा आईपीएल का चौथा शतक

संजू सैमसन ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए मात्र 56 गेंदों में 115 रन बनाए। उनकी इस पारी में 15 चौके और चार छक्के शामिल रहे। उन्होंने 205 के धमाकेदार स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए मैदान के चारों ओर शॉट लगाए और दिल्ली के गेंदबाजों को पूरी तरह बेअसर कर दिया। यह उनके आईपीएल करियर का चौथा शतक रहा, जबकि चेन्नई सुपर किंग्स की जर्सी में यह उनका पहला शतक है।

सीएसके का दूसरा सैकड़ा

इस शतक के साथ सैमसन ने एक खास उपलब्धि भी अपने नाम कर ली। वह दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सीएसके की ओर से शतक लगाने वाले सिर्फ दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले यह कारनामा मुरली विजय ने साल 2012 में किया था। यानी पूरे 14 साल बाद सीएसके के किसी बल्लेबाज ने डीसी के खिलाफ शतक लगाया है। इसके अलावा सैमसन ने एक और बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। वह केएल राहुल के बाद आईपीएल इतिहास के दूसरे ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजी के लिए खेलते हुए शतक जड़ा है। सैमसन इससे पहले राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स (तब दिल्ली डेयरडेविल्स) के लिए भी शतक लगा चुके हैं।

दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी

मैच के दौरान सैमसन ने दूसरे विकेट के लिए आयुष म्हात्रे के साथ मिलकर 113 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की। यह सीएसके और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेले गए मुकाबलों में किसी भी विकेट के लिए दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। इस साझेदारी ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

अंपायर से बहस करना नीतीश को पड़ा भारी

ऋतुराज पर भी लगा जुर्माना

आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेले गए मुकाबले के बाद दो बड़े नामों पर कार्रवाई हुई है। दिल्ली कैपिटल्स के नीतीश राणा और सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़, दोनों को अलग-अलग मामलों में जुर्माना झेलना पड़ा। मैच के दौरान सबसे बड़ा विवाद दिल्ली की पारी के 19वें ओवर में देखने को मिला, जब बल्लेबाज ट्रिस्टन स्टब्स ने पसीने के कारण अपने ग्लव्स बदलने की अनुमति मांगी। चेन्नई की उमस भरी गर्मी में यह एक सामान्य मांग थी, लेकिन चौथे अंपायर ने इसे ठुकरा दिया। इसके बाद माहौल गर्म हो गया और स्टब्स के आउट होते ही नीतीश राणा अंपायर से भिड़ गए। इस व्यवहार को आईपीएल ने आचार संहिता का उल्लंघन माना। आईपीएल के बयान के मुताबिक, 'नीतीश राणा पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उन्हें एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया है।' दूसरी ओर, चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ भी कार्रवाई से नहीं बच सके। उनकी टीम निर्धारित समय में ओवर पूरे नहीं कर पाई, जिसके चलते उन्हें 12 लाख रुपये का जुर्माना भरना पड़ा। आईपीएल के मुताबिक, 'यह सीजन में टीम की पहली गलती थी, इसलिए गायकवाड़ पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।' स्लो ओवर रेट आईपीएल में एक गंभीर मुद्दा माना जाता है और बार-बार गलती होने पर सजा और भी कड़ी हो सकती है।

दिल्ली के खिलाफ चेन्नई ने 212 रन बनाए

अगर टीम के कुल स्कोर की बात करें तो पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स ने 20 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 212 रन बनाए। यह स्कोर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल में सीएसके का तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है।सैमसन के अलावा आयुष म्हात्रे ने भी शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। उन्होंने 36 गेंदों में 59 रन बनाए, हालांकि वह रिटायर्ड आउट हो गए। वहीं, पारी के अंत में शिवम दुबे ने तेजतर्रार अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 10 गेंदों में 20 रन बनाकर टीम को 200 के पार पहुंचाया।दिल्ली कैपिटल्स की गेंदबाजी इस मैच में काफी फीकी नजर आई। टीम की ओर से एकमात्र विकेट अक्षर पटेल ने लिया, जबकि बाकी गेंदबाज सैमसन और अन्य बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में पूरी तरह नाकाम रहे। इस तरह सैमसन की यादगार पारी की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स ने एक मजबूत स्कोर खड़ा किया और मुकाबले में अपनी पकड़ मजबूत कर ली।

सुजीत और अभिमन्यु ने जीते गोल्ड, एशियन कुश्ती में भारत के नाम 14 पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। सीनियर एशियन कुश्ती चैंपियनशिप 2026 में शनिवार को वर्ल्ड अंडर-23 चैंपियन सुजीत और अभिमन्यु ने अपने-अपने पुरुषों के फ्रीस्टाइल फाइनल मुकाबलों में भारत को दो गोल्ड मेडल दिलाने में मदद की। किर्गिस्तान के बिश्केक में जारी चैंपियनशिप में सुजीत ने पुरुषों के 65 किलोग्राम फ्रीस्टाइल फाइनल में उज्बेकिस्तान के उमिदजोन जलोलोव के खिलाफ 8-1 से जीत दर्ज की। इसके साथ ही वह बजरंग पूनिया (साल 2019) के बाद इस भार वर्ग में एशियन चैंपियनशिप का गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय बन गए।

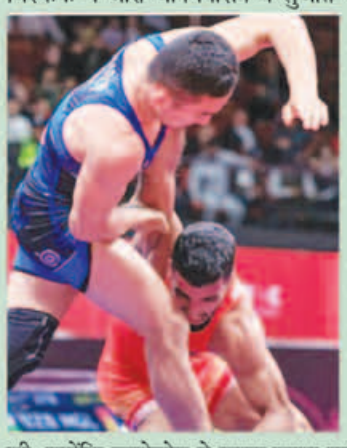

सुजीत ने शुरुआती राउंड में धीमी शुरुआत की, क्योंकि जलोलोव ने पकड़ बनाए रखी और भारतीय पहलवान को हमला करने का मौका नहीं दिया, लेकिन 23 वर्षीय भारतीय पहलवान ने दूसरे राउंड की शुरुआत में ही तेजी दिखाई और उज्बेक पहलवान के खिलाफ अपनी पांचवीं जीत दर्ज की। कुछ ही मिनटों बाद, अभिमन्यु ने भारतीय खेमे के लिए खुशी दोगुनी कर दी। अभिमन्यु ने पुरुषों के 70 किलोग्राम फ्रीस्टाइल फाइनल में 0-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए मंगोलिया के तुलगा तुमुर ओचिर को 5-3 से हराया।

सीआईएसएफ सेंट्रल रेसलिंग टीम के 24 वर्षीय पहलवान हेड कांस्टेबल अभिमन्यु ने किर्गिस्तान के बिश्केक में आयोजित एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में 70 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर फोर्स और देश का नाम रोशन किया। संदीप मान के पास भारत के लिए गोल्ड मेडल्स की हैट्रिक पूरी करने का मौका था, लेकिन पुरुषों के 79 किलोग्राम वर्ग के एक कड़े मुकाबले वाले फाइनल में उन्हें 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले, अंकुश ने जापान के फुगा सासाकी को 8-2 से हराकर पुरुषों के 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में ब्रॉन्ज जीता। इसके साथ ही भारत के कुल मेडलों की संख्या बढ़कर दो गोल्ड, चार सिल्वर और आठ ब्रॉन्ज मेडल हो गई। मुकाबले के आखिरी दिन भारत के पास दो और गोल्ड मेडल जीतने का मौका होगा, क्योंकि पेरिस ओलंपिक्स के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट अमन (पुरुषों की 61 किलोग्राम फ्रीस्टाइल) और मुकुल दहिया (पुरुषों की 86 किलोग्राम फ्रीस्टाइल) ने फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।

गुरजपनीत पहली गेंद पर विकेट लेकर हासिल की विशेष उपलब्धि

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने करियर की पहली गेंद पर विकेट हासिल करने वाले 17वें खिलाड़ी बन गए हैं। छह फुट तीन इंच लंबे इस गेंदबाज ने शनिवार को आईपीएल 2026 के 18वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के कप्तान अक्षर पटेल को अपना शिकार बनाया। इस लिस्ट में अन्य 16 खिलाड़ियों में से काफी गेंदबाजों के नाम आप भूल भी चुके होंगे। वहीं, कुछ नाम चौंकाने वाले भी हैं।27 वर्षीय गुरजपनीत सिंह को चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने दिल्ली कैपिटल्स की पारी के सातवें ओवर में गेंद थमाई। उन्होंने अपने आईपीएल करियर की पहली ही गेंद पर अक्षर पटेल को सरफराज खान के हाथों कैच आउट कराया। सरफराज खान ने बैकवर्ड प्वाइंट पर हवा में उछलकर शानदार कैच लपका, जिसके बाद गेंद को हाथ में लेकर लंबी दौड़ लगा दी। उस समय सीएसके के खेमे में शानदार जश्न का माहौल देखने को मिला। इसी के साथ गुरजपनीत सिंह आईपीएल करियर की पहली गेंद पर विकेट हासिल करने वाले 17वें खिलाड़ी बने।

पथिराना, ईशांत और अश्विनी भी शामिल

गुरजपनीत सिंह से पहले आईपीएल करियर की पहली गेंद पर सफलता प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों में ईशांत शर्मा (2008, कोलकाता नाइट राइडर्स), विल्किन मोटा (2008, किंग्स 11 पंजाब), एस विद्युत (2008, चेन्नई सुपर किंग्स), रवि तेजा (2008, डेक्कन चार्जर्स), शेन हारवुड (2009, राजस्थान रॉयल्स), अमित सिंह (2009, राजस्थान रॉयल्स), चार्ल लैंगवेल्ट (2009, कोलकाता नाइट राइडर्स), केविन पीटरसन (2009, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु), अली मुर्तजा (2010, मुंबई इंडियंस), टीपी सुधींद्र (2012, डेक्कन चार्जर्स), एडम गिलक्रिस्ट (2013, किंग्स 11 पंजाब), हनुमा विहारी (2013, सनराइजर्स हैदराबाद), अल्जारी जोसेफ (2019, मुंबई इंडियंस), डेवाल्ड ब्रेविस (2022, मुंबई इंडियंस), मथीशा पथिराना (2022, चेन्नई सुपर किंग्स) और अश्विनी कुमार (2025, मुंबई इंडियंस) शामिल हैं। इस लिस्ट में गिलक्रिस्ट, ब्रेविस और पीटरसन के नाम चौंकाने वाले हैं, क्योंकि ये रेगुलर गेंदबाज नहीं हैं।

श्रेयस का दिख रहा दमः रन रेज में रिकॉर्ड बेहतर

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर का बल्ला इन दिनों जमकर बरस रहा है। श्रेयस ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल 2026 के मुकाबले में अपना दम दिखाया और 220 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली। श्रेयस की दमदार बल्लेबाजी से पंजाब किंग्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को छह विकेट से हराकर आईपीएल 2026 में अपना विजयी अभियान जारी रखा है। सनराइजर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 219 रन बनाए। जवाब में पंजाब ने 18.5 ओवर में चार विकेट पर 223 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। पंजाब किंग्स के लिए प्रियांश आर्या, प्रभसिमरन सिंह और श्रेयस अय्यर ने अर्धशतक लगाए। पंजाब ने इस तरह आईपीएल में अपने इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा रन चेज किया है। इससे पहले टीम ने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ 262 रनों का लक्ष्य हासिल किया था। पंजाब ने आईपीएल में 10वीं बार 200+ रनों का लक्ष्य चेज किया है जो किसी भी टीम की तुलना में सर्वाधिक है।

चेज करते हुए बेहतर है श्रेयस का रिकॉर्ड

तीन विकेट गिरने के बाद कप्तान श्रेयस ने इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे नेहाल वढेरा के साथ पारी को संभाला। वढेरा और श्रेयस के बीच चौथे विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी हुई जिसे हर्ष दुबे ने तोड़ा। वढेरा 14 गेंदों पर एक छक्के की मदद से 14 रन बनाकर आउट हुए। लेकिन श्रेयस डटे रहे और उन्होंने गियर बदलते हुए आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करना शुरू किया। श्रेयस ने 33 गेंदों पर पांच चौकों और पांच छक्कों की मदद से नाबाद 69 रन बनाए। आईपीएल में सफल रन चेज के मामले में 2024 से श्रेयस का बल्ला जमकर बोला है। उन्होंने 13 पारियों में 138.75 के औसत और 171.82 के स्ट्राइक रेट से 555 रन बनाए हैं जिसमें छह अर्धशतक शामिल हैं। मुल्लांपुर में आईपीएल में इस मैच से पहले श्रेयस ने छह पारियों में 118.42 के स्ट्राइक रेट से 45 रन बनाए थे। लेकिन सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में उन्होंने 209.09 के स्ट्राइक रेट से 33 गेंदों पर 69 रन बनाए।

बायर्न म्यूनिख ने 54 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

बर्लिन,एजेंसी। बायर्न म्यूनिख ने जर्मन फुटबॉल लीग बुंडेसलिगा में एक सत्र में सर्वाधिक गोल करने का अपना ही 54 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। लियोन गोरेत्जका का गोल बायर्न का लीग में इस सत्र का का 102वां गोल था जिससे उसने नया रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले का रिकॉड (101 गोल) भी बायर्न के नाम पर ही दर्ज था जो उसने 1971-72 में बनाया था।

बायर्न ने इस मैच में सेंट पाउली को उसके घरेलू मैदान पर 5-0 से करारी शिकस्त दी। इस जीत से बायर्न ने रियाल मैड्रिड के खिलाफ होने वाले चैंपियंस लीग मैच के लिए अपनी तैयारी का पुख्ता सबूत भी पेश किया और बोरुसिया डॉर्टमुंड पर 12 अंकों की बढ़त बनाकर बुंडेसलिगा में खिताब जीतने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। प्रतियोगिता में अभी पांच दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं।

जमाल मुसियाला ने नौवें मिनट में हेडर से गोल करके फ्रैंज बेकेनबॉयर और गेर्ड मुलर की मौजूदगी वाली बायर्न की 1971-72 की टीम के 101 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी की। गोरेत्जका ने 53वें मिनट में वॉली से गोल करके रिकॉर्ड तोड़ दिया।इसके ठीक एक मिनट बाद माइकल ओलिस ने गोल संख्या को 103 तक पहुंचाया। निकोलस जैक्सन ने बायर्न के लिए चौथा गोल दागा और राफेल गुएरेइरो ने इस सत्र में उसकी गोल संख्या 105 कर दी। बायर्न 29 मैच में 76 अंक लेकर शीर्ष पर काबिज है।

सविता की वापसी से भारत को मिली मजबूती

ब्यूनस आयर्स। स्टार गोलकीपर और पूर्व कप्तान सविता पूनिया अर्जेंटीना के खिलाफ सोमवार से यहां शुरू होने वाली चार मैचों की श्रृंखला से 10 महीने बाद राष्ट्रीय महिला हॉकी टीम में वापसी करेंगी, लेकिन कप्तान सलीमा टेटे अस्वस्थ होने के कारण नहीं खेल पाएंगी। सविता निजी कारणों से खेल से विश्राम लेने के कारण जून 2025 के बाद से किसी प्रतियोगिता में नहीं खेली है जबकि मिडफील्डर सलीमा अभी 'चिकन पॉक्स' से उबर रही हैं।

यह दौरा भारत के लिए एफआईएच नेशंस कप, बेल्जियम और नीदरलैंड में इस साल होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप और एशियाई खेलों को देखते हुए बेहद महत्वपूर्ण है। भारतीय महिला टीम गुरुवार शाम को अर्जेंटीना के लिए रवाना हुई। इससे पहले उसने बेंगलुरु में अभ्यास शिविर में भाग लिया था। हैदराबाद में विश्व कप क्वालीफायर 2026 में उपविजेता रहने वाली भारतीय टीम अपनी लय को बरकरार रखने की कोशिश करेगी।

सलीमा की अनुपस्थिति में अनुभवी फॉरवर्ड नवनीत कौर इस दौरे में टीम की कप्तानी संभालेंगी। नवनीत ने हाल ही में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर प्लेयर ऑफ द ईयर पुरस्कार हासिल किया था। अनुभवी भारतीय गोलकीपर सविता पूनिया की वापसी से टीम को काफी मजबूती मिलेगी। बिचु देवी खारिबाम उनके साथ गोलकीपिंग की जिम्मेदारी निभाएंगी। हाल ही में अपना 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने

सैमसंग के और गैलेक्सी डिवाइसेस पर मिलेगा वन यूआई 8.5 बीटा प्रोग्राम : गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग अपने वन यूआई 8.5 बीटा प्रोग्राम का विस्तार और अधिक गैलेक्सी डिवाइसों तक कर रहा है। मार्च में वन यूआई 8.5 बीटा के विस्तार के बाद, अब यह प्रोग्राम गैलेक्सी एस23 सीरीज़, गैलेक्सी जेड फोल्ड5, गैलेक्सी जेड फ्लिप5, गैलेक्सी एस23 स्त्रश्च और पहली बार ए-सीरीज़ के गैलेक्सी ए36 5जी सहित अन्य डिवाइसेस के लिए जारी किया जा रहा है।

हंगामा ओटीटी पर 'मंगलमुखी' लॉन्च : मुंबई। भारत के प्रमुख डिजिटल एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म्स में से एक हंगामा ओटीटी ने 9 अप्रैल 2026 को अपनी नई ओरिजिनल सीरीज 'मंगलमुखी' लॉन्च की। यह एक सशक्त क्राइम ड्रामा है, जिसकी कहानी वाराणसी और मुंबई जैसे दो अलग-अलग माहौल के बीच आगे बढ़ती है। इस सीरीज में एला डी वर्मा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, उनके साथ नमिश तनेजा, रति पांडे और तान्या शर्मा भी अहम किरदार निभा रहे हैं। यह कहानी एक हाई-स्टेक मर्डर मिस्ट्री को पहचान, सम्मान और संघर्ष की भावनात्मक परतों के साथ जोड़ती है।

टाइटन के शेयरों में लगाए गए 1 लाख रुपये, अब 44 लाख से ज्यादा हो गए

नईदिल्ली, एजेंसी। गोल्ड और टाइटन के पिछले 16 साल के रिटर्न की बात करें तो टाइटन के शेयरों में लगाए गए 1 लाख रुपये अब 44 लाख रुपये से ज्यादा हो गए हैं। वहीं, 1 लाख रुपये से खरीदे गए गोल्ड के दाम अब 8 लाख रुपये के ऊपर पहुंच गए हैं। गोल्ड को सबसे सुरक्षित निवेश विकल्पों में से एक माना जाता है। निवेशकों को मालामाल करने के मामले में भी गोल्ड का कोई जवाब नहीं है। हालांकि, अगर आप जोखिम उठा सकते हैं तो मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियों के शेयरों में भी आपको छप्परफाड़ रिटर्न मिल सकता है। हमने गोल्ड और शेयर के रिटर्न की एक तुलना करने की कोशिश की है। हालांकि, दोनों बिल्कुल अलग-अलग निवेश विकल्प हैं और दोनों के अपने नफा-नुकसान हैं। हमने गोल्ड और ज्वैलरी बिजनेस से जुड़ी टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन के शेयरों में 1-1 लाख रुपये के निवेश के आधार पर कैलकुलेशन किया है। निवेश की अवधि हमने 16 साल रखी है तो आइए जानते हैं कि गोल्ड और टाटा ग्रुप के स्टॉक टाइटन, किसने निवेशकों को ज्यादा रिटर्न दिया।

टाइटन ने जून 2011 में अपने शेयरधारकों को 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। यानी, कंपनी ने हर 1 शेयर पर 1 बोनस शेयर दिया। साथ ही, टाइटन ने जून 2011 में ही 10:1 के रेशियो में अपने शेयर का बंटवारा (स्टॉक स्प्लिट) किया।

सुजलॉन समेत 3 शेयर पर सोमवार को रखें नजर

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप शेयर बाजार में ट्रेडिंग करते हैं तो ये खबर आपके काम की हो सकती है। दरअसल, ब्रोकरेज आनंद राठी के मेहुल कोठारी ने तीन शेयर के लिए अपना टारगेट प्राइस दिया है। आइए डिटेल जान लेते हैं। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव था। अब निवेशकों की निगाहें नए सप्ताह पर टिकी हैं। इस नए सप्ताह के पहले दिन कुछ शेयरों में हलचल की उम्मीद है। ब्रोकरेज आनंद राठी के मेहुल कोठारी ने तीन शेयरों को लेकर अपनी सिफारिश दी है। आइए डिटेल जान लेते हैं। नेटवर्क 18 : मुकेश अंबानी की रिलायंस के स्टेक वाली इस कंपनी के लिए 32 से 31 की रेंज में खरीदने की सलाह दी गई है। इसका टारगेट 37 से 39 के बीच तय किया गया है। वही, स्टॉप लॉस 29 है। सुमी वायरिंग इंडिया : 39 से 37 की रेंज में खरीदने की सलाह है तो टारगेट 43 और 48 रखा गया है। शेयर का स्टॉप लॉस 35 है। सुजलॉन एनजी : मेहुल कोठारी कहते हैं कि यह शेयर 44 से 42 की रेंज में खरीदें। इसका टारगेट 49 और 55 है तो स्टॉप लॉस 38 है। भारतीय शेयर बाजार ने एक बहुत ही उतार-चढ़ाव भरा हफ्ता (6-10 अप्रैल, 2026) देखा लेकिन यह 6 तक प्रतिशत की मजबूत बढ़त के साथ बंद हुआ, जो पिछले 5 से ज्यादा साल में इसका सबसे अच्छा साप्ताहिक प्रदर्शन रहा। हफ्ते की शुरुआत कमजोर रही, जिसकी वजह कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, अमेरिका-ईरान हालात को लेकर भू-राजनीतिक तनाव लगातार निकासी थी। हालांकि, हफ्ते के बीच में हालात में तेजी से सुधार हुआ। ये वो वक्त था जब सीजफायर का ऐलान हुआ। आनंद राठी में टेक्निकल रिसर्च के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट, मेहुल कोठारी ने कहा लगभग 6 प्रतिशत की तेजी अब महज एक राहत भरी उछाल से कहीं अधिक लग रही है क्योंकि इंडेक्स ने 23,100-23,400 के अहम रेजिस्टेंस जोन को निर्णायक रूप से तोड़ दिया है और 24,000 के स्तर के आस-पास टिका हुआ है। उन्होंने कहा- हमें उम्मीद है कि निफ्टी कम समय में 24500-24800 के जोन को फिर से टेस्ट करेगा। हालांकि, कम समय के लिए कुछ ठहराव या 23600-23200 के जोन (गैप-फिल एरिया) की तरफ थोड़ा पीछे हटना मुमकिन है लेकिन ऐसी गिरावटों को कमजोरी के संकेत के बजाय खरीदने के मौके के तौर पर देखा जाना चाहिए। बैंक निफ्टी इंडेक्स के आउटलुक पर मेहुल कोठारी ने कहा कि इंडेक्स ने रिकवरी की है। यह 50,000 के निचले स्तर से ऊपर उठकर 56,000 के स्तर को फिर से छूने के करीब है। मतलब है कि इसमें लगभग 10 प्रतिशत की तेज रिकवरी हुई है। बता दें कि शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में बड़ी बढ़त देखी गई थी।

7100 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गया मल्टीबैगर शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। मल्टीबैगर कंपनी अद्वैत एनर्जी ट्रांजिशन्स के शेयर 5 साल में 7100 प्रतिशत से ज्यादा चढ़ गए हैं। दो दिग्गज निवेशकों विजय केडिया और आशीष कचोलिया ने अद्वैत एनर्जी ट्रांजिशन्स पर बड़ा दांव लगाया हुआ है। स्मॉलकैप कंपनी अद्वैत एनर्जी ट्रांजिशन्स ने 5 साल में अपने शेयरधारकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। कंपनी के शेयरों ने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। अद्वैत एनर्जी ट्रांजिशन्स के शेयर 5 साल में 7100 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। कंपनी के शेयर शुक्रवार को बीएसई में 3 पर्सेंट की तेजी के साथ 1865.25 रुपये पर बंद हुए हैं। दो दिग्गज निवेशकों विजय केडिया और आशीष कचोलिया ने अद्वैत एनर्जी ट्रांजिशन्स पर बड़ा दांव लगाया हुआ है। कंपनी से जुड़ा एक बड़ा बिजनेस अपडेट भी आया है। अद्वैत एनर्जी ट्रांजिशन्स के शेयर पिछले 5 साल में 7143 पर्सेंट चढ़ गए हैं।

रूस से तेल, भारत में रिफाइनिंग...

ईंधन संकट के बीच बांग्लादेश का दांव

नईदिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) में जारी संघर्ष से भारत समेत दुनिया के कई देशों में ईंधन आपूर्ति संकट गहराया गया है। बांग्लादेश पर भी इसका गहरा असर दिखाई दे रहा है। ईंधन आपूर्ति संकट से निपटने के लिए बांग्लादेश एक नई रणनीति पर काम कर रहा है। बांग्लादेश अब रूस से कच्चा तेल खरीदकर उसे भारत में रिफाइन कराने और फिर वहां से तैयार ईंधन अपने देश लाने की योजना बना रहा है। इकनॉमिक टाइम्स के अनुसार, इस प्रस्ताव के तहत कच्चे तेल की खरीद, भारत में उसकी रिफाइनिंग और तैयार ईंधन के परिवहन का पूरा खर्च बांग्लादेश ही उठाएगा। इस बारे में बांग्लादेश के ऊर्जा एवं खनिज संसाधन विभाग ने ऊर्जा मंत्री इकबाल हसन महमूद तुकु को प्रस्ताव भेजा है। साथ ही भारत के साथ सरकारी स्तर पर समझौते के लिए विदेश मंत्रालय से बातचीत की अनुमति मांगी गई है।

बांग्लादेश के पास चटगांव में केवल एक सरकारी रिफाइनरी है, जिसकी वार्षिक क्षमता 1.5 मिलियन टन है। यह रिफाइनरी मुख्य रूप से पश्चिम एशिया के कच्चे तेल के लिए बनी है। रूसी कच्चा तेल अक्सर हेवी ग्रेड का होता है, जिसे प्रोसेस करने के लिए चटगांव की रिफाइनरी सक्षम नहीं है। पेट्रोलियम उत्पादों के लिए पूरी तरह आयात पर निर्भर रहना पड़ता है।

ईरान-अमेरिका युद्ध में बांग्लादेश की मदद की

हाल में ईरान युद्ध संकट के दौरान भारत ने बांग्लादेश को अतिरिक्त 5000 टन डीजल की सप्लाई की थी। इस तरह हाल के दिनों में भारत से बांग्लादेश को कुल 15,000 टन डीजल मिल चुका है। यह डीजल इंडिया-बांग्लादेश फ्रेंडशिप पाइपलाइन के जरिए परबतिपुर डिपो तक भेजा गया।

भारत-बांग्लादेश ऊर्जा सहयोग

हाल ही में बांग्लादेश के विदेश मंत्री भारत की यात्रा पर आए थे। इस दौरान भारत से डीजल आयात बढ़ाने पर प्रमुखता से चर्चा हुई। दोनों देशों के बीच पहले से ही ऊर्जा क्षेत्र में मजबूत संबंध हैं : सिलीगुड़ी (भारत) से परबतिपुर (बांग्लादेश) के बीच सीमा पार इंडिया-बांग्लादेश फ्रेंडशिप पाइपलाइन पहले से चालू है। नुमालीगढ़ रिफाइनरी : बांग्लादेश इस पाइपलाइन के जरिए भारत की नुमालीगढ़ रिफाइनरी से डीजल ले रहा है, जिसके लिए साल 2023 में 15 साल का समझौता हुआ था।

बैंक की अगले हफ्ते 4 दिन रहेगी छुट्टी

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर आप अगले हफ्ते बैंक से जुड़े काम करने की सोच रहे हैं, तो ये खबर आपके काम की है। जी हां, क्योंकि 13 अप्रैल से 19 अप्रैल 2026 के बीच देश के अलग-अलग हिस्सों में बैंक 4 दिन तक बंद रह सकते हैं। इसकी वजह कई बड़े त्योहार जैसे अंबेडकर जयंती, पोहेला बोइशाख और बोहाग बिहू हैं, जिनके चलते विभिन्न राज्यों में छुट्टियां घोषित की गई हैं। ऐसे में अगर आपको बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम है, तो पहले से प्लानिंग करना बेहद जरूरी हो जाता है।

रिजर्व बैंक के छुट्टी कैलेंडर के मुताबिक 14 अप्रैल को देश के कई बड़े शहरों जैसे मुंबई, दिल्ली, लखनऊ, कोलकाता, चेन्नई और बेंगलुरु में बैंक बंद रहेंगे। इसके अगले दिन यानी 15 अप्रैल को भी कई राज्यों में छुट्टी जारी रहेगी, खासतौर पर पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत के इलाकों में। वहीं 16 अप्रैल को कुछ चुनिंदा राज्यों में बोहाग बिहू के चलते बैंक बंद रहेंगे। इसके अलावा 19 अप्रैल को रविवार होने के कारण पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे। हालांकि एक राहत की बात यह है कि 18 अप्रैल, जो इस महीने का तीसरा शनिवार है, उस दिन बैंक खुले रहेंगे, क्योंकि भारत में बैंक केवल दूसरे और चौथे शनिवार को बंद रहते हैं। ऐसे में आप उस दिन अपने जरूरी काम निपटा सकते हैं।

बैंक की छुट्टियां पूरे देश में एक जैसी नहीं होतीं

यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि बैंक की छुट्टियां पूरे देश में एक जैसी नहीं होतीं, बल्कि यह राज्य और स्थानीय त्योहारों के हिसाब से तय होती हैं। इसलिए बैंक जाने से पहले अपनी लोकल ब्रांच से जानकारी जरूर लें। भले ही शाखाएं बंद रहें, लेकिन डिजिटल बैंकिंग सेवाएं जैसे नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और एटीएम सेवाएं सामान्य रूप से चालू रहेंगी, यानी आप पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं, कैश निकाल सकते हैं और बैलेंस चेक कर सकते हैं। लेकिन, चेक क्लियरेंस, ड्राफ्ट बनवाना या बैंक मैनेजर से मुलाकात जैसे काम छुट्टी के दौरान संभव नहीं होंगे। त्योहारों के इस हफ्ते में बैंकिंग कामकाज थोड़ा प्रभावित रहेगा, इसलिए समय रहते अपनी प्लानिंग करना ही सबसे समझदारी भरा कदम होगा।

शेयर बाजार में मंगलवार को ठप रहेगी ट्रेडिंग

नईदिल्ली, एजेंसी। अगले हफ्ते छुट्टियों की वजह से शेयर बाजार में सिर्फ 4 दिन ट्रेडिंग होगी। बता दें कि साल 2026 में शेयर बाजार के लिए 16 छुट्टियां तय हैं। इनमें से 6 छुट्टियां पहले ही बीत चुकी हैं। अगले सप्ताह की छुट्टी के बाद, बाकी बचे नौ महीनों में 9 और मौकों पर ट्रेडिंग बंद रहेगी। भारतीय शेयर बाजार में ट्रेडिंग करते हैं तो ये खबर आपके लिए है। दरअसल, अगले हफ्ते छुट्टियों की वजह से शेयर बाजार में सिर्फ 4 दिन ट्रेडिंग होगी। जानकारी के मुताबिक शेयर बाजार के दोनों स्टॉक एक्सचेंज हस्थ्र और बीएसई मंगलवार, 14 अप्रैल को डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर जयंती के मौके पर बंद रहेंगे। ऐसे में ट्रेडिंग सोमवार, बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार को होगी। शनिवार और रविवार साप्ताहिक अवकाश का दिन होता है। इसके अलावा, भारत का सबसे बड़ा कमोडिटी एक्सचेंज, मल्टी-कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया अंबेडकर जयंती के अवसर पर सुबह के सत्र में बंद रहेगा। हालांकि, शाम के सत्र में इसमें ट्रेडिंग फिर से शुरू होगी। पिछले हफ्ते भारतीय शेयर बाजार गुड फ्राइडे और महावीर जयंती के मौके पर दो दिनों के लिए बंद रहा था। बता दें कि साल 2026 में शेयर बाजार के लिए 16 छुट्टियां तय हैं। इनमें से 6 छुट्टियां पहले ही बीत चुकी हैं। अगले सप्ताह की छुट्टी के बाद, बाकी बचे नौ महीनों में 9 और मौकों पर ट्रेडिंग बंद रहेगी। अंबेडकर जयंती के बाद, बाजार की अगली छुट्टी 1 मई को महाराष्ट्र दिवस और 28 मई को बकरी ईद के मौके पर होगी।

डीजल पर मोदी सरकार का बड़ा फैसला, इंफ्रा सेस 36 प्रति लीटर बढ़ाए

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने हाई-स्पीड डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 24 प्रति लीटर और इंफ्रा सेस 36 प्रति लीटर बढ़ाए हैं। आइए जान लेते हैं कि सरकार ने यह फैसला क्यों लिया है। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जंग की वजह से भारत समेत दुनियाभर में फ्यूल संकट है। इस माहौल से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने हाई-स्पीड डीजल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी 24 प्रति लीटर और इंफ्रा सेस 36 प्रति लीटर बढ़ाए हैं। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि शुल्क में यह बढ़ोतरी तत्काल प्रभाव से लागू होगी। बता दें कि इससे पहले 26 मार्च को सरकार ने डीजल पर 21.50 रुपये प्रति लीटर और एटीएफ पर 29.5 रुपये प्रति लीटर का एक्सपोर्ट ड्यूटी लगाया था।

सरकार ने शनिवार को घोषणा की कि उसने डीजल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी 21.5 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 55.5 रुपये प्रति लीटर कर दी है। वहीं, हाई-स्पीड डीजल पर एडिशनल एक्साइज ड्यूटी और सेस भी बढ़ा दिए गए हैं। नई व्यवस्था के तहत, हाई-स्पीड डीजल पर स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी बढ़ाकर 24 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है।

क्या है फैसले की वजह

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच घरेलू बाजार में ईंधन की उपलब्धता बढ़ाने के लिए ये शुल्क लगाए गए थे। इन शुल्कों का उद्देश्य निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय और घरेलू कीमतों के अंतर का अनुचित लाभ उठाने से रोकना है, क्योंकि युद्ध शुरू होने के बाद से वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है। बता दें कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के खिलाफ सैन्य हमले शुरू करने के बाद तेहरान की ओर से व्यापक जवाबी कार्रवाई की गई थी। हालांकि, आठ अप्रैल को ईरान, अमेरिका और इजरायल दो सप्ताह के संघर्ष विराम पर सहमत हुए, जिससे पूरे पश्चिम एशिया और वैश्विक ऊर्जा बाजार में पैदा हुआ व्यवधान फिलहाल थमा है।

बड़े देशों के रिजर्व से ज्यादा भारतीय लोगों के लॉकर में सोना, रिपोर्ट ने चौंकाया

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत का आधिकारिक सोने का रिजर्व 880.3 टन है। इस मामले में भारत दुनिया में आठवें स्थान पर है। हालांकि, भारत के घरों और मंदिरों में निजी तौर पर जमा सोने का भंडार किसी भी एक देश के आधिकारिक सोने के भंडार से कहीं अधिक है। भारत के लगभग हर परिवार में सोना को लेकर दीवानगी है। यही वजह है कि भारत के घरों में अब दुनिया के टॉप 10 सेंट्रल बैंकों के कुल रिजर्व से भी ज्यादा सोना हो गया है। इंडस्ट्री बॉडी ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। 2024-25 और 2026 की शुरुआत में सोने की कीमतों में आई जबरदस्त तेजी के बाद भारत के घरों में रखे सोने की कीमत में भारी उछाल आया है। इसकी वजह से भारत के घरों में रखा सोना, अमेरिका, जर्मनी और चीन जैसे सबसे ज्यादा रिजर्व रखने वाले सेंट्रल बैंकों के सोने के भंडार से भी आगे निकल गया है।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के डेटा का हवाला देते हुए एसोचेम ने बताया कि भारत का आधिकारिक सोने का रिजर्व 880.3 टन है। इस मामले में भारत दुनिया में आठवें स्थान पर है। हालांकि, यह अमेरिका के 8,133.5 टन सोने के रिजर्व का दसवां हिस्सा भी नहीं है लेकिन भारत के घरों और मंदिरों में निजी तौर पर जमा सोने का भंडार किसी भी एक देश के आधिकारिक सोने के भंडार से कहीं अधिक है। हालांकि, फिजिकली सोना के साथ ही अब लोग डिजिटल सोना की ओर भी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। भारत के घरों में रखे सोने की कीमत अब कई ट्रिलियन डॉलर के दायरे में मानी जा रही है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल का अनुमान है कि भारतीय घरों और मंदिरों के पास लगभग 25,000 टन सोना है, जिसकी अनुमानित कीमत 2.4 ट्रिलियन डॉलर है। यह 2026 में भारत की अनुमानित नॉमिनल का लगभग 56 प्रतिशत है।

कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज का अनुमान है कि सोने की कीमतों में आई तेजी की वजह से जनवरी 2026 तक घरों में रखे सोने की कीमत बढ़कर 5 ट्रिलियन डॉलर से भी अधिक हो गई है। यह भारत की 125 प्रतिशत है। घरेलू बाजारों में सोने की कीमतें वित्त वर्ष 2026-27 में मध्यम रूप से तेज रहने की उम्मीद है क्योंकि भू-राजनीतिक तनाव, व्यापार युद्ध का डर और वैश्विक स्तर पर मंदी का बढ़ता जोखिम सेफ-हेवन (सुरक्षित निवेश) की मांग को बढ़ा सकता है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान चांदी में 142 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई, जबकि सोने में लगभग 67 प्रतिशत की तेजी आई।

35 प्रतिशत से अधिक उछलेगा फिजिक्सवाला का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। फिजिक्सवाला के शेयर की बात करें तो अभी 101 रुपये पर है। शेयर के लिए ब्रोकरेज ने कहा कि मौजूदा स्तरों से इसमें लगभग 35 प्रतिशत से अधिक बढ़त की संभावना है। ब्रोकरेज का अनुमान है रेवेन्यू 27 प्रतिशत और एबिटा लगभग 85 प्रतिशत रहेगा।

एडुटेक कंपनी के शेयर में सुस्ती वाले माहौल के बीच ब्रोकरेज फर्म सिक्योरिटीज ने इसे खरीदने की सलाह दी है। ब्रोकरेज ने इस शेयर के लिए एक टारगेट प्राइस भी दिया है जो वर्तमान कीमत से 35 पर्सेंट से भी अधिक है। फिजिक्सवाला के शेयर की बात करें तो अभी 101 रुपये पर है। शेयर के लिए ब्रोकरेज ने रेटिंग दी है। इसके साथ ही 140 प्रति शेयर के टारगेट प्राइस के साथ कवरेज शुरू किया है। इसका मतलब है कि मौजूदा स्तरों से इसमें लगभग 35 प्रतिशत से अधिक बढ़त की संभावना है। इस शेयर के 52 हफ्ते का हाई 162.05 रुपये और 52 हफ्ते का लो 77.75 रुपये है। ब्रोकरेज का मानना है कि इस कंपनी की ताकत

उसके ओमनीचैनल मॉडल में निहित है, जिसके तहत वह सबसे पहले मुफ्त कंटेंट और जुड़ाव के जरिए बड़ा यूजर बेस तैयार करता है और फिर उन्हें पैसे देने वाले ग्राहकों में बदल देता है। इसके मुख्य ऑफर कोर्स ही हैं जबकि यह क्षेत्रीय भाषाओं और नई कैटेगरीज में भी अपना विस्तार जारी रखे हुए है। उम्मीद है कि विकास की मजबूत गति बनी रहेगी। ब्रोकरेज का अनुमान है कि रेवेन्यू और एबिटा लगभग 85 प्रतिशत रहेगा। यह भी उम्मीद है कि कंपनी एडजस्टेड लेवल पर मुनाफा कमाने लगेगी। अपने डिजिटल बिजनेस के साथ-साथ, कंपनी ने तेजी से बढ़ती हुई ऑफलाइन मौजूदगी भी बनाई है। कंपनी अब 200 शहरों में 300 से अधिक सेंटर चलाती है, जो क्लासरूम लर्निंग चाहने वाले स्टूडेंट्स को सेवा देते हैं। काफी कैश बैलेंस होने की वजह से कंपनी अपनी बैलेंस शीट पर बिना कोई दबाव डाले अपने विस्तार के लिए अंदरूनी तौर पर फंड जुटा रही है। इलेरा कंपनी के ऑनलाइन और ऑफलाइन बिजनेस की अलग-अलग वैल्यू लगाती है और मानती है कि इसकी ग्रोथ की संभावना और बढ़ते मुनाफे को देखते हुए, मौजूदा वैल्यूएशन अभी भी आकर्षक हैं। बता दें कि पिछले साल फिजिक्सवाला का आईपीओ आया था। यह 3480 करोड़ का एक बुक-बिल्डिंग इशू था, जिसमें 3100 करोड़ का नया इशू और प्रमोटर अलख पांडे और प्रतीक बूब द्वारा 380 करोड़ का 'ऑफर फॉर सेल' शामिल था।

संक्षिप्त समाचार

ट्रेन से रेस्क्यू 165 बच्चों का जबलपुर और कटनी में हो रही काउंसिलिंग

जबलपुर/कटनी। रेलमंडल के कटनी स्टेशन पर शनिवार की देर रात पटना-पूर्णा एक्सप्रेस से जिन 165 मुस्लिम बच्चों का रेस्क्यू किया गया था। उन बच्चों की जबलपुर व कटनी में काउंसिलिंग की जा रही है. प्रशासन को आशंका है कि यह पूरा मामला मानव तस्करी से जुड़ा हुआ है। उल्लेखनीय है कि खुफिया सूचना के आधार पर आरपीएफ, जीआरपी, महिला एवं बाल विकास विभाग और बाल संरक्षण इकाई की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए अलग-अलग कोचों से बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। प्राथमिक पूछताछ के बाद बच्चों को दो हिस्सों में बांटा गया। इनमें से 82 बच्चों को निगरानी और काउंसलिंग के लिए देर रात बस से जबलपुर भेजा गया, जबकि 83 बच्चों को कटनी में ही सुरक्षित रखा गया है। जांच में सामने आया है कि सभी बच्चों को बिहार से महाराष्ट्र ले जाया जा रहा था। बच्चों के साथ मौजूद एक व्यक्ति ने खुद को लातूर स्थित मदरसे का शिक्षक बताया और कहा कि वह अररिया (बिहार) से बच्चों को पढ़ाई के लिए ले जा रहा था।

दरबारे सफ़वी में सालाना उर्स 16 को, कई शहरों से आयेंगे ज़ायरीन

जबलपुर। मशहूर वली सूफ़ी हज़रत शाह बिस्मिल्लाह सफ़वी निज़ामी, हज़रत हाजी करामत उल्ला शाह इदरीस बाबा और हज़रत हाजी मुहम्मद नईम उल्लाह शाह का सालाना उर्स शानो शौकत व अकीदत के साथ मनाया जाएगा। दरबारे सफ़वी मण्डी मदार टेकरी के सज्जादानशीन सूफ़ी मुहम्मद अनीस सफ़वी करामती उर्फ़ बाबू बाबा ने बताया कि 16 अप्रैल गुरूवार को उर्स का आगाज़ सुबह 9 बजे कुरान ख्वानी से होगा। दोपहर 3 बजे बाबू बाबा इदरीस बाबा के निवास से गागर चादर जुलूस निकाला जाएगा। हज़रत डॉ. रिज़वान हामिद इलाहाबाद, हज़रत बाबा रहीम उल्लाह सफवी शाह, हज़रत बाबा हाजी सरदार अब्दुल हकीम बाबा, हाजी अब्दुल रशीद सफवी जुलूस की क्यादत करेंगे। रात 11 बजे से महफिले समां होगी। दरबारे सफ़वी मण्डी मदार टेकरी के सज्जादानशीन मुहम्मद अनीस उर्फ़ बाबू बाबा और मुबीन बाबा चांदनी चौक ने अकीदतमंदों से शिरकत की गुज़ारिश की है।

केंद्रीय विद्यालय प्रगतिशील शिक्षक संघ का संभागीय अधिवेशन

जबलपुर। केंद्रीय विद्यालय प्रगतिशील शिक्षक संघ जबलपुर संभाग का अधिवेशन में मुख्य अतिथि दिग्गराज मीना उपायुक्त केंद्रीय विद्यालय संगठन जबलपुर संभाग एवं किरण शर्मा सहायक आयुक्त, अमित श्रीवास्तव प्राचार्य पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय आयुध निर्माणी खामरिया पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिल डेला राष्ट्रीय महासचिव केंद्रीय विद्यालय प्रगतिशील शिक्षक संघ नई दिल्ली, फणी भूषण पांडे प्राचार्य पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय 1 एसएसटीसी, रजनीश कुमार सिंघई प्राचार्य पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 1 जीसीएफ एवं सुनीता केसर उप प्राचार्य महोदया के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ।

भिटौनी आ रही एलपीजी मालगाड़ी में रिसाव, बड़ा हादसा टला

जबलपुर आने वाली राजधानी और मंगला एक्सप्रेस फंसीं, जबलपुर भिटौनी डिपो में अलर्ट

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

जिले के भिटौनी स्थित भारत पेट्रोलियम डिपो आ रही एक मालगाड़ी में गैस रिसाव की घटना से हड़कंप मच गया। पनवेल, महाराष्ट्र से रवाना हुई 32 वैगन वाली यह एलपीजी मालगाड़ी जब रविवार रात 9:30 बजे खंडवा स्टेशन के आउटर पर पहुंची, तब एक वैगन से भारी मात्रा में गैस रिसने का पता चला। घटना की गंभीरता को देखते हुए रेलवे ने तत्काल प्रभाव से खंडवा-इटारसी रेलखंड पर ट्रेनों की आवाजाही रोक दी और जबलपुर रेल मंडल को भी अलर्ट जारी किया गया।

गैस की तेज गंध फैलते ही खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता और एसपी मनोज कुमार राय प्रशासनिक अमले के साथ मौके पर पहुंच गए। ट्रेन का स्टाफ बदलते समय नई टीम ने इस रिसाव को पकड़ा था। अधिकारियों के निर्देश पर तकनीकी दल ने 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद रिसाव वाले 1 वैगन को बाकी 31 वैगनों से काटकर अलग किया। सुरक्षा के लिहाज से इस वैगन को मुख्य लाइन से दूर आइसोलेट कर दिया गया और रिसाव वाले हिस्से को गीली रेत व बारदान से ढंक दिया गया। स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित करने के लिए पीथमपुर से विशेषज्ञों की विशेष टीम बुलाई गई।

जबलपुर डिपो में सुरक्षा के विशेष इंतजाम

जबलपुर के भिटौनी स्थित गंतव्य स्थल पर इस मालगाड़ी का इंतजार कर रहे अधिकारियों ने सुरक्षा प्रोटोकॉल सक्रिय कर दिया। रिसाव वाले वैगन को खंडवा में ही रोकने के बाद शेष 31 वैगनों को रात 12:30 बजे के बाद जबलपुर के लिए रवाना किया गया। जबलपुर पहुंचने पर भी विशेषज्ञों की टीम ने रैक की दोबारा जांच की ताकि खाली करने की प्रक्रिया के दौरान कोई अन्य तकनीकी समस्या न आए। भिटौनी डिपो प्रबंधन ने पूरे घटनाक्रम की रिपोर्ट तलब की है और आगामी रैक की लोडिंग-अनलोडिंग के लिए विशेष निगरानी दल तैनात किया है।

राजधानी समेत 6 एक्सप्रेस ट्रेनें प्रभावित

इस आपातकालीन स्थिति और बचाव कार्य के कारण दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग करीब 3 घंटे तक बाधित रहा। खंडवा के पास ट्रैक बंद होने से राजधानी एक्सप्रेस और मंगला एक्सप्रेस जैसी 6 महत्वपूर्ण गाड़ियां प्रभावित हुईं, जिन्हें अलग-अलग स्टेशनों पर रोकना पड़ा। रात 12:30 बजे जब रिसाव वाले वैगन को पूरी तरह सुरक्षित कर लिया गया, तब कहीं जाकर रेल मार्ग बहाल हो सका। जबलपुर रेल मंडल के परिचालन विभाग ने देरी से चल रही ट्रेनों को प्राथमिकता के आधार पर निकालने के निर्देश दिए ताकि यात्रियों को कम से कम असुविधा हो।

युवा कांग्रेस का उग्र प्रदर्शनः वाटर कैनन चला, पुलिस-कार्यकर्ता आमने-सामने

जबलपुर प्रातः किरण, संवाददाता

जबलपुर। केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के विरोध में सोमवार को जबलपुर में युवा कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया, जिसने देखते ही देखते उग्र रूप ले लिया। शहर की सड़कों पर हजारों कार्यकर्ताओं का हुजूम उमड़ा और कलेक्टर कार्यालय घेराव के दौरान पुलिस से तीखी झड़प हो गई। हालात काबू में करने के लिए पुलिस को वाटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा।

नेतृत्व में निकली विशाल रैली

युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब और प्रदेश अध्यक्ष यश लखन घनघोरिया के नेतृत्व में यह विशाल रैली निकाली गई। रैली में शामिल कार्यकर्ता केंद्र सरकार की ट्रेड डील और राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आगे बढ़ रहे थे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि सरकार आम जनता के हितों की अनदेखी कर रही है और युवाओं के मुद्दों पर पूरी तरह विफल साबित हुई है।

घंटाघर पर रोकी गई भीड़, बढ़ा तनाव

जैसे ही रैली घंटाघर क्षेत्र होते हुए कलेक्टर कार्यालय की ओर बढ़ी, पुलिस प्रशासन ने पहले से ही बैरिकेडिंग कर रखी थी। पुलिस ने कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया, लेकिन भीड़ के उग्र तेवर के चलते स्थिति तनावपूर्ण हो गई। प्रदर्शनकारी बैरिकेड्स तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे।

वाटर कैनन का इस्तेमाल, मची अफरा-तफरी

स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का सहारा लिया। तेज पानी की बौछार से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इसके बावजूद कई कार्यकर्ता पीछे हटने को तैयार नहीं हुए, जिससे पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की और झड़प की स्थिति बन गई।

पुलिस ने की गिरफ्तारियां, बाद में रिहाई

हालात बिगड़ते देख पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। उन्हें पुलिस लाइन ले जाया गया, जहां आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर मुचलके पर रिहा कर दिया गया।

हजारों कार्यकर्ताओं की रही मौजूदगी

इस पूरे घटनाक्रम के दौरान कांग्रेस के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदर्शन ने शहर की कानून-व्यवस्था को कुछ समय के लिए प्रभावित कर दिया, हालांकि बाद में स्थिति सामान्य हो गई। यह प्रदर्शन आगामी राजनीतिक गतिविधियों का संकेत भी माना जा रहा है, जिसमें युवा कांग्रेस सरकार के खिलाफ अपने आंदोलन को और तेज करने की तैयारी में नजर आ रही है।

टिकट चैकिंग से पमरे ने कमाए 127 करोड़

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

पश्चिम मध्य रेल में महाप्रबंधक के मार्गदर्शन और प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक के निर्देशानुसार तीनों मंडलों में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य अधिकारियों के नेतृत्व में यात्री गाडियों एवं स्टेशनों पर समय-समय पर टिकट जांच अभियान चलाकर राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है। इन अभियानों के परिणामस्वरूप पश्चिम मध्य रेल ने वित्तीय वर्ष अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक कुल 18 लाख 63 हजार मामले पकड़े। इन मामलों में बिना टिकट यात्रा, अनबुक्ड लगेज तथा अनियमित टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्री शामिल थे। इनसे कुल 127 करोड़ 15 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया है। यह राशि पिछले वित्तिय वर्ष 2024-25 में प्राप्त किए गए राजस्व 110 करोड़ 98 लाख रुपये की तुलना में 14.57 प्रतिशत अधिक है।

मुख्यालय के टिकट निरीक्षकों द्वारा चलाए गए टिकिट जाँच अभियान में बिना टिकिट/अनबुक्ड लगेज/अनियमित टिकिट लेकर यात्रा करने वालों 35 हजार प्रकरण से 2 करोड़ 15 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया। वरिष्ठ अधिकारियों के रणनीति प्रबंधन से टिकट निरीक्षकों द्वारा चलाए गए जांच अभियान में 8 लाख 22 हजार प्रकरण से 59 करोड़ 75 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त किया हैं, जो कि पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 कि तुलना में राजस्व (47 करोड़ 15 लाख रुपए) लगभग 27 प्रतिशत अधिक है। साथ ही रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य (57 करोड़ 69 लाख रुपए) से लगभग 4 प्रतिशत की वृद्धि को भी दर्शाता हैं।

रेल प्रशासन ने यात्रियों से की ये अपील

रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि बिना टिकट यात्रा न करें। यात्रा से पूर्व उचित टिकट अवश्य लें, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। यात्रियों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वाणिज्य विभाग एवं आरपीएफ के समन्वय से पश्चिम मध्य रेल द्वारा ट्रेनों में टिकट चेकिंग अभियान आगे भी निरंतर चलाए जाते रहेंगे।

यश राज जैन को आईआईएम मुंबई से एमबीए अवॉर्ड

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता

जेईसी जबलपुर से बीटेक मैकेनिकल इंजीनियर की परीक्षा उत्तीर्ण कर इंजी. यश राज जैन ने भारतीय प्रबंधन संस्थान आईआईएम मुंबई से मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) विशिष्टता के साथ प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण किया। जिसके लिए संस्थान के तृतीय वार्षिक दीक्षांत समारोह में उन्हें अतिथियों के हाते सम्मानित किया गया, जो सकल जैन समाज के लिए गौरव की बात है। यश राज जैन वरिष्ठ समाज सेवी सर्वोदय अहिंसा के प्रदेश संयोजक एवं अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन के प्रांतीय मीडिया प्रभारी दीपक राज जैन एवं संगीता जैन के सुपुत्र ओर डॉ. याशिका जैन के भाई हैं, जिन्होंने वर्ष 2024-26 में दो वर्षीय पाठ्यक्रम सफलता पूर्वक पूर्ण कर यह डिग्री प्राप्त की है। यश राज जैन की इस उपलब्धि पर दादा-दादी पुण्यकुमारी स्वामी प्रकाशचंद्र जैन एवं समस्त स्वामीजी परिवार के साथ सकल जैन समाज, सर्वोदय अहिंसा, अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन, तारण तरण नवयुवक मंडल, कुंडा वाला परिवार के साथ शिक्षा जगत सहित बड़ी संख्या में शुभचिंतकों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है।

खाकी बेअसर, बदमाश बेलगाम

गोलियों से गूंज रहा शहर, अपराधियों के आगे पुलिस बनी मूकदर्शक

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

संस्कारधानी की पहचान अब शांति और सभ्यता से नहीं, बल्कि गोलियों की तड़तड़ाहट और बेखौफ अपराधियों से होने लगी है। शहर की सड़कों पर खुलेआम कट्टे-पिस्टल लहराते बदमाश जिस तरह दहशत फैला रहे हैं, उसने पुलिस की कार्यप्रणाली और कानून व्यवस्था की हकीकत को नंगा कर दिया है। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि अब आम नागरिक घर से निकलने में भी डर महसूस करने लगे हैं, क्योंकि यह भरोसा टूट चुका है कि शहर में कानून का राज बचा है। बीते डेढ़ महीने के भीतर शहर और आसपास के इलाकों में एक के बाद एक हुई फायरिंग की वारदातों ने साबित कर दिया है कि जबलपुर अब अपराधियों के लिए सुरक्षित ठिकाना बन चुका है। कहीं जमीन विवाद में गोली चल रही है, कहीं गैंगवार में गोलियां दागी जा रही हैं, तो कहीं निर्माणाधीन मकानों में घुसकर बदमाश पिस्टल तान रहे हैं। सवाल यह है कि आखिर अपराधियों को यह हिम्मत मिल कहां से रही है?

बदमाश खुलेआम हथियार लहराकर चुनौती दे रहे हैं।

एफआईआर तक सीमित रह गई खाकी

हर वारदात के बाद पुलिस वही पुराना रटा-रटाया बयान देती है, मामला दर्ज कर लिया गया है, जांच जारी है। लेकिन हकीकत यह है कि एफआईआर दर्ज करने के बाद पुलिस मानो अपनी जिम्मेदारी पूरी मान लेती है। अपराधी खुलेआम वारदात कर रहे हैं और पुलिस फाइलों में कार्रवाई दिखाकर वाहवाही लूट रही है। यही कारण है कि अपराधियों के मन से पुलिस का खौफ पूरी तरह खत्म हो चुका है।

गश्त नहीं, सिर्फ दिखावा

एक समय था जब रात में पुलिस की पैदल गश्त देखकर अपराधी गलियों में कदम रखने से डरते थे, लेकिन अब पुलिस की सक्रियता सिर्फ फोटो खिंचवाने और दिखावे तक सीमित रह गई है। मुख्य सड़कों पर चेकिंग प्वाइंट लगाकर खानापूर्ति कर दी जाती है, जबकि मोहल्लों और गलियों में अपराधी बेखौफ घूमते हैं। थाना प्रभारी और अधिकारी अब जनता के बीच नहीं, बल्कि सिर्फ एयर कंडीशन दफ्तरों में नजर आते हैं। जिस वर्दी को देखकर कभी बदमाश कांपते थे, आज वही वर्दी अपराधियों के सामने बौनी साबित हो रही है। अपराधी अब यह समझ चुके हैं कि पुलिस का डर सिर्फ पोस्टर और प्रेस नोट तक सीमित है। तभी तो खुलेआम हवाई फायरिंग के वीडियो वायरल हो रहे हैं, गैंगवार हो रही है पर कानून नहीं, बल्कि अपराधियों का राज होगा। जनता पूछ रही है–क्या खाकी सिर्फ वसूली, चालान और औपचारिक कार्रवाई तक सीमित रह गई है? क्या शहर की सुरक्षा अब भगवान भरोसे है?

डेढ़ महीने में शहर को दहलाने वाली फायरिंग की बड़ी वारदातें

9 अप्रैल: बरेला थाना क्षेत्र– ग्राम परतला चौराहे पर रात करीब 9:30 बजे स्कॉर्पियो सवार बदमाश नितिन मिश्रा ने मनीष पटेल पर फायरिंग की। निशाना चूकने पर पास खड़े कमलेश को गोली लग गई।

9 अप्रैल:पाटन थाना क्षेत्र– बेनीखेड़ा में जमीन विवाद के चलते ठाकुर दास पटेल पर महिला और उसके साथियों ने हमला कर गोली मार दी।

9-10 अप्रैल:मदनमहल थाना क्षेत्र– रानीपुर माली मोहल्ला में निर्माणाधीन मकान में घुसकर बदमाशों ने प्रॉपर्टी डीलर सचिन सैनी और साथियों को धमकाया, फिर पिस्टल से फायरिंग की।

3 अप्रैल: माढ़ोताल थाना क्षेत्र– मरघटाई के पास ऋतिक जायसवाल ने अवैध पिस्टल लहराते हुए हवाई फायरिंग की, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ।

31 मार्च: घमापुर थाना क्षेत्र– कांचघर में यश थोराट और लकी यादव गैंग के बीच गैंगवार, दोनों पक्षों से चली गोलियां।

30 मार्च: माढ़ोताल थाना क्षेत्र– निर्माणाधीन जबालीपुरम कॉलोनी में दो नकाबपोश बदमाशों ने फायरिंग कर दहशत फैलाई।

2 फरवरी:गढ़ा थाना क्षेत्र– बेदी नगर छुई खदान में कुख्यात बदमाश शिब्बू ने हत्या केस में जमानत पर छूटने के बाद दो बार फायरिंग की।

पुलिस महकमा

एक दरोगा ने रची साजिश, दूसरे को करवा दिया सस्पेंड

कुर्सी की जंग में थाना प्रभारी आउट!

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता

पुलिस महकमे में इन दिनों एक बड़ी विभागीय कार्रवाई चर्चा का विषय बनी हुई है, लेकिन इस कार्रवाई से ज्यादा सुर्खियों में है उसके पीछे की कथित अंदरूनी सियासत। हाल ही में देहात क्षेत्र के एक थाने में पदस्थ दरोगा सहित कई पुलिसकर्मियों के निलंबन के बाद पुलिस विभाग के गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म है। आधिकारिक तौर पर इस कार्रवाई को आईजी स्तर की अनुशासनात्मक कार्रवाई बताया जा रहा है, लेकिन विभागीय सूत्रों की मानें तो कहानी सिर्फ इतनी नहीं है।

पुलिस महकमे के भीतर चर्चा है कि इस पूरे घटनाक्रम के पीछे एक ऐसे थाना प्रभारी की अहम भूमिका रही, जो पहले दंगा प्रभावित क्षेत्र में थाना प्रभारी की कुर्सी संभाल चुका है और किसी कारणवश अपनी कुर्सी गंवा बैठा था। अब दोबारा थाना प्रभारी की कुर्सी हासिल करने की चाहत में उसने ऐसा दांव चला कि एक दूसरे थाना प्रभारी को ही रास्ते से हटवा दिया गया।

सूत्रों का दावा है कि संबंधित अधिकारी ने अपने प्रभाव और संपर्कों का इस्तेमाल करते हुए पूरे मामले को योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया। पहले थाने की गतिविधियों और कामकाज से जुड़ी शिकायतों को व्यवस्थित रूप से उच्चाधिकारियों तक पहुंचाया गया, फिर विभागीय स्तर पर ऐसा माहौल तैयार किया गया कि कार्रवाई अपरिहार्य दिखाई देने लगे। इसके बाद जो हुआ, उसने पूरे विभाग को चौंका दिया–एक साथ कई पुलिसकर्मियों पर गाज गिरी और संबंधित थाना प्रभारी की कुर्सी खाली हो गई। चर्चा यह भी है कि इस पूरे घटनाक्रम की भनक आला अधिकारियों को पहले से थी, लेकिन उन्होंने मामले में खुलकर हस्तक्षेप नहीं किया और चुप्पी साधे रखी। यही वजह है कि अब विभाग के अंदर यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या कार्रवाई वास्तव में सिर्फ अनुशासनात्मक थी या फिर इसके पीछे किसी की रणनीतिक चाल भी काम कर रही थी।

पुलिस विभाग के कई अधिकारी और कर्मचारी बंद कमरों में इस घटनाक्रम को कुर्सी की जंग का नाम दे रहे हैं। उनका कहना है कि विभाग में पद और प्रभाव की लड़ाई अब केवल फील्ड वर्क तक सीमित नहीं रही, बल्कि अब अधिकारी एक-दूसरे को हटाने के लिए रणनीतिक तरीके से मोर्चेबंदी करने लगे हैं। हालांकि इस पूरे मामले पर कोई भी वरिष्ठ अधिकारी खुलकर बोलने को तैयार नहीं है, लेकिन जिस तरह अचानक हुई कार्रवाई और उसके बाद सामने आई चर्चाओं ने जोर पकड़ा है, उससे साफ है कि मामला सिर्फ निलंबन तक सीमित नहीं है। फिलहाल पुलिस महकमे में इस अंदरूनी खेल की चर्चाएं जोरों पर हैं और हर कोई जानना चाहता है कि आखिर वह कौन थाना प्रभारी है जिसने अपनी वापसी के लिए दूसरे की कुर्सी खिसका दी। आने वाले दिनों में यह मामला और तूल पकड़ सकता है।

स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्रकाशक एवं मुद्रक विशाखा अवस्थी द्वारा श्री हनुमत कृपा पब्लिकेशन से मुद्रित एवं ब्लॉक -7, हॉल ए-7 स्कीम-18, जेडीए ऑफिस के बाजू, सिविक सेंटर से प्रकाशित। RNI NO. MPHIN/25/A1541
सलाहकार संपादक अरविंद शीले, प्रबंध संपादक श्रवण मिश्रा, संपादक मदन मोहन अवस्थी* पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार दूरभाष -9827007217, 9425856600, 0761-3515636, भोपाल कार्यालय- 9229122444, 0755-3167255